{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरूवार 08 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 107
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,188.60
निफ्टी	-	26,146.55
सोना	-	1,35,060
चांदी	-	2,38,000
डॉलर	-	89.99

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

नार्थ अटलांटिक सागर में अमेरिकी सेना ने रुसी तेल टेंकर जब्त किया

डिपार्टमेंट ऑफ़ होमलेंड सिक्योरिटी और अमेरिकी सेना का ज्वाइंट ऑपरेशन

न्यूयार्क। अमेरिकी सेना का कहना है कि नॉर्थ अटलांटिक में रूसी झंडे वाले तेल टैंकर को ज़ब्त किया गया.

अमेरिकी यूरोपियन कमांड, जो इस इलाके के लिए ज़िम्मेदार है, ने ड्ड पर एक पोस्ट में कहा कि वेनेज़ुएला के पास बोर्डिंग से बचने वाले इस जहाज़ को ज़ब्त करना डिपार्टमेंट ऑफ़ होमलैंड सिक्योरिटी और अमेरिकी सेना के जवानों का एक जॉइंट ऑपरेशन था।

संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना ने बुधवार (7 जनवरी, 2026) को घोषणा की कि उन्होंने नॉर्थ अटलांटिक में एक रूसी झंडे वाले तेल टैंकर, जिसे पहले बेला-1 के नाम से जाना जाता था, को प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोप में ज़ब्त कर लिया है। इसके साथ ही अमेरिकी सेनाओं द्वारा कई हफ़्तों से जारी पीछा करने का सिलसिला खत्म हो गया।

ड्ड पर एक पोस्ट में, इस क्षेत्र के लिए ज़िम्मेदार .रु. यूरोपियन कमांड ने कहा कि वेनेज़ुएला के पास बोर्डिंग से बचने वाले जहाज़ को ज़ब्त करना डिपार्टमेंट ऑफ़ होमलैंड सिक्योरिटी और .रु. मिलिट्री कर्मियों का एक जॉइंट ऑपरेशन था।

मिलिट्री कमांड ने आगे कहा कि यह कार्रवाई

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस ऐलान का समर्थन करती है जिसमें ऐसे बैन किए गए जहाजों को टारगेट करने की बात कही गई थी जो फ्रपश्चिमी गोलार्ध की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा हैं।

इस जहाज़ पर 2024 में अमेरिका ने बैन लगा दिया था, क्योंकि उस पर लेबनानी आतंकवादी ग्रुप हिजबुल्लाह से जुड़ी एक कंपनी के लिए सामान की स्मगलिंग करने का आरोप था। दिसंबर में जब यह जहाज़ वेनेज़ुएला जा रहा था, तब अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने कैरेबियन में इस पर चढ़ने की कोशिश की। जहाज़ ने चढ़ने से मना कर दिया और अटलांटिक पार चला गया।

अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन के आस-पास रूसी मिलिट्री जहाज़ भी थे, जिसमें एक रूसी सबमरीन भी शामिल थी। यह साफ़ नहीं था कि जहाज़ ऑपरेशन से कितनी दूरी पर थे, जो आइसलैंड के पास हो रहा था।

ब्रिटेन ने रूसी तेल टैंकर को ज़ब्त करने के अमेरिकी मिशन का समर्थन किया

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ब्रिटेन ने उत्तरी अटलांटिक में रूसी झंडे वाले तेल टैंकर को ज़ब्त करने के ऑपरेशन में अमेरिका को सपोर्ट दिया। टैंकर उन जहाजों में से है जिन्हें अमेरिका ने टारगेट किया है। अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने पिछले महीने पहली बार इस जहाज को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन उसने जहाज पर चढ़ने से मना कर दिया। तब से, इसे रूसी झंडे के तहत रजिस्टर किया गया है। यह टैंकर, जिसे अब मरीनरा के नाम से जाना जाता है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेज़ुएला के खिलाफ दबाव अभियान शुरू होने के बाद से अमेरिकी कोस्ट गार्ड द्वारा टारगेट किया गया लेटेस्ट टैंकर है। रायटर्स को अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अलग से, अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने लैटिन अमेरिकी पानी में वेनेज़ुएला से जुड़े एक और टैंकर को भी रोका है, क्योंकि अमेरिका वेनेज़ुएला से बैन जहाजों की समुद्री फ्रनाकाबंदीफ्र लागू करना जारी रखे हुए है।

यह कदम शनिवार (3 जनवरी) को सुबह होने से ठीक पहले उठाया गया, जब अमेरिकी स्पेशल फोर्सेस ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने और उन्हें अमेरिका ले जाने के लिए कराकस में एक जानलेवा रेड की। अमेरिकी सेना ने उन्हें कथित ड्रग तस्करी के आरोपों में मुकदमा चलाने के लिए फेडरल अधिकारियों को सौंप दिया।

वेनेज़ुएला के टॉप अधिकारियों ने मिस्टर मादुरो की गिरफ्तारी को किडनैपिंग बताया है और अमेरिका पर दुनिया के सबसे बड़े माने जाने वाले देश के विशाल तेल भंडार को चुराने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

इसके जवाब में, मिस्टर ट्रंप और अमेरिका के टॉप अधिकारियों ने वेनेज़ुएला पर अमेरिकी तेल चुराने का आरोप लगाया है, जो पिछले आधी सदी में कई चरणों में देश के एनर्जी सेक्टर के राष्ट्रीयकरण की ओर एक इशारा था।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (6 जनवरी) को वेनेज़ुएला के 50 मिलियन बैरल तक तेल को रिफाइन करके बेचने की योजना का खुलासा किया। यह तेल अमेरिकी नाकाबंदी के कारण वेनेज़ुएला में फंसा हुआ था। यह इस बात का एक और संकेत है कि पिछले सप्ताहांत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को एक छापे में पकड़ने के बाद से वाशिंगटन वेनेज़ुएला सरकार के साथ तालमेल बिठा रहा है।

खास खबर

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस की मान्यता रद्द

जम्मू। नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने जम्मू स्थित वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस की मान्यता रद्द कर दी है। कमिशन के मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड ने यह कार्रवाई की। कॉलेज को पिछले साल ही एमबीबीएस कोर्स चलाने की मान्यता मिली थी। कमिशन ने 6 जनवरी को एनएमसी के मानकों में उल्लंघन पाए जाने पर यह फैसला लिया। मौजूदा एमबीबीएस के छात्रों का अन्य कॉलेजों में शिफ्ट किया जाएगा। कुछ महीने पहले कॉलेज पर आरोप लगा था कि 2025-26 के पहले बैच में इसने 42 मुस्लिम, 7 हिंदू और एक सिख छात्र का नाम सीट अलॉटमेंट लिस्ट में रखा। जिसके बाद कई हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा था कि सीट बंटवारे में भेदभाव किया गया। हिंदू छात्रों की अनदेखी की गई, इसलिए एडमिशन लिस्ट तुरंत रद्द होनी चाहिए।

जोमैटो को 3.7 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और क्विक कॉमर्स सर्विस ब्लिंकिट के पैरेंट कंपनी इटरनल की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पश्चिम बंगाल के गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स विभाग ने कंपनी को 3.7 करोड़ रूपए का डिमांड ऑर्डर भेजा है। यह मामला वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान टैक्स भुगतान में हुई कमी से जुड़ा है। कंपनी ने मंगलवार शाम को शेयर बाजार को दी गई जानकारी में इस नोटिस की पुष्टि की है। कमिश्नर ऑफ स्टेट टैक्स, पश्चिम बंगाल ने यह आदेश पारित किया है। इटरनल ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि यह डिमांड ऑर्डर मुख्य रूप से शॉर्ट पेमेंट ऑफ आउटपुट टैक्स से जुड़ा है। यानी विभाग का मानना है कि कंपनी ने उस अवधि के दौरान जितना टैक्स जमा करना चाहिए था, उससे कम भुगतान किया है। अब विभाग ने बकाया टैक्स के साथ-साथ उस पर भारी ब्याज और जुर्माना भी लगाया है।

टैटू के निशान होने के कारण कांस्टेबल की नौकरी के इच्छुक व्यक्ति की याचिका खारिज

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में कांस्टेबल की नौकरी के इच्छुक एक व्यक्ति की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उसने शरीर के विभिन्न भागों पर टैटू के निशान होने के कारण उम्मीदवारी खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। अभ्यर्थी ने मेडिकल परीक्षा से पहले वे टैटू हटा दिए थे, लेकिन उनके निशान बाकी थे। अदालत ने कहा कि किसी उम्मीदवार के स्वास्थ्य का मूल्यांकन उस स्थिति के आधार पर होना चाहिए, जो विस्तृत मेडिकल जांच वाले दिन थी।

शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का दावा

लोकसभा अध्यक्ष की जांच समिति कानून के खिलाफ

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके खिलाफ गठित जांच समिति को चुनौती दी है। यह समिति उनके भ्रष्टाचार आरोपों की जांच के लिए बनाई गई थी। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि जज (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत, यदि किसी जज के खिलाफ इम्पीचमेंट मोशन दोनों सदनों में एक ही दिन प्रस्तुत किए गए हों, तो जांच समिति का गठन दोनों सदनों द्वारा संयुक्त रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में राज्यसभा में मोशन खारिज कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी। रोहतगी ने इसे कानूनी रूप से

नॉन-एस्ट (अवैध) बताया।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह सवाल उठाया कि क्या एक सदन में मोशन खारिज होने पर दूसरे सदन में कार्रवाई करना रोका जा सकता है। रोहतगी ने जोर देकर कहा कि कानून के अनुसार, दोनों सदनों में मोशन सही ढंग से प्रस्तुत होने के बाद ही प्रक्रिया शुरू हो सकती है, अन्यथा पूरी कार्रवाई अवैध मानी जाएगी। न्यायमूर्ति वर्मा को नई दिल्ली में उनके सरकारी आवास से जले हुए नोट मिलने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में भेजा गया था। इसके पहले, मुख्य न्यायाधीश ऑफ इंडिया संजीव खन्ना ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ एक इन-हाउस जांच समिति बनाई थी। समिति ने उन्हें दोषी पाया, लेकिन वर्मा ने इस्तीफा देने से इनकार किया। इसके बाद, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बहु-पक्षीय मोशन स्वीकार किया और तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया। न्यायमूर्ति वर्मा सुप्रीम कोर्ट में यह मांग कर रहे हैं कि लोकसभा अध्यक्ष की कार्रवाई, मोशन की स्वीकृति और जांच समिति द्वारा जारी नोटिस को रद्द किया जाए, क्योंकि उनका कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया असंवैधानिक और जज (जांच) अधिनियम के खिलाफ है।

आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट बोला- आवारा कुत्तों से सडकें खाली रखनी होंगी

वे हादसों का कारण बनते हैं, बच्चे-बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई जारी है। बहस में कुत्तों के मूड, कुत्तों की काउंसलिंग, कम्युनिटी डॉग्स और इंस्टीट्यूशनलाइज्ड डॉग्स जैसे शब्द सामने आए। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, बात सिर्फ काटने की नहीं है, कुत्तों से खतरा भी होता है। दुर्घटनाओं का खतरा। आवारा कुत्तों से सड़कें खाली रखनी होंगी। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे? सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है, यह आप नहीं जान सकते।

बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने कहा- कुत्ते ने किसी को काटा है, तो आप एक सेंटर को कॉल करें, उसे ले जाया जाएगा, उसकी नसबंदी की जाएगी और उसे वापस उसी इलाके में छोड़ दिया जाएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं।

कल कोई सोसाइटी में भैंस ले आया, तो क्या करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वंदना जैन की एक दलील पर टिप्पणी की, जब हम पशु प्रेमियों की बात करते हैं, तो इसमें सभी जानवर शामिल होते हैं। मैं अपने घर में कोई जानवर रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, यही बात गेटेड कम्युनिटी पर भी लागू होती है। गेटेड कम्युनिटी में कुत्ते को घूमने देना चाहिए या नहीं, यह समुदाय को तय करना होगा। मान लीजिए, 90 प्रतिशत निवासियों को लगता है कि यह बच्चों के लिए खतरनाक होगा, लेकिन 10 फीसदी कुत्ते रखने पर जोर देते हैं। कोई कल भैंस ला सकता है। वे कह सकते हैं कि मुझे भैंस का दूध चाहिए।

हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए, जिसके तहत गेटेड कम्युनिटी मतदान के जरिए फैसला ले सके। वकील वंदना जैन ने कहा, हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं। हमें कुत्तों के खतरे और सार्वजनिक सुरक्षा को देखना होगा। 6.2 करोड़ कुत्तों की आबादी है और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। इसके बाद इसे रोक दिया गया। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी।

मानहानि मामले में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत की हाजिरी माफी की अर्जी खारिज

बठिंडा। बठिंडा की अदालत में चल रहे मानहानि मामले में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को बड़ा झटका लगा है। अदालत ने कंगना रनौत द्वारा दी गई हाजिरी माफी की अर्जी को खारिज करते हुए सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिए हैं कि कंगना रनौत 15 जनवरी को बठिंडा की अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों। अदालत ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित तिथि पर वह उपस्थित नहीं होतीं, तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी और गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाएंगे।

महाराष्ट्र में अंबरनाथ नगर परिषद में अप्रत्याशित गठबंधन पर किरकिरी के बाद हुआ एक्शन

कांग्रेस-भाजपा गठबंधन कुछ ही घंटे में टूटा

मुंबई। महाराष्ट्र के अंबरनाथ नगर परिषद में हुआ भाजपा-कांग्रेस का गठबंधन कुछ ही वक्त में टूट गया है। बुधवार को इससे जुड़ी खबर सामने आई थी, जिसके बाद दोनों ही पार्टियों की किरकिरी हो रही थी। अब कांग्रेस ने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। दूसरी तरफ सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी इसपर आपत्ति जताई थी। बता दें कि अंबरनाथ नगर परिषद में एकनाथ शिंदे की पार्टी का खेल बिगाड़ने के लिए दोनों दल साथ आए थे। लेकिन ये समीकरण ज्यादा नहीं टिक पाया। अब कांग्रेस ने अंबरनाथ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पाटिल को सस्पेंड किया है। भाजपा के साथ स्थानीय स्तर पर अलायंस करने के लिए उनपर एक्शन हुआ है। स्थानीय यूनिट को भी भंग कर दिया गया है। इतना ही नहीं कांग्रेस ने अंबरनाथ से जीते सभी 12 पार्षदों को भी सस्पेंड कर दिया है।

सीएम फडणवीस ने लगाई थी फटकार

कांग्रेस के एक्शन से पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अंबरनाथ और अकोला में कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करने के आरोप में भाजपा नेताओं की कड़ी आलोचना की और कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

उन्होंने साफ किया था कि इस तरह के गठबंधन पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व की मंजूरी के बिना किए गए हैं और संगठनात्मक अनुशासन का उल्लंघन करते हैं। फडणवीस ने कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर रहा हूं कि कांग्रेस या एआईएमआईएम के साथ किसी भी तरह का गठबंधन स्वीकार्य नहीं होगा। अगर किसी स्थानीय नेता ने ऐसा फैसला अपनी मर्जी से लिया है, तो यह अनुशासन के विरुद्ध है और इसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे गठबंधनों को रद्द करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

अंबरनाथ नगर परिषद का समीकरण

अंबरनाथ नगर परिषद में कुल 59 पार्षद हैं। यहां 20 दिसंबर 2025 को चुनाव हुए थे। फिर 21 को नतीजे आए। एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना सबसे बड़ी पार्टी बनी। उसने 27 सीटें जीतीं (बहुमत से सिर्फ 4 कम)। वहीं, अन्य पार्टियों में भाजपा (15), कांग्रेस (12), एनसीपी (अजित पवार गुट) (4) को कुल 31 सीट मिली। दूसरी सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा ने शिवसेना (शिंदे) को सत्ता से दूर रखने के लिए कांग्रेस से गठबंधन किया। इस गठबंधन को 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी' नाम दिया गया, जिसके पास 31 पार्षदों का समर्थन है, जो बहुमत के आंकड़े 30 से एक अधिक है। 1 जनवरी को गठबंधन की खबर सबसे पहले आई थी। अंबरनाथ में कांग्रेस-भाजपा के इस गठबंधन को लेकर शिवसेना (शिंदे) के नेताओं में नाराजगी थी। शिवसेना (शिंदे) के विधायक डॉक्टर बालाजी किनीकर ने इसे शिवसेना के साथ विश्वासघात बताया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा का अंबरनाथ की सत्ता के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करना शिवसेना (शिंदे) की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है।

सबरीमाला स्वर्ण चोरी मामले में टीम को जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त छह सप्ताह का समय

तिरुवनंतपुरम। केरल उच्च न्यायालय ने सबरीमाला श्रीकोविल के स्वर्ण-लेपित द्वारपालों और अन्य संरचनाओं से कथित तौर पर सोने की चोरी और लूटपाट की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और टीम को जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त छह सप्ताह का समय दिया। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी और न्यायमूर्ति केवी जयकुमार की खंडपीठ सबरीमाला मंदिर से सोने की परत को कथित रूप से हटाने और उसके दुरुपयोग के संबंध में दायर स्वतः संज्ञान याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जब यह मामला सामने आया, तो एसआईटी के प्रमुख एडीजीपी (कानून और व्यवस्था) एच वेंकटेश, जांच अधिकारी एस शशिधरन, आईपीएस, और त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के मुख्य सतर्कता और सुरक्षा अधिकारी स्वयं अदालत में उपस्थित हुए और अब तक की गई जांच का विस्तृत विवरण देते हुए एक व्यापक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इरिपोर्ट के अनुसार, द्वारपालक प्रतिमा की प्लेटों और स्तंभों की प्लेटों से सोना निकालने के मामले में अपराध संख्या 3700/2025 दर्ज किया गया है, जिसमें 15 व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है और नौ को गिरफ्तार किया गया है।

कुछ ना कहना

राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री पर बोला हमला, कहा

ट्रम्प का फोन आया और मोदी ने सरेंडर किया

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को मोदी की लीडरशिप की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से की। उन्होंने 1971 के युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि भारत एक बार अमेरिका के दबाव के बावजूद मजबूती से खड़ा रहा था। उन्होंने कहा कि आपको वह समय याद होगा जब फोन कॉल नहीं था, सातवां फ्लीट आया था। 1971 के युद्ध में, सातवां फ्लीट आया, हथियार आए, एक एयरक्राफ्ट कैरियर आया। इंदिरा गांधी जी ने कहा था, 'मुझे जो करना है, मैं करूंगी।' ये फर्क है। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जरा सा दबाव डालो वे सरेंडर कर देते हैं। राहुल ने 3 जून का वीडियो एक्स पर शेयर कर कहा कि मैं अब इन भाजपा-आरएसएस के लोगों को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। उन पर थोड़ा दबाव डालो, उन्हें थोड़ा धक्का दो और वे डर के मारे भाग जाएंगे।राहुल ने कहा कि जैसे ही ट्रंप ने वहां से इशारा किया, फोन उठाया और कहा कि मोदी जी क्या कर रहे हैं?' नरेंद्र...सरेंडर। जी हुजूर करके मोदी जी ने ट्रम्प के इशारे का पालन किया।

रविदास जयंती की छुट्टी होने से पहली बार रविवार को पेश हो सकता है आम बजट

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट पेश करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बार का बजट कई मायनों में ऐतिहासिक और अनूठा हो सकता है, क्योंकि संभावना जताई जा रही है कि बजट 1 फरवरी को रविवार होने के बावजूद उसी दिन पेश किया जाएगा। हाल के वर्षों में यह पहली बार होगा जब साप्ताहिक अवकाश के दिन संसद की कार्यवाही बजट के लिए आयोजित की जा सकती है। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आगामी बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ होने की उम्मीद है।

परंपरा के अनुसार, साल 2017 से केंद्र सरकार हर साल 1 फरवरी को सुबह 11 बजे बजट पेश करती आ रही है। इससे पहले बजट फरवरी के अंतिम कार्यदिवस को पेश किया जाता था, लेकिन तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस औपनिवेशिक परंपरा को बदलते हुए इसे महीने की शुरुआत में स्थानांतरित कर दिया था। इस वर्ष 1 फरवरी को रविवार के साथ-साथ गुरु रविदास जयंती भी है। सामान्यतः रविवार को सरकारी कार्यालय और शेयर बाजार बंद रहते हैं, लेकिन बजट की महत्ता को देखते हुए सरकार इस परंपरा को जारी रख सकती है। इससे पहले भी विशेष परिस्थितियों में शनिवार को बजट पेश किया जा चुका है। उदाहरण के तौर पर, साल 2025 में भी 1 फरवरी को शनिवार था और उस दिन अंतरिम बजट पेश किया गया था। इतिहास में पीछे जाएं तो 1999 में भी शनिवार को बजट पेश हुआ था, जब बजट के समय को शाम 5 बजे से बदलकर सुबह 11 बजे किया गया था।

26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। नक्सलियों के बटालियन नंबर-1 के कमांडर इन चीफ देवा बारसे के सरेंडर के बाद अब यह टीम भी पूरी तरह बिखर चुकी है। देवा के साथ काम करने वाले नक्सलियों ने सुकमा में सरेंडर कर दिया है। जिसमें 7 महिला समेत 26 नक्सली शामिल है। इन नक्सलियों पर 64 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें से कुछ नक्सली एओबी, दक्षिण बस्तर और माड़ डिवीजन में भी सक्रिय रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों में सीवायपीसीएम कैडर का 1, डीवीसीएम- 1, पीपीसीएम-3, एसीएम- 3 और 18 नक्सली पार्टी मेंबर हैं। ये सभी नक्सली सुकमा, माड़ क्षेत्र और ओडिशा क्षेत्र में कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे हैं। इनमें 1 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक का इनाम घोषित है। सुकमा जिले के एसपी किरण चव्हाण ने कहा कि, लगातार नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। आज 26 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। नक्सल संगठन कमजोर पड़ा है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को 50-50 रुपए प्रोत्साहन राशि दी गई है। उन्होंने नक्सलियों से अपील की है कि समय रहते हथियार डाल दो। हिंसा का रास्ता छोड़ दो।

म.प्र महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट-सेमीफाइनल आज, कल होगा फाइनल मुकाबला

क्वाटर फाईनल जीतकर मंदसौर,जबलपुर रायसेन और भोपाल ने सेमी फाईनल में बनाई जगह

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्वर्गीय दीवान बहादुर एम.एम मुलना की स्मृति में 4 जनवरी से जारी हॉकी मध्यप्रदेश महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट में रोजाना ही रोमांचक मुकाबले देखे जा रहे है।नगर के स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट के चौथे दिन 4 क्वाटर फाईनल मैच खेले गये। जिसमें अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मंदसौर, जबलपुर ,रायसेन और भोपाल ने यह मैच जीतकर सेमी फाईनल में बनाई जगह बनाई है।बताया गया कि इस टूर्नामेंट में प्रदेश की करीब 20 टीमो ने भाग लिया है।जिसका 8 जनवरी को सेमीफाइनल मैच, तो वही 9 जनवरी को टूर्नामेंट का खिताबी फाइनल मुकाबला कराकर प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।

मंदसौर,जबलपुर रायसेन और भोपाल ने जीता क्वाटर फाईनल मैच

प्राप्त जानकारी के अनुसार टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल मैच बुधवार को खेला गया। इनमें पहला मैच सुबह 9 बजे से मंदसौर बनाम बैतूल के बीच कराया गया। इसमें मंदसौर की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये 4-0 से एकतरफा जीत प्राप्त कर सेमी फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की।वहीं दिन का दूसरा मैच जबलपुर बनाम होशंगाबाद के मध्य खेला गया। इसमें जबलपुर के खिलाडियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये 6-2 गोल से होशंगाबाद को पराजित किया।तो वही दिन का तीसरा मैच ग्वालियर बनाम रायसेन के बीच खेला गया। इसमें रायसेन 2-0 गोल से विजयी हुई। ये मैच काफी रोमांचक हुआ और मध्यांतर में रायसेन ने 1 गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद ग्वालियर की टीम ने गोल के लिये काफी संघर्ष किया लेकिन मध्यांतर के बाद आधा दर्जन से अधिक पैनाल्टी कार्नर मिलने के बाद भी गोल में परिवर्तित नहीं कर पाई। वहीं खेल के अंतिम दो मिनट में रायसेन की टीम को पैनाल्टी कार्नर मिला और रायसेन की खिलाड़ी ने इसे शानदार गोल में परिवर्तित कर 2 गोल से जीत दर्ज की। वहीं टूर्नामेंट का अंतिम क्वाटर फाइनल मैच भोपाल बनाम सिवनी के मध्य खेला गया। इसमें भोपाल 6-3 गोल से विजयी हुई।

मैच के दौरान अतिथि के रूप में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. बी.एम शरणागत, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अभय सेठिया, नेहरू सपोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, हॉकी म.प्र के उपाध्यक्ष विजय वर्मा सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मंदसौर बनाम जबलपुर और रायसेन बनाम भोपाल के बीच सेमी फाइनल आज

नगर के स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस टूर्नामेंट के पाँचवे दिन गुरुवार को 2 सेमीफाईनल मैच खेले जाएगे। इनमें पहला मैच सुबह 12 बजे से मंदसौर बनाम जबलपुर के बीच खेला जाएगा।इस मैच में जो टीम विजेता होंगी उसे फाईनल खेलने का मौका मिलेगा।तो वही टूर्नामेंट का दूसरा व अंतिम सेमीफाइनल मैच रायसेन बनाम भोपाल के मध्य खेला जाएगा। जिसमे जीत दर्ज कराने वाली टीम को खिताबी टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलेगा। जहां 9 जनवरी को प्रतियोगिता का फाइनल मैच कराकर प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।इस अवसर पर जिला हॉकी संघ व नेहरू सपोर्टिंग क्लब के सभी पदाधिकारियों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

13 जनवरी तक स्लॉट बुक करा सकेंगे किसान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 20 जनवरी 2026 तक की जाएगी। किसानों को 13 जनवरी 2026 तक स्लॉट बुकिंग की सुविधा पोर्टल पर उपलब्ध करायी गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकुर ने बताया कि जिन किसानों का धान विक्रय के लिए शेष है वे 13 जनवरी तक स्लॉट बुक कर सकते है।

जन्म मृत्यू विवाह पंजीयन जागरूकता अभियान जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यू विवाह पंजीयन को लेकर जागरूकता अभियान प्रारंभ किया गया है। जिसमें विभिन्न माध्यमों से कार्यक्रम आयोजित कर जानकारियां दी जा रही है। यह अभियान आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल से जारी परिपत्र के अनुक्रम में मृणाल मीना कलेक्टर बालाघाट के निर्देशानुसार, अभिषेक सराफ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट के निर्देशन में किया जा रहा है। जिसमें जनपद पंचायत की समस्त ग्राम पंचायतो में जन्म मृत्यु पंजीयन एवं विवाह पंजीयन की अनिवार्यता संबंधी प्रचार प्रसार के निर्देश दिये गए है। ग्राम पंचायतों में डौंडी पिटवाकर ,दिवार लेखन, स्लोगन के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। इस संबंध में जनपद पंचायत वारासिवनी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री दीक्षा जैन ने बताया कि जन्म आपका हक आपका पंजीयन जरूरी है तथा जीवन की शुरूआत पंजीयन के साथ की अवधारणा को लेकर जन्म मृत्यु तथा विवाह पंजीयन की अनिवार्यता वर्तमान समय में प्रासंगिक हो गई है। वर्तमान में शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के साथ ही अनेक शासकीय कार्यों में पंजीयन प्रमाण पत्र आवश्यक हो गया है। जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं के लिए २१ दिनों के भीतर अपनी ग्राम पंचायत के कार्यालय में उप रजिस्ट्रार सचिव के समक्ष सूचना देकर पंजीयन कराया जा सकता है। सूचनादाता के रूप में ग्राम कोटवार ,आंगनवाडी कार्यकर्ता ,सहायिका की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। परिवार के सदस्य स्वयं भी ग्राम पंचायत में सूचना देकर पंजीयन करा सकते है। मृत्यु पंजीयन हेतु मृतक की समग्र आईडी ,आधारकार्ड ,वोटर आईडी, दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसी प्रकार विवाह पंजीयन के लिए वर वधु की विवाह पत्रिका, आधार कार्ड ,समग्र आईडी, जन्म प्रमाणीकरण हेतु अंकसूची एवं दो दो पासपोर्ट साईज की फोटो प्रस्तुत करना होगा। नागरिकों से अपील की जाती है कि आप निर्धारित समय सीमा में पंजीयन करावें।

एनएसयूआई ने कैलाश विजयवर्गीय का फूंका पुतला, इस्तीफा की मांग

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान को बताया शर्मनाक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई लोगों की मौत और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के शर्मनाक बयान पर अपना आक्रोश जताते हुए एनएसयूआई बालाघाट ने बुधवार को प्रदर्शन करते हुए, जमकर नारेबाजी की।साथ ही नगर के पीजी कालेज के सामने केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर घटना पर अपना आक्रोश जताया।इस दौरान एनएसयूआई छात्रों ने सर पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते हुए मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा, व सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की।जिन्होंने मांग पूरी न होने पर आगे भी प्रदर्शन जारी रहने की बात कही है।ज्ञात हो कि मंत्रीकैलाश विजयवर्गीय को मंत्री पद से हटाने कांग्रेस का चरणबद्ध तरीके से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी चरणबद्ध आंदोलन में आज एनएसयुआई ने पीजी कॉलेज के सामने पुतला दहन किया है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय है मौतों के जिम्मेदार

इंदौर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र के भागीरथपुरा में दूषित जल पीने से मरने वालों का आंकड़ा डेढ़ दर्जन पहुंच चुका है, जबकि सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती है। जिस घटना को लेकर कांग्रेस अब सड़क पर उतरकर आंदोलन कर रही है। बुधवार को कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयुआई ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को दूषित पेयजल से मौतों का जिम्मेदार बताते हुए उनका पुतला फूंका। पीजी कॉलेज के सामने एनएसयुआई छात्र नेता शिवम् शर्मा के साथ संगठन कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। छात्र संगठन जले पुतले को उछलता रहा और पुलिस फायर धुएं से पुतले को बुझाने का प्रयास करती रही।ज्ञात हो कि कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयुआई ने एक दिन पहले ही पीजी कॉलेज के सामने मंत्री विजयवर्गीय का पुतला दहन करने का ऐलान किया था। जिसके चलते कॉलेज के सामने कार्यकर्ताओं से ज्यादा पुलिस फोर्स खड़ा था। बावजूद वह पुतले को जलने से नहीं रोक पाया और बाद में अधजले पुतले को पुलिसकर्मियों ने जब्त कर अपने साथ ले गए।

विजयवर्गीय ने तत्काल इस्तीफा देना चाहिए- शिवम

एनएसयुआई छात्र नेता शिवम शर्मा ने बताया कि इंदौर के दूषित पेयजल पीने से हुई मौतों के जिम्मेदार नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय है। दूषित पेयजल से कई मौतों के बाद उनकी संवेदनशीलता जागी। बावजूद इसके मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मामले में लगातार अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे। इन सबके बाद भी सरकार उनको मंत्री पद से हटाने के बजाय उनको शय देती जा रही है। जिसके फलस्वरुप उनका घमंड सर चढ़कर बोल रहा है। उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए, वही मृतको के परिजनों को उचित मुआवजा देना चाहिए,यदि ऐसा नही हुआ तो आगे भी चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा।

जिलाध्यक्ष ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की, 5 उपाध्यक्ष व 5 सहसचिव बनाये

जिला मरारमाली समाज का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार 7 जनवरी को कमला नेहरू भवन प्रांगण में जिला मरारमाली समाज बालाघाट के पदाधिकारियों, जिला प्रतिनिधियों ब्लाक अध्यक्षो, विभिन्न प्रकोष्ठो के सभापतियों एवं ग्राम अध्यक्षों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम जिले के विभिन्न ब्लाकों से आये पदाधिकारी माता सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास में एकत्रित हुये और जिला समिति के पदाधिकारियों के साथ एक रैली के रूप में कमला नेहरू प्रांगण पहुंचे। जहां महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्री फुले तथा सम्राट अशोक के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया गया। तत्पश्चात विभिन्न जिलो से पधारे तथा मंच पर विराजमान पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक जागृति हेतु अतिथियों ने अपना उदबोधन दिया। उदबोधन पश्चात पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया गया।

अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियो को सौपी गई जिम्मेदारी

सर्वप्रथम नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष रमेश पंचे को समाज के वरिष्ठ उदय सिंह पंचेश्वर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। तत्पश्चात अध्यक्ष ने सभी 10 ब्लाकों के अध्यक्षों को शपथ दिलाई। ब्लाक अध्यक्षों के शपथ पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसके पश्चात विभिन्न प्रकोष्ठो के सभापतियों, जिला प्रतिनिधियों तथा ग्राम अध्यक्षों को सामुहिक रूप से शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन उपाध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने किया। वही आभार प्रदर्शन जिला अध्यक्ष रमेश पंचे ने किया।

जिला कार्यकारिणी में इन्हे मिला स्थान

कार्यक्रम में जिला मरारमाली समाज के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष रमेश पंचे ने जिला कारिणी की घोषणा की। जिसके अनुसार जिले के पांच उपाध्यक्ष बनाये गये है। जिन सदस्यों को उपाध्यक्ष बनाया गया है उनमें राजकुमार चौधरी सिकंद्रा वारासिवनी, नोकेन्द्र सिंगनधुपे जराहमोहगांव कटंगी, ओमप्रकाश बाहेश्वर लालबर्रा, श्रीमती कला पंचतिलक टिंगीपुर बिरसा एवं श्रीमती नोवंती मातरे चौंदाटोला लांजी शामिल है। इसी तरह समाज का सचिव अश्विन खरे ग्राम दत्ता किरनापुर को तथा कोषाध्यक्ष बी.पी.पंचेश्वर ग्राम सिकंद्रा वारासिवनी को बनाया गया है। कार्यालय अधीक्षक के रूप में बी.एन.कावरे को नियुक्त किया गया है। समाज में सहसचिव का दायित्व जयचंद बाहे देवगांव लांजी, अनिल कावरे भांडी वारासिवनी, सुनिल पांचे खैरगांव बालाघाट, श्रीमती कलेश्वर जामरे पल्हेरा बिरसा एवं श्रीमती राजेश्वर नागेश्वर नहलेसरा कटंगी को सौपा गया है। वही कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में संतोष बिसेन भंडेरी, पी.एल.खैरवार पल्हेरा, सुरेश पंचेश्वर चिचगांव, ज्ञानचंद मातरे लोहमारा, प्यारेलाल दांदरे घोटी, सीताराम बाहेश्वर लामता, मेघराज पांजरे पोंडी, श्रीमती गीता बिसेन भंडेरी, श्रीमती शिव कुमारी पंचतिलक लच्छीटोला एवं छत्तरलाल दांदरे घोटी को शामिल किया गया है। इसी तरह नगर समिति के अध्यक्ष के रूप में छबिराम नागेश्वर की नियुक्ति की गई है। वही श्रीमती सरस्वती पंचेश्वर धानीटोला को महिला प्रकोष्ठ की सभापति, गिरधारीलाल सिंघनधुपे बालाघाट शिक्षा प्रकोष्ठ के सभापति, लोकराम पांचे लहरी नगर को कर्मचारी प्रकोष्ठ के सभापति, गजेन्द्र देशमुख गर्रा को युवा प्रकोष्ठ के सभापति, सजनलाल कावरे सुरवाही को न्याय प्रकोष्ठ के सभापति, के.सी.बाहेश्वर बूढी को विधि प्रकोष्ठ के सभापति, बी.एल.पंचे लहरी नगर को फुले विचार प्रकोष्ठ के सभापति, श्रीमती सुशीला पंचाले नर्मदा नगर को व्यवसाय प्रकोष्ठ के सभापति भेजलाल माने रमपुरी को कृषि प्रकोष्ठ के सभापति जे.एल.खरे नर्मदा नगर को निर्माण प्रकोष्ठ के सभापति एवं नंदलाल मानेश्वर मीडिया प्रकोष्ठ के सभापति नियुक्त किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह के बाद देर शाम कार्यक्रम का समापन किया गया।

कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह १८ को

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। इनायत साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था मिरगपुर के वार्षिक स्नेहिल महोत्सव का आयोजन १८ जनवरी को आयोजित होने जा रहा है। जहां विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को शील्ड, सम्मान पत्र और नगद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। लगातार ६ वर्षों से आयोजित होते आ रहे इस आयोजन में इस बार क्षेत्र के समस्त सरपंचों की बतौर अतिथि उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में तिजुलाल मेश्राम अन्नदाता सम्मान २०२५ से दिनेश गोकुलपुरे, मेखराम मसखरे, खिलेश देशमुख, धनराज भोंडे को सम्मान पत्र और नगद राशि प्रदान की जायेगी। पत्रकारिता सम्मान २०२५ से सुरेन्द्र गजभिए और राहुल भुरे को सम्मान पत्र और शील्ड भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। साहित्य सृजन सम्मान २०२५ से दिनेश देहाती, रामवृक्ष गुप्ता, माधुरी किरण, कमलेश यादव को सम्मान पत्र और नगद राशि भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। मेधावी छात्र सम्मान २०२५ से स्नेहा पटले, स्वाती जामुनपाने, चैतन्य लांजेवार, लयश्री भैरम को शील्ड और सम्मान पत्र दिया जायेगा। रवि देशमुख समाज सेवी सम्मान २०२५ से शरद कुमार पांडेय और अनिल देवेन्द्र मदारकर को सम्मान पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया जाएगा। केवलराम कोलते श्रमवीर सम्मान २०२५ से हस्तकला ठाकरे, दिलीप चुके, चंद्रशेखर ने वाले, तुलसीदास बोरकर को नगद राशि और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। जहां दिनेश देहाती के संचालन और शैलेश इनायत के संयोजन में रामवृक्ष गुप्ता नागपुर, माधुरी किरण बालाघाट,कमलेश यादव धाकड़ बरमकेला छग, निखिलेश यादव गोंदिया, इशारा बुंदेली बांदा युपी,संजय अश्क पुलपुट्टा शिरकत करेंगे।

जिला पंचायत सीईओ ने पक्षकार से कहा-वे अधिवक्ताओं की बातों में न आयें और न्यायालय का सहारा लें।।

जिला पंचायत सीईओ पर वकीलों के लिए अभद्र व्यवहार का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट द्वारा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के खिलाफ कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया है। अधिवक्ता संघ ने सीईओ पर आरोप लगाया है कि जनसुनवाई के दौरान उन्होंने न केवल एक अधिवक्ता की बात नहीं सुनी, बल्कि उनके पक्षकार के सामने अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया, जिससे अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है। 7 जनवरी को जिला अधिवक्ता संघ के कुछ पदाधिकारियों द्वारा कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सौंपा गया। इस दौरान अधिवक्ता कपिल लोधी एवं अनूप सिंह बैस ने बताया कि मंगलवार को जनसुनवाई के दिन, कलेक्टर की अनुपस्थिति में अधिवक्ता कपिल लोधी अपने एक पक्षकार के साथ जिला पंचायत सीईओ अभिषेक शराफ को ज्ञापन देने पहुंचे थे। अधिवक्ताओं के अनुसार, सीईओ ने पहले तो ज्ञापन लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद पक्षकार के सामने ही अधिवक्ता के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि वे अधिवक्ताओं की बातों में न आएं और न्यायालय का सहारा लें। अधिवक्ता संघ का कहना है कि इस प्रकार का व्यवहार अधिवक्ता की गरिमा और सम्मान के विपरीत है। जिला अधिवक्ता संघ ने आरोप लगाया कि सीईओ द्वारा किया गया यह व्यवहार न केवल असंवेदनशील है, बल्कि एक जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी के आचरण के अनुरूप भी नहीं है। अधिवक्ताओं ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाए। अधिवक्ता संघ ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि इस मामले में शीघ्र न्यायोचित निर्णय नहीं लिया गया, तो वे आंदोलनात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे और आगे भी मोर्चा खोलेंगे।

हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी परीक्षा में विषय संशोधन की तिथि 10 जनवरी तक बड़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. के संभागीय कार्यालय, जबलपुर द्वारा छात्र हित में हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी परीक्षा (सत्र 2025-26) के आवेदनों में विषय सुधार की तिथि बढ़ा दी गई है। छात्र-छात्राओं या संस्था प्राचार्य द्वारा विषयों में हुई त्रुटि के ऑनलाइन सुधार हेतु अब 10 जनवरी 2026 तक का समय दिया गया है। पूर्व में निर्धारित शेष नियम एवं निर्देश यथावत रहेंगे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 08 जनवरी 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

26 वाँ 5 कुंडीय गायत्री यज्ञ वार्षिक उत्सव आज से

पद्मेश न्यूज। बेहरई। पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को कायम रखते हुए प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी तहसील लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेहरई(कनकी) में 5 कुंडीय गायत्री यज्ञ वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया है। जिसके तहत सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। आयोजन के इस 26 वे वर्ष में 8 जनवरी गुरुवार की सुबह 7बजे से 11 बजे तक गांव में कलश यात्रा निकाली जाएगी, तो वहीं दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक 5 कुंडीय गायत्री यज्ञ का आयोजन होगा। वही शाम 4 बजे से 6 बजे तक विचार गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।ग्राम बेहरई में आयोजित इस में 5कुंडीय गायत्री यज्ञ वार्षिकोत्सव में पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं परम वन्दनीया माता जी भगवती देवी शर्मा की प्रमुख उपस्थिति में समस्त कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।जहा आयोजित उक्त सभी कार्यक्रमो में ब ?च ?कर हिस्सा लेने व आयोजन को सफल बनाने की अपील सार्वजनिक प्रज्ञा मंडल बेहरई द्वारा की गई है।

कान्हा नेशनल पार्क में सनसनी रेत में दबा मिला बैगा महिला का शव

टाइगर रिजर्व के अति सुरक्षित पार्क क्षेत्र के अंदर बैगा महिला की हत्या अथवा शिकार!!

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट/मंडला।

कान्हा नेशनल पार्क से इस वक्त की एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। टाइगर रिजर्व के पार्क क्षेत्र के भीतर एक बैगा महिला का रहस्यमयी कंकाल के रूप में शव मिलने से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। यह क्षेत्र बालाघाट और मंडला जिले के सरहदी इलाके की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान बैगा जनजाति की महिला पोटका बाई के रूप में हुई है। महिला का आधा शव रेत में दबा हुआ मिला, जिससे प्रथम दृष्टया मामला बेहद संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि शव को छिपाने के इरादे से रेत में दबाया गया था।किन्तु शव ऊपर आ गया और छुप नहीं सका।

यह मामला खटिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। बताया जा रहा है कि मृतका खटिया क्षेत्र के बैगा टोला की निवासी थी और वह बीते अक्टूबर के कई दिनों से लापता थी। परिजनों द्वारा उसकी गुमशुदगी की शिकायत भी दर्ज कराई गई थी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हत्या सहित सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है और लापता होने से लेकर शव मिलने तक की पूरी कड़ी को खंगाला जा रहा है।

फिलहाल पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। वहीं इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

इस तरह विश्वविख्यात कान्हा नेशनल पार्क के अंदर इस तरह किसी की लाश मिलने से हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पुलिस सभी कोणों से जाँच में जुटी हुई है।

खतरा बरकरार : पाईप लाईन और वाल्व गंदगी से बजबजाती नालियों के भीतर ही लगे हुए हैं!!

वार्ड क्रमांक 3 में पेयजल व्यवस्था की गहन पड़ताल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

इंदौर में सामने आई हालिया घटना के बाद भले ही नगर पालिका द्वारा शहर में जल व्यवस्था को दुरुस्त करने के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इसके बावजूद अब भी कई वार्ड और क्षेत्र ऐसे हैं जहां नागरिकों को दूषित और गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है। इस स्थिति से लोगों में नाराजगी बनी हुई है और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। शहर के वार्ड क्रमांक 3 में स्थिति और भी चिंताजनक बताई जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा पाइपलाइन और पानी टंकी से आने वाला पानी साफ नहीं है, जिससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है।इसके अलावा कई स्थानों पर पानी की पाइपलाइन और वाल्व नालियों के भीतर लगे हुए हैं, जिससे गंदगी और सीवेज का पानी पाइपलाइन में मिलने की आशंका लगातार बनी रहती है। इसी समस्या को लेकर वार्ड क्रमांक 3 के वार्ड वासियों के साथ-साथ वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने नगर पालिका प्रशासन से नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इन खामियों को दूर नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है और नागरिकों के स्वास्थ्य पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

शहर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति को लेकर नगर पालिका द्वारा किए जा रहे दावों के बावजूद जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। वार्ड क्रमांक 3 के कुछ क्षेत्रों में आज भी जलापूर्ति व्यवस्था गंभीर लापरवाही की शिकार बनी हुई है। यहां कई स्थानों पर पाइपलाइन नालियों के अंदर से होकर घरों तक पहुंच रही है, पानी टंकी से बिछाई गई पाइपलाइन के वाल्व भी नालियों के भीतर ही लगे हुए हैं, जिससे गंदा पानी सप्लाई होने की आशंका लगातार बनी रहती है। इसका ताजा मामला वार्ड क्रमांक 3 के एक मोहल्ले में सामने आया है, जहां वार्ड वासियों ने बताया कि बीते कई दिनों से उनके घरों में कभी साफ तो कभी गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन का वाल्व नाली से होकर गुजरने के कारण जब उसमें गंदगी भर जाती है, तब पानी दूषित होकर घरों तक पहुंच जाता है। वार्ड वासियों के अनुसार, इस समस्या की शिकायत कई बार नगर पालिका में की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की उदासीनता से नाराज नागरिकों का कहना है कि जलापूर्ति जैसी बुनियादी सुविधा में लापरवाही उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि कुछ वार्ड वासियों ने नगर पालिका के पानी को पीने के लिए पूरी तरह बंद कर दिया है। वे मजबूरी में आरओ वाटर के माध्यम से पानी मंगवाकर पीने का पानी उपयोग कर रहे हैं, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है। वार्ड वासियों ने मांग की है कि नगर पालिका द्वारा तत्काल पाइपलाइन और वाल्व की जांच कर उन्हें नालियों से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर स्थापित किया जाए तथा नियमित रूप से पानी की गुणवत्ता की जांच की जाए। पार्षद प्रतिनिधि का मानना हैं की नगर पालिका द्वारा जल आपूर्ति व्यवस्था की तत्काल जांच कराई जाए, नालियों में पड़े पाइपलाइन और वाल्व को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए तथा लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

मटमैला पानी घरों तक पहुंच रहा है - अयान खान

वार्ड क्रमांक 3 के निवासी अयान खान ने बताया कि उनके वार्ड में पानी की सप्लाई से जुड़ा वाल्व नाली के भीतर लगा हुआ है। इसी कारण कभी साफ तो कभी मटमैला पानी घरों तक पहुंच रहा है। दूषित पानी की आशंका के चलते वे नगर पालिका से मिलने वाले पानी का उपयोग पीने के लिए नहीं करते। उन्होंने मांग की है कि वार्ड में सप्लाई किए जा रहे पानी के सैंपल की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि पानी वास्तव में साफ है या दूषित। साथ ही नाली के अंदर लगे वाल्व को हटाकर सुरक्षित स्थान पर लगाए जाने की भी मांग की है।

कभी साफ तो कभी गंदा पानी आता है - सबीना अंसारी

वार्डवासी सबीना अंसारी ने बताया कि उनके घर में भी कभी साफ तो कभी गंदा पानी आता है, जिस कारण वे नगर पालिका के पानी को पीने के उपयोग में नहीं लातीं। उन्हें जानकारी मिली थी कि कहीं पाइपलाइन में लीकेज है, जिसके कारण पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इसी वजह से वे घर पर अलग से पानी मंगवाती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके घर के सामने से गुजरने वाली पाइपलाइन वर्षों से नगर पालिका की नाली के अंदर से ही डाली गई है।

पानी की गुणवत्ता की जांच कराई जाए - सोहेल खान

इस पूरे मामले पर वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि सोहेल खान ने बताया कि उनके वार्ड के कुछ क्षेत्रों में अब भी दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। वार्डवासी नगर पालिका द्वारा दिए जा रहे पानी को पीने योग्य नहीं मान रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में नगर पालिका में शिकायत और आवेदन दिया है, जिसमें नाली के भीतर से गुजर रही पाइपलाइनों को हटाने की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी मांग की है कि वार्ड के निचले क्षेत्रों में सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता की जांच कराई जाए, ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा का संविधान के अनुसार देश चलाने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मोर्चा पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में कुछ सत्ताधारी दलों और उनसे जुड़े संगठनों द्वारा देश को संविधान के अनुसार नहीं, बल्कि पार्टी और संगठन विशेष की विचारधारा के अनुसार चलाया जा रहा है, जो लोकतंत्र और संविधान

की मूल भावना के विपरीत है। मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि भारत एक संवैधानिक राष्ट्र है और इसे संविधान के प्रावधानों के अनुरूप ही संचालित किया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक विभिन्न तिथियों में धरना-प्रदर्शन और आंदोलन किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मोर्चा के पदाधिकारी जितेंद्र गोयल और नर्मदा बाई ने बताया कि यह ज्ञापन उनके पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जिले में ही अलग-अलग तरीकों से धरना, प्रदर्शन और आंदोलन किए जाएंगे, ताकि शासन-प्रशासन तक उनकी बात मजबूती से पहुंचाई जा सके। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि वर्तमान में बहुजन, पिछड़ा और मूल निवासी वर्गों के साथ अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और शांतिपूर्ण ढंग से कार्य करने जैसे मौलिक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन सत्ताधारी दल और कुछ संगठन इन अधिकारों पर दबाव और हस्तक्षेप कर रहे हैं। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा का कहना है कि आज संविधान को दरकिनार कर कुछ लोग मनमाने निर्णय ले रहे हैं, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है। इसी के विरोध में मोर्चा ने चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया है और इसकी शुरुआत ज्ञापन सौंपकर की गई है। पदाधिकारियों ने यह भी घोषणा की कि आने वाले समय में इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रव्यापी विशाल महा रैली का आयोजन किया जाएगा, ताकि देशभर में संविधान की रक्षा और उसके पालन को लेकर जनजागरूकता फैलाई जा सके।

महिला कांग्रेस ने हनुमान चौक पर कैंडल जलाकर की शांति प्रार्थना

इंदौर जल त्रासदी में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के निर्देशानुसार जिला महिला कांग्रेस बालाघाट द्वारा इंदौर में

दूषित एवं मलमूत्र युक्त जल सेवन से हुई मौतों पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय हनुमान चौक स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष संपन्न हुआ। महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों एवं कांग्रेसजनों ने मोमबत्तियां जलाकर मृत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर महिला कांग्रेस ने स्पष्ट रूप से कहा कि इंदौर में घटित यह घटना केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन से सीधा खिलवाड़ है। कांग्रेस पार्टी एवं महिला कांग्रेस ने पीड़ित परिवारों के प्रति पूरी संवेदनशीलता, मजबूती और न्याय की लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में श्रीमती सुशीला सरोते, शीला नगपुरे, उमेश्वरी तिवड़े, डॉ. दुर्गा वरकड़े, शीला मुजारे, जुबेदा अंसारी, रुक्मणी बघेल, पुष्पा लिल्हारे, हेमंत बहोने, तामेश्वरी तिवड़े, सीमा सिंह, गुड्डी कावरे, उषा कुव, श्याम पंजवानी, जयकृष्ण डीगरू, केवल सिंह झरिया, डॉ. मुकेश वरकड़े, अफरोज कुरैशी, शिबू विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता एवं कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि इस गंभीर घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और आम नागरिकों को सुरक्षित व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

किसान आंदोलन 16 को, मुख्य अभियंता कार्यालय का घेराव कर किसान तालाबंदी करेंगे

दिन में 10 घण्टे बिना किसी अवरोध के बिजली देने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रबी फसलो की सिंचाई के लिए जिले के किसानों को दिन में 10 घंटे बिना किसी रुकावट के बिजली देने, सहित अन्य मांगो को लेकर पिछले दिनों सौपा गए ज्ञापन में किसान संगठन द्वारा प्राशासनिक अधिकारियों को 31 दिसंबर तक का अल्टीमेटम दिया गया था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किसानों की मांग पर ध्यान नही दिया गया।वही डेडलाइन समाप्त होने के एक सप्ताह बाद भी किसानों की मांग अब तक पूरी नहीं हो पाई है। जिसको लेकर अब किसानों ने किसान गर्जना संगठन के बैनर तले एक बैठक का आयोजन कर 16 जनवरी को जिला मुख्यालय में उग्र प्रदर्शन कर अभियंता कार्यालय का घेराव करने और कार्यालय में तालाबंदी किए जाने की रणनिति बनाई है। जिसको लेकर बुधवार को किसान गर्जना संगठन के बैनर तले नगर के मोती तालाब गार्डन परिसर में एक बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित की बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने बिजली समस्या को लेकर अपने-अपने विचार व्यक्त किए, जहां किसानों को सिंचाई के लिए होने वाली विभिन्न परेशानियों को देखते हुए अब किसान गर्जना संगठन में 16 जनवरी को जिले के समस्त किसानों को साथ लेकर जिला मुख्यालय पर आंदोलन किए जाने और अभियंता कार्यालय का घेराव कर तालाबंदी

करने का निर्णय लिया है।जिन्होंने जल्द से जल्द उनकी मांग पूरी ना होने पर 16 जनवरी को आंदोलन की बनाई गई रणनीति को अंजाम दिए जाने की चेतावनी दी है।

दिन में बिना रुकावट 10 घण्टे दी जाए बिजली- चौधरी

किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने बताया कि पिछले दिनों 22 दिसम्बर को ऊर्जा मंत्री व मुख्यमंत्री ,कलेक्टर , खाद विभाग व बिजली विभाग के अधिकारियों को बिजली की समस्या सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन दिया था। जिसमें किसानों को सिंचाई के लिये 10 घंटे लगातार बिजली दिये जाने की मांग की गई थी। बालाघाट जिला कृषि प्रधान जिला है। किसानों के द्वारा रबी के लिये धान की बोवाई की गई है और खार भी निकल गई है। अब किसानों को पानी की आवश्यकता है। लेकिन सिंचाई के लिये पर्याप्त पानी नहीं दिया जा रहा है। जिससे आज संगठन के द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर मोती उद्यान में बैठक आहूत की गई है।जिसमे रबी फसल सिचाई के लिए बिजली की प्रमुख मांग को लेकर आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई गई है।जिसके तहत 16 जनवरी को किसानों को 10 घंटे बिना रूकावट के बिजली दिये जाने की मांग को लेकर मोती उद्यान में किसान एकजुट होकर रैली निकालकर विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय पहुंचेंगे, जहा कार्यालय का घेराव कर तालाबंदी कर ज्ञापन सौपा जाएगा। उन्होंने बताया कि किसानों की फसलों को जंगली जानवरों द्वारा भी नुकसानी पहुंचाया जा रहा है। जिससे किसान आर्थिक संकटों से जूझ रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए।वही रात की जगह दिन में 10 घण्टे बिना किसी कटौती के बिजली प्रदान की जाए।

मंडी कॉम्पलेक्स का ताला तोड़ने वालों पर एफआईआर दर्ज करे विभाग - अनुभा

2023 से 298 भूखंडों से किराया न वसूलने पर विधायक ने जनपद के जिम्मेदार को लगाई फटकार

5 विभाग के अधिकारी एवं जनपद के प्रमुख विभाग के अधिकांश अधिकारी रहे अनुपस्थित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के सभाकक्ष में बुधवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर जनपद पंचायत क्षेत्र में जारी निर्माण कार्यो की जानकारी ली गई। वहीं विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी से विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया किन्तु जो निर्माण कार्य होना चाहिए एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ मिलना चाहिए वह कार्य संतुष्ट नही पाया गया। जिस पर विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी अपना काम ईमानदारी से करें एवं कार्य की गुणवत्ता और क्षेत्र की जनता को योजना का लाभ दिलवाने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि करोड़ों रूपयों की लागत से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है। लेकिन अब तक आबंटन की प्रक्रिया नही की गई है। इस तरह से अधिकारियों की लेट-लतीफी और लापरवाही के कारण मंडी काम्पलेक्स खंडहर में तब्दील हो सकता है और जानकारी भी आ रही है कि कुछ लोग मंडी में बने काम्पलेक्स का ताला तोड़कर अतिक्रमण कर लिये है। जिस पर विधायक ने मंडी अधिकारियों को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि नीलामी प्रक्रिया में तेजी लाये और जिन लोगों के द्वारा मंडी काम्पलेक्स में बने कमरों के ताले तोड़कर कमरों पर अवैध कब्जा किया गया है, उन पर एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही करें। साथ ही जिन विभाग के अधिकारी अनुपस्थित रहे उनके प्रति भी नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त कार्यवाही करने की मांग जिला प्रशासन से की है।

राजस्व का हो रहा नुकसान

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत बाजार क्षेत्र में वर्ष 2003 से लेकर अब तक 298 भूखंड किराये पर दिये गये है। लेकिन वर्ष 2023 के पूर्व भूखंडों का किराया नियम विरूध्द लिया गया है एवं वर्ष 2023 के बाद से अब तक उक्त भूखंडों का किराया वसूला नही गया है।इस तरह से बुधवार को आयोजित बैठक में जनपद पंचायत की एक बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। वहीं विधायक ने भी खुलासा किया है कि जनपद पंचायत के द्वारा वर्ष 2023 के बाद से 298 भूखंडों का किराया अब तक नही वसूला गया है। इस वित्तीय अनियमितता और लापरवाही पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने नाराजगी जताते हुए उन्होने जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाकर भूखंडों का किराया वसूल करने के निर्देश दिये है, जिससे शासन को राजस्व प्राप्त होगा। वहीं बैठक में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने आमाटोला में शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का मामला उठाते हुए विधायक एवं एसडीएम का ध्यानाकर्षण करवाते हुए कहा कि ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम आमाटोला में कुछ लोगों के द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है जिस पर कार्यवाही करने की मांग की है। विधायक ने इस मामले पर सख्त रूख अपनाते हुए प्रशासन को निर्देशित किया कि शासकीय भूमि को तत्काल अतिक्रमण मुक्त करवाये। वहीं बस स्टैण्ड स्थित यात्री प्रतिक्षालय की व्याप्त गंदगी पर विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जनपद पंचायत को अल्टीमेटम दिया है कि साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दे एवं यात्री प्रतिक्षालय को सुव्यवस्थित करें। साथ ही शासकीय सामुदायिक भवनों को जो किराये पर दिये गये है उन्हे खाली करवाने के भी निर्देश दिये है और शासकीय सामुदायिक भवनों का उपयोग शासकीय कार्यालय या अन्य शासकीय कार्यों के लिए उपयोग किये जाने भी बात कही है।

सूचना के बाद भी नदारद रहे अधिकारी, विधायक ने जताई नाराजगी

7 जनवरी को आयोजित इस महत्वपूर्ण विभागीय बैठक में विधायक ने विभागवार समीक्षा की और वस्तुस्थिति की जानकारी ली। वहीं इस विभागीय बैठक को लेकर सभी विभागों के अधिकारियों को पूर्व में सूचना दे दी गई थी किन्तु कुछ विभाग के अधिकारी उपस्थित नही हुए। जिसमें मत्स्य, खाद, पुलिस सहित अन्य विभाग और जनपद पंचायत के विभिन्न विभागों के अधिकांश जिम्मेदार अधिकारी अनुपस्थित रहे। जिस पर विधायक ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारियों का यह रवैया शासन के कार्यों के प्रति उनकी संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अंतिम चेतावनी है, अगली बार लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही हेतु प्रस्तावित की जायेगी। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी अनीस खान, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, कनकी सरपंच दुर्गा पगरवार, एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, सीईओं चंदरसिंह मंडलोई सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी - मुंजारे

चर्चा में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई है। जिसमें 50 बिस्तर के बनने वाले नये अस्पताल भवन के कार्यों सहित अन्य निर्माण कार्यों की जानकारी लेकर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये है। वहीं बैठक में वन विभाग, पुलिस विभाग, खाद्य विभाग और मत्स्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अनुपस्थित रहे जिसके कारण उक्त विभाग की समीक्षा नही हो पाई है। ऐसे गैरजिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग जिला प्रशासन से की जायेगी। श्रीमती मुंजारे ने बताया कि अमोली से लालबर्रा मार्ग के निर्माण में आ रही बाधाओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई है और बिजली विभाग एवं निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से कहा है कि सामंजस्य बनाकर विद्युत पोल हटाकर गुणवत्तापूर्ण सड़क का निर्माण करवाये एवं एमपीआडीसी विभाग से बालाघाट से सिवनी हाईवे रोड़ किनारे की झाड़ियों को कटवाने निर्देशित किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि मंडी निधि से करोड़ों रूपयो की लागत से मंडी काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है लेकिन अब तक नीलामी की प्रक्रिया नही हो पाई है जो गलत है और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी इसलिए विभागीय अधिकारियों से अपील है कि वे अपना कार्य ईमानदारी से करे और लोगों को योजना का लाभ दिलवाये।

आस-पास की खबरें

महाविद्यालय लालबर्रा ने घोटी पंचायत में किया संपर्क कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा द्वारा क्षेत्र के ग्राम पंचायतों में बैठक आयोजित कर समुदायों एवं ग्रामीणों के साथ सम्पर्क स्थापित करके कॉलेज चलों अभियान का संचालन किया जा रहा

है। यह अभियान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा एवं नोडल डॉ. देवराज चौरे के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को ग्राम पंचायत घोटी में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक संयोजक डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, नितेश कुमार, डॉ. आशीष बागड़े के द्वारा पंचायत भवन में बैठक लेकर पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीणजनों को कॉलेज चलो अभियान अन्तर्गत जानकारी प्रदान की गई। जिसमें ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के साथ ही आवश्यक दस्तावेजों, ऑनलाइन प्रवेश का फार्म भरते समय सावधानियॉं, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं जैसे भवन, खेल का मैदान, जीम, लाइब्रेरी, ई-लाइब्रेरी, विभिन्न छात्रवृत्ति योजना, कॅरियर मार्गदर्शन योजना एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में नवीन प्रावधानों जैसे बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, विषय चयन इत्यादि से अवगत करवाया गया। साथ ही प्रोत्साहन योजनाओं, नि:शुल्क सहायता योजनाओं एवं म.प्र. शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, महाविद्यालयीन सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। वहीं कॉलेज चलो अभियान के पॉम्पलेट्स का भी वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से घोटी सरपंच तिरथसिंह बिसेन, सचिव हुकुमचन्द राहंगडाले, ग्रामीणजन, आंगनबाडी कार्यकर्ता, स्वसहायता समूह के सदस्य, अभिभावकों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक से अनुपस्थित 13 प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने 07 जनवरी को सांदीपनि विद्यालय, बालाघाट में आयोजित समीक्षा बैठक में बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर 13 प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में उनसे पूछा गया है कि क्यों न इस लापरवाही के लिए उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाए। सभी संबंधित प्राचार्यों को तीन दिवस के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। यह बैठक विकासखंड बालाघाट एवं लालबर्रा के हायर सेकेण्डरी एवं हाईस्कूल प्राचार्यों के साथ समेकित छात्रवृत्ति, अपार आईडी, यूडाईस अपडेशन, आधार अपडेशन, एमपीटास तथा ई-अटेंडेंस की प्रगति की समीक्षा हेतु आयोजित की गई थी। बैठक में लालबर्रा विकासखंड के हाईस्कूल चिचगांव, मुरझड़-ला., बकोड़ा, छिंदलई, हायर सेकेण्डरी स्कूल ददिया एवं नगपुरा तथा बालाघाट विकासखंड के हाईस्कूल बुढ़ियागांव, भटेरा चौकी बालाघाट, कुकड़ा, घुनाड़ी, डाइट बालाघाट, हायर सेकेण्डरी स्कूल नवेगांव एवं गुडरु के प्राचार्य बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने इसे कर्तव्यों के प्रति लापरवाही, उदासीनता एवं स्वैच्छाचारिता का परिचायक बताते हुए संबंधित 13 विद्यालयों के प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और निर्धारित समय-सीमा में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा है।

हाई स्कूल खेल मैदान के समीप होगा शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण

विधायक अनुभा मुंजारे ने स्थल का किया निरीक्षण, काम्पलेक्स बनने से पंचायत को राजस्व एवं बेरोजगारों को मिलेगा रोजगार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल खेल मैदान के समीप वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति कार्यालय के पीछे पूर्व में जवाहर भवन एवं पानी टंकी स्थित था। विगत वर्ष पूर्व जवाहर भवन को तोड़ दिया गया था एवं पानी टंकी जीर्णशीर्ण होने पर उसे डिस्मिंटल

कर दिया गया है। जिसके बाद यह परिसर खाली हो चुका है। जहां ग्राम पंचायत पांढरवानी के द्वारा पंचायत निधि एवं 5 वें वित्त से करीब 50 लाख रूपये की लागत से शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण किया जाना है। बुधवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने पांढरवानी सरपंच अनीस खान एवं नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा के साथ प्रस्तावित शॉपिंग काम्पलेक्स निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने विधायक श्रीमती मुंजारे को जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में इस स्थान पर जवाहर भवन स्थित था। जिसे विगत वर्ष पूर्व नियम विरूध्द तोड़ दिया गया है एवं पानी टंकी जीर्णशीर्ण होने पर उसे डिस्मेंटल कर दिया गया है। अब पंचायत के द्वारा उक्त स्थान पर शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण किया जायेगा, जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है। जिस पर विधायक ने कहा कि यह कार्ययोजना बहुत अच्छी है, काम्पलेक्स का निर्माण हो जाने से पंचायत को राजस्व प्राप्त होने के साथ ही लोगों को रोजगार भी मिलेगा और नये वर्ष पर यह कार्य नगरवासियों के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। चर्चा में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि नये वर्ष पर ग्राम पंचायत पांढरवानी के द्वारा क्षेत्रीयजनों को शॉपिंग काम्पलेक्स के नाम पर नई सौगात दी जा रही है जो बहुत खुशी की बात है। इसके लिए ग्राम पंचायत को बधाई देती हूं और पंचायत से जानकारी मिल रही है कि 50 लाख रूपये की लागत से 24 कमरों का काम्पलेक्स तैयार किया जा रहा है। जिससे लोगों को रोजगार मिल सके, यह सरपंच की बहुत अच्छी पहल है, हम चाहते हैं कि बालाघाट विधानसभा कि अन्य पंचायतों में भी इसी तरह विकास कार्य हो। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया किपुराने जवाहर भवन एवं पानी टंकी स्थल पर जनहित को ध्यान में रखते हुए शॉपिंग काम्पलेक्स का निर्माण किया जाना है इसलिए बुधवार को विधायक महोदया के साथ निरीक्षण किया गया और ग्राम पंचायत की निधि से 50 लाख रूपयों की लागत है 24 कमरों का काम्पलेक्स तैयार किया जायेगा। जिससे ग्राम पंचायत की आय बढेगी और लोगों को रोजगार मिलेगा एवं नगर की सुंदरता बढ़ेगी। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आज से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अस्थाई रूप से महाविद्यालय के बालिका छात्रावास में होगा संचालित

अस्पताल के नवीन भवन निर्माण का कार्य जल्द होगा प्रारंभ, नये स्थान पर मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगरवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा के नवीन और अत्याधुनिक भवन निर्माण की प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर प्रारंभ हो गई है। यह 50 बिस्तर का नवीन अस्पताल का भवन साढे नौ करोड़ रूपयों की लागत से किया जायेगा जिसका कार्य जल्द प्रारंभ होने वाला है। वहीं नवीन अस्पताल भवन के निर्माण कार्य के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में कोई व्यवधान न आये इसके लिए अस्पताल को अस्थाई रूप से शासकीय महाविद्यालय स्थित बालिका छात्रावास भवन में विस्थापित कर दिया गया है। जहां 8 जनवरी से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा की समस्त ओपीडी और आपातकालीन सेवाएं नये परिवर्तित स्थान से संचालित होगी जो भवन निर्माण तक जारी रहेगा। जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है और क्षेत्रीयजनों को बालिका छात्रावास में स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। बीएमओं डॉ. रितु धुर्वे ने क्षेत्रीयजनों से नये स्थान शासकीय महाविद्यालय के बालिका छात्रावास भवन पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की है।

करोड़ों की लागत से बनेगा नवीन अस्पताल का भवन

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के विशेष प्रयासों और सतत पैरवी के परिणामस्वरूप नगर को इस नवीन अस्पताल भवन की सौगात मिली है। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का भवन जीर्णशीर्ण होने एवं सभी सुविधाएं नही होने के कारण लोगों को परेशानी होती थी और क्षेत्रीयजन लंबे समय से अस्पताल का नवीन भवन का निर्माण करवाने की मांग जनप्रतिनिधियों से कर रहे थे। वहीं विधायक श्रीमती मुंजारे के प्रयासों से 50 बिस्तर का अस्पताल स्वीकृत हुआ है और यह अस्पताल का सर्वसुविधायुक्त भवन करीब साढे नौ करोड़ रूपयों की लागत से किया जायेगा। वहीं अस्पताल के नये भवन के बनने से क्षेत्र की जनता को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं, बेहतर वार्ड और उन्नत मशीनरी का लाभ स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा। अस्पताल के नवीन भवन निर्माण के लिए पुराने भवन को डिस्मेंटल करना जरूरी है। इसलिए अस्पताल के संचालन में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो इस हेतु अस्पताल प्रबंधन ने पूरे सेटअप को महाविद्यालय के बालिका छात्रावास भवन में शिफ्ट कर दिया है। वहीं प्रशासन के द्वारा भी यह सुनिश्चित किया गया है कि छात्रावास भवन मरीजों के लिए पर्याप्त जगह, बेड और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहे। जिसकी तैयारी स्वास्थ्य विभाग के द्वारा पुरी कर ली गई है और 8 जनवरी से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन महाविद्यालय के बालिका छात्रावास भवन में शुरू हो जायेगा।

अस्थाई रूप से अस्पताल का संचालन कालेज के बालिका छात्रावास में आज से - डॉ. रितु

खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि नवीन अस्पताल के भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ होना है इसलिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा की सभी सेवाएं अब अस्थाई रूप से शासकीय महाविद्यालय के छात्रावास भवन (तहसील कार्यालय के पीछे) में स्थानांतरित कर दी गई हैं। जहां 8 जनवरी से ओपीडी सहित अन्य सभी आपातकालीन सेवाएं संचालित की जायेगी। डॉ. रितु धुर्वे ने बताया कि भवन निर्माण कार्य में लगने वाले अतिरिक्त समय को देखते हुए करीब डेढ़ वर्ष के लिए विभाग ने कालेज के छात्रावास में ही सुचारू रूप से स्वास्थ्य सेवाएं देने की व्यवस्था बनाई है। क्षेत्र की जनता से अपील की है कि वे अब स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए तहसील कार्यालय के पीछे स्थित कालेज के बालिका छात्रावास भवन पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं ले।

मानवता की मिसाल, ठंड से परेशान व्यक्ति को मिला कंबल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कड़ाके की ठंड के बीच जरूरतमंदों की मदद के लिए सक्षम लोक मददगार एवं शिक्षा समिति लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को समिति द्वारा कंबल वितरण कर जरूरतमंद व्यक्ति को ठंड से राहत पहुंचाई गई। वहीं इस कड़कड़ाती ठिठुरन ठंड में समिति को सूचना मिली थी कि नगर मुख्यालय क्षेत्र में कुछ लोग ठंड से अत्यधिक परेशान है। सूचना मिलते ही समिति के पदाधिकारी हरकत में आये और तत्काल सहायता का निर्णय लिया है। वहीं समिति के सदस्य जरूरतमंद व्यक्ति के पास पहुंचकर कंबल वितरित कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सर्दी के मौसम में सड़क किनारे, असहाय और जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। समिति आगे भी ऐसी सूचनाओं पर त्वरित कार्यवाही कर जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाती रहेगी। वहीं स्थानीय नागरिकों ने समिति के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में आपसी सहयोग, करूणा और इंसानियत की भावना को मजबूत करते हैं। समिति ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं कोई व्यक्ति ठंड या अन्य परेशानी से जूझता दिखाई दे, तो समिति को सूचना दें, ताकि समय पर उन तक मदद पहुंचाई जा सके।

सड़क स्वीकृति के २ साल बाद भी नहीं बनी सड़क

विभाग एवं ठेकेदार की लापरवाही उजागर ग्रामीण आक्रोशित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पदमपुर के ग्राम बरबसपुर से आमगांव के मध्य बनने वाली सड़क ग्रामीणों के लिए अब सपना बनती जा रही है। स्वीकृति के २ साल बीत जाने के बाद भी सड़क का कोई कार्य मौके पर नहीं किया गया है। जहां बीते ८ माह पूर्व ७०० मीं करीब की सड़क पर गिट्टी बिछा दी गई थी जिसके बाद से संबंधित विभाग एवं ठेकेदार के द्वारा सड़क निर्माण पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। जिसका परिणाम है कि २ साल बीत जाने के बाद भी यथावत स्थिति मौके पर देखने को मिल रही है। जहां से आवागमन करने में ग्रामीणों को और ज्यादा दिक्कतों का सामना वर्तमान में करना पड़ रहा है। जिसको लेकर सभी के अंदर आक्रोश व्याप्त है ग्रामीणों के द्वारा विभाग और ठेकेदार पर बड़ी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया जा रहा है।

सड़क पर गिट्टी बिछाकर की गई है इतिश्री बरबसपुर ,आमगांव एवं पदमपुर यह तीन ग्राम मिलकर एक ग्राम पंचायत पदमपुर बनती है। यह तीनों ग्रामों के मध्य एक से डेढ़ किलोमीटर की दूरी स्थित है वर्तमान में पदमपुर जाने के लिए लड़सडा होते हुए गुजरना पड़ता है। जहां मुख्य मार्ग से करीब १० किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है। तो वहीं मुख्य मार्ग से पंचायत का ग्राम बरबसपुर लगता है जहां से ३ किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत पदमपुर लगता है। ऐसे में ग्राम पंचायत को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से बरबसपुर से आमगांव तक मार्ग की स्वीकृति दो वर्ष पहले दे दी गई थी। जिसका टेंडर भी किसी ठेकेदार को दे दिया गया है परंतु २ वर्ष बीत जाने के बाद भी ठेकेदार के द्वारा मार्ग निर्माण में कोई रुचि नहीं दिखाई जा रही है। बीते ८ माह पूर्व ठेकेदार के द्वारा आमगांव से लडसड़ा मोक्षधाम तक यानी मार्ग पर करीब ७०० मीटर की दूरी पर गिट्टी बिछा दी गई थी। इसके बाद संबंधित विभाग और ठेकेदार दोनों मौके से नदारद हैं जिसका परिणाम है कि सड़क में बेतहाशा गड्ढे बने हुए हैं। ग्रामीणों को पंचायत रिश्तेदार या विभिन्न ग्रामों में जाने के लिए भयंकर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना दुर्घटनाओं के कारण लोगों को चोटिल भी होना पड़ रहा है तो वहीं पूरा मार्ग गड्ढों से पटा हुआ है। हालांकि यह मार्ग स्वीकृत होने और शासन के द्वारा निर्माण किए जाने के कारण पंचायत के द्वारा मार्ग की मरम्मत करने में असमर्थता जाहिर की जा रही है। परंतु जमीनी हकीकत यह है कि मौके पर जिम्मेदार ठेकेदार के द्वारा कोई का निर्माण कार्य नहीं किया गया है और ना ही जिम्मेदार एजेंसी यानी विभाग के द्वारा भी कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। जिससे सड़क का कार्य तो नहीं हुआ परंतु संबंधित ठेकेदार से विभाग के द्वारा कार्य भी नहीं करवाया गया है। जबकि यह एक बड़ी पंचायत है जहां पर पदमपुर ,आमगांव ,चंगेरा, सेलवाटपार सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्र के लोग रोजाना डोंगरमाली, बिटोडी या वारासिवनी मुख्यालय के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। तो वहीं बरबसपुर और विभिन्न क्षेत्र के लोग पदमपुर पंचायत और ग्रामीण क्षेत्र के लिए आना जाना करते हैं। इस दौरान रोजाना दुर्घटनाएं घटित हो रही है जिसमें लोग चोटिल हो रहे हैं जिनके द्वारा लंबे समय से मार्ग के निर्माण की मांग की जा रही है। किंतु मार्ग के जिम्मेदार कुंभकरण नींद में सोए हुए हैं जिसका परिणाम है कि लोगों को जान का जोखिम उठाकर आना जाना करना पड़ रहा है।

रोड़ नही बनने से ग्रामीणों में आक्रोश है-निलेश

ग्रामीण निलेश हाड़गे ने बताया कि यह सड़क आमगांव से बरबसपुर तक की है इसमें हर जगह बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं। दो वर्ष पहले से इसका निर्माण कार्य चालू हुआ था परंतु सड़क आज तक नहीं बनी है। शुरू से आखरी तक कच्ची सड़क है स्थिति बहुत ज्यादा खराब है आमगांव से थोड़ी दूर तक यह सड़क पर गिट्टी डाल दी गई है बाकी आधे रस्ते में गिट्टी नहीं है। हमें जब डोंगरमाली या बरबसपुर जाना होता है तो इस मार्ग का उपयोग करना होता है। बाईपास के रूप में यह सड़क हमारे पास है वरना १० किलोमीटर का फेरा काट कर हम जाते हैं परंतु यह मार्ग सीधा है इसलिए मजबूरी में कई लोग जाना आना करते हैं। यहां से पूरा गांव पदमपुर ,आमगांव ,सेलवाटपार ,चंगेरा सहित अन्य गांव के भी लोग आना जाना करते हैं। इस सड़क का निर्माण जल्द किया जाना चाहिए जिम्मेदार विभाग के द्वारा ध्यान देना चाहिए ताकि ग्रामीणों को सुविधा हो।

ठेकेदार को रोड़ का कॉन्ट्रैक्ट भी मिला पर आज तक रोड़ नहीं बनी-चिन्नीलाल

लड़सडा सरपंच प्रतिनिधि चिन्नीलाल बघेले ने बताया कि यह सड़क मुख्यमंत्री ग्राम सड़क या प्रधानमंत्री ग्राम सड़क के अंतर्गत बरबसपुर से आमगांव तक बन रही थी। इसका टेंडर भी हुआ ठेकेदार को रोड़ का कॉन्ट्रैक्ट भी मिल गया पर आज तक रोड़ नहीं बनी। रोड़ में गड्ढे है आधी रोड़ में गिट्टी बिछी है आधी में नहीं बिछी है आने जाने में बहुत ज्यादा दिक्कत है। यहां पर बरबसपुर ,आमगांव ,पदमपुर एक पंचायत है बड़ी पंचायत है इसमें लोगों को रिश्तेदारी पंचायत के काम व अन्य कामों से आना जाना लगा रहता है। समस्या सभी को हो रही है ३ किलोमीटर की दूरी बरबसपुर से पदमपुर की है यह रोड़ नहीं बनने के कारण ७ किलोमीटर घूम कर आते जाते हैं। यहां पर गिट्टी बिछाए हुए ८ महीना हो गया है उसके बाद ना ठेकेदार मिला ना उसके आदमी यह रोड़ बनाते हुए मिले। यह सड़क बनने से पदमपुर, आमगांव के साथ लड़सड़ा को भी लाभ होगा।

जहां संतों का समागम होता है वह स्थान तीर्थ बन जाता है-विवेक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सतोना में तीन दिवसीय कबीर संत समागम कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में दामा खेड़ा रायपुर से पहुँचे संत मेलादास साहेब के द्वारा धर्म की ओर चलने की प्रेरणा देते हुए वहाँ मौजूद लोगो को प्रवचन सुनाया। की मनुष्य को हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए मानव को मानवता का ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने कहा की मानवता के लिए रोशन मीनार बनने की सीख देते हुए सबको ज्ञान की रोशनी में लाने और प्यार फैलाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल पहुँचे जहाँ उन्होने संत मेलादास साहेब का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान राजकुमार चौधरी, मनीष धूवारे, यशपाल नागेश्वर, लालचंद मात्रे,नंदकिशोर मात्रे,प्रमोद पंचेश्वर, भागवत मात्रे,तिलक नागेश्वर,दयालदास मात्रे,छविलाल महंत सहित अन्य लोग मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा की मानवता आपसी प्रेम के साथ आगे बढ़ रहा है। मनुष्य को घमंड नही करना चाहिए ,भाईचारा बनाये रखना चाहिये,मनुष्य को दिखावा नही करना चाहिए,धर्म को जोड़ना चाहिए। झूठ नही बोलना चाहिये हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। हमे कबीर के सानिध्य में रहें, हमें अच्छा सीखने को मिलता है हमारा

मानव को मानवता से जोड़ने की प्रेरणा देता है मैं पहले सामान्य व्यक्ति के रूप में आया था। अब आपके आशीर्वाद के बाद मैं विधायक बनकर आया हूँ। अच्छा इंसान बने कौन क्या कर रहा है इससे मतलब नही रखे, हमेशा सत्य और धर्म के मार्ग पर चले,मैं खुद लोगो से कहता हूँ संतो मिशन लोगो की सेवा में लगा रहता है। संतो के उद्देश्य को जनता तक पहुंचाये हमेशा हमारे क्षेत्र में संतो का आशीर्वाद बना रहें। जहा संतों का आगमन होता है वह स्थान तीर्थ बन जाता है। हमेशा हमारे वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में संतों का आशीर्वाद बना रहता है।

अमित एवं संगीता साखरे जयपुर साहित्य सम्मान २०२६ से हुये सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी वार्ड नंबर १ हिमाचल नगर निवासी डॉ. अमित एवं डॉ. संगीता साखरे को उनकी पुस्तक कत्थक निबंध वलोकन के लिए जयपुर साहित्य सम्मान २०२६ से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जयपुर की साहित्य एवं संगीतिक संस्था जयपुर राजस्थान के द्वारा प्रदान किया गया । यह सम्मान कई विधाओं में दिया जाता है यह सम्मान उन्हें नृत्य एवं संगीत के क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन के लिए उनकी किताब कथक निबंधावलोकन के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. अमित साखरे एवं डॉ.संगीता साखरे नृत्य के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं ,वर्तमान में डॉ. अमित साखरे इंदौर के शासकीय कन्या महाविद्यालय में नृत्य विभाग के पद पर पदस्थ है। इस प्राप्त सम्मान से परिवारजन एवं ईष्ट मित्रों में हर्ष व्याप्त है।

नगर को सुव्यस्थित करने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने चौपाटी का निरीक्षण किया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के निर्देश पर नगर पालिका परिषद नगरीय क्षेत्र को सुव्यवस्थित कर रही है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल परिषद अमलो के साथ इन विकास कार्यो के स्थल का निरीक्षण किया गया। महानगरों की तर्ज पर बस स्टाप के निकट सुव्यवस्थित चौपाटी का निर्माण कर व्यवस्थित रूप से पानी निकासी के लिए नाली की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। साथ ही बिजली के पोलो से जगमगाहट के लिए स्ट्रीट लाइट के साथ धरातल पर पेवर ब्लाक बिछाकर उचित व्यवस्था करने की यह शैली निश्चित ही सुंदर चौपाटी के गौरव को प्राप्त करने जा रही है। इसी तरह मात्र १ माह की समय सीमा निर्धारित कर रामपायली रोड़ पर नगर की सीमा चंदन नदी पर गोटाडोल पूल से रिधन भाऊ की राइस मिल तक स्ट्रीट लाइट का जाल बिछाकर प्रकाश व्यवस्था की जा रही है। जिसमें सडक के दोनो ओर तेज रोशनी की जगमगाहट का अंतिम निर्णय लेकर स्थल का विशेषज्ञ के साथ निरीक्षण भी किया गया है। इसी तरह कटंगी मार्ग पर डिवाईडरो पर वर्तमान की लाइट व्यवस्था से आगे बढ़ते हुये टोंडिया नाले से आगे १५ सौ मीटर तक सड़क के दोनों तरफ प्रकाश व्यवस्था की जा रही है। जिससे निश्चित ही महानगरों की तर्ज पर वारासिवनी नगर को अहसास होने जा रहा है। गौरतलब है की पहले ही मुख्य सडक सहित अनेको मार्गो की सीमाओं पर डिवाईडर पर दोनो तरफ स्ट्रीट लाईट होने से वारासिवनी नगर में प्रवेश के समय एक सुव्यस्थित शहर का अहसास होने लगता है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, सुनील गुप्ता, मुख्य अधिकारी सुर्यप्रकाश उके, उपयंत्री सुमीत मोटवानी, उपयंत्री अंशिका चौहान,अमित येरपूडे, धर्मु जोशी, मनोज दांदरे,संतोष आडे मौजूद रहे।

परमात्मा एक पान दुकान ,इलेक्ट्रिकल्स में हुई चोरी की वारदात

अज्ञात चोरों ने पूरी दुकान की तलास कर पान दुकान से की रुपये की चोरी

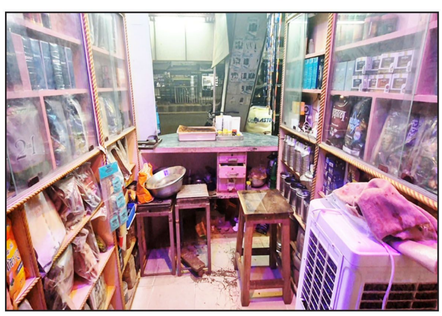

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर २ सम्राट नगर रामपायली रोड़ स्थित परमात्मा एक पान दुकान एवं इलेक्ट्रिकल में ६ जनवरी की दरमियानी रात अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की वारदात की गई। मामले में दुकान संचालक किशोर डेकाटे के द्वारा डायल ११२ एवं थाने में शिकायत कर घटना में उचित कार्यवाही करने मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामपायली रोड़ में किशोर ड़ेकाटे के द्वारा परमात्मा एक पान दुकान एवं इलेक्ट्रिकल्स संचालित की जाती है। जहां दुकान सहित उसका निवास बना हुआ है वह रात्रि में अपनी दोनों दुकानों को बंद कर ऊपर घर में परिवार के साथ भोजन कर सो गये थे। तभी रात में अज्ञात चोरों के द्वारा पड़ोस की निर्माणधीन बिल्डिंग से उसके टेरिस पर प्रवेश किया। वहां दरवाजा नही होने से वह उतरकर दुकान के अंदर आ गए इलेक्ट्रिकल्स दुकान के सभी ड्राज खोलकर विभिन्न सामानों को उथल पुथल कर जांच की गई। उन्हें कुछ नहीं मिला जिसके बाद वह पान दुकान में गए रात्रि में गले में रखे हुए करीब १०००० रुपये उनके द्वारा चोरी कर मौके से फरार हो गए। सुबह दुकान संचालक किशोर ड़ेकाटे के द्वारा दुकान खोली गई तो देखा कि अंदर सभी ड्राज खुले हुए हैं और सामान बिखरा पड़ा हुआ है। जिस पर डायल ११२ को उन्होंने शिकायत पर पुलिस आरक्षक के द्वारा जांच कर शिकायत दर्ज की गई। वहीं लिखित शिकायत उनके द्वारा थाने में देखकर मामले में उचित कार्यवाही करने की मांग की गई है। किशोर डेकाटे ने बताया कि रात्रि में मैं परिवार के साथ दुकान बंद कर घर के अंदर सो गया था। सुबह जब उठा और ९ बजे दुकान खोलने आया तो देखा कि पान दुकान में पूरा सामान बिखरा पड़ा हुआ है तो वही इलेक्ट्रिकल्स में देखा तो वहां भी सभी ड्राज खुले हुए थे दस्तावेज बिखरे पड़े थे समान गिरा हुआ था। तब मेरे द्वारा अपने पुत्र और कर्मचारियों से चर्चा की गई जिन्होंने बताया कि यह सब उनके द्वारा नहीं किया गया था वह तो सभी सामान जमा कर दुकान बंद कर थे। पान दुकान में करीब १०००० रूपये रखे हुए थे इसके बाद उन्होंने देखा तो सीढ़ी पर माचिस की लकड़ियां और सिक्के गिरे हुए थे। वहीं टेरिस के ऊपर छत की धूल में पैर के निशान थे जिसकी जानकारी तत्काल डायल ११२ को दी थी। मकान में चोरी हो गई है वहीं थाने में जाकर लिखित शिकायत दी गई है । हमारी मांग है कि उक्त अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार कर हमारा सामान वापस दिलाया जाए। बीते कुछ समय से वारासिवनी नगर में चोरी की वारदात एक समय अंतराल के बाद विभिन्न स्थानों पर हो रही है इस पर पुलिस प्रशासन को जल्दी से रोक लगाना चाहिए। अन्यथा आगे बड़ी चोरियों की वारदात प्रारंभ हो जाएगी जिससे हर व्यक्ति को नुकसान ही उठाना करना पड़ेगा। इसलिए पुलिस अपनी सक्रियता के साथ इन चोरों पर कार्यवाही करें।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

जागरूकता शिविर में साइबर क्राइम संबंधी जानकारी दी गई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशेष न्यायाधीश श्रीमती कविता इवनाती की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन जागरूकता/विधिक जागरूकता शिविर राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़ में आयोजित किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में महाविद्यालय में उपस्थित युवा छात्र छात्राओं को बताया कि ऐसे शिविर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने का उद्येश्य युवाओं को कानूनी अधिकार और नि:शुल्क कानूनी सहायता से अवगत करवाना है। उपस्थित युवा छात्र छात्राओं को बताया कि कानून की जानकारी केवल अधिकारों की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि समाज में न्याय और समानता की भावना को भी बढ़ाती है। नि:शुल्क कानूनी सेवाओं का तात्पर्य समाज के उन गरीब और कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना है जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं। शिविर में विधिक सहायता संबंधी विभिन्न योजनाओं, लीगल लिटरेसी क्लब, एफआईआर, लैंगिक अपराधों से बालकों संरक्षण अधिनियम २०१२, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, मोटर दुर्घटना दावा अधिनियम, साइबर क्राइम संबंधी कानूनों की जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। उक्त जागरूकता शिविर में राजा भोज कृषि महाविद्यालय मुरझड़ के सहायक प्राध्यापक डॉ. शैलेन्द्र भलावे, डॉ. उत्तम बिसेन, डॉ. सुनील रजक, डॉ. ऋषिकेश ठाकुर, डॉ. अमिता शर्मा, डॉ. श्रद्धा करचो, डॉ. सुरेन्द्र राय सहित लगभग छात्र छात्राओं ने उपस्थित रहकर जागरूकता कार्यक्रम शिविर का लाभ उठाया।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

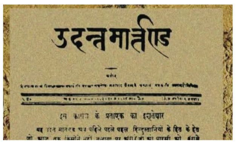

दिशाहीन आंदोलन से उपजती लक्षित हिंसा

बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से जिस तरह की अराजकता बेलगाम होती देखी जा रही है, उससे साफ है कि बदलाव की मांग के साथ वहां जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह अब दिशाहीन हो चुका है। अब वहां हो रही लक्षित हिंसा की घटनाएं व्यापक चिंता का कारण बन रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों में जिन दो लोगों की हत्या कर दी गई, उनकी सामुदायिक पहचान हिंदू थी। सोमवार रात को वहां के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के चालीस वर्षीय मालिक की हत्या कर दी। इस घटना से कुछ घंटे पहले ही जेस्सोर जिले में एक अन्य व्यापारी की सिर में गोली मार कर जान ले ली गई, जो एक अखबार के कार्यवाहक संपादक भी थे। इसके अलावा, एक विधवा से सामूहिक बलात्कार, उसका निर्मम उत्पीड़न करने और उसका वीडियो बना कर जारी कर देने की भी खबर आई। इससे पहले भी वहां हिंदू पहचान को निशाना बना कर हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

साफ है कि बांग्लादेश में जारी हिंसा और अफरा-तफरी अब किसी खास एजंडे के तहत हो रही लगती है। वरना क्या कारण है कि एक ही प्रकृति की घटनाएं लगातार सामने आने और इसी वजह से नई जटिलताएं खड़ी होने के बावजूद वहां की अंतरिम सरकार इसे रोकने को लेकर कुछ भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। यह बेवजह नहीं है कि लगातार और सरेआम हो रही हत्या की घटनाओं से स्थानीय अल्पसंख्यक समुदायों के आम लोगों और व्यापारियों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। अशांति और हिंसा की घटनाओं में तेजी की तात्कालिक वजह जुलाई, 2024 के विद्रोह के एक प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो सकती है, जो भारत का कट्टर आलोचक भी था। सवाल है कि अगर हादी का मकसद देश को बदलना था, तो क्या उसका रास्ता यह होगा कि वहां के अल्पसंख्यक तबकों और खासतौर पर चुन कर हिंदू पहचान वाले निर्दोष लोगों की हत्या की जाए? फिर अगर अराजकता का यह सिलसिला जारी रहता है और वहां की सरकार तथा कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजेंसियां ऐसी घटनाओं को रोक नहीं पाती हैं, तो इसके क्या मायने निकाले जाएंगे? बांग्लादेश में तत्कालीन शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह की घोषित वजहें चाहे जो रही हों, लेकिन आज वहां भीड़तंत्र जिस तरह हावी होता दिख रहा है, वह खुद बांग्लादेश के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। धार्मिक पहचान को आधार बना कर हत्या या बलात्कार की घटनाओं के दौरान स्थानीय लोग जिस तरह अराजक होते या जैसी प्रतिक्रियाएं देते दिखते हैं, वह कुछ समूहों के दिशाहीन और संवेदनहीन हो जाने का संकेत तो है ही, जघन्य अपराधों के बेलगाम होते जाने को नहीं रोक पाना दरअसल शासन के नाकाम हो जाने का भी सबूत है। अगर अब भी वहां शांति और लोकतंत्र की बहाली के लिए ठोस कवायद नहीं हुई, अल्पसंख्यक समुदायों के बीच फैली असुरक्षा की भावना बनी रही, तो इसका खमियाजा समूचे देश को उठाना पड़ सकता है। सही है कि लक्षित तौर पर हिंसा करने वालों के बरक्स वहां अब भी वैसे लोग हैं, जो अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने पर चिंता जाहिर करते हैं। मगर शेख हसीना को सत्ता से हटाने के कई महीने के बाद भी अगर वहां अराजकता फैलती दिख रही है, तो विद्रोह की अगुवाई करने वालों से लेकर फिलहाल सत्ता संभालने वाले समूह भविष्य में किस तरह का बांग्लादेश बनाने की उम्मीद दे रहे हैं?

क्या अंतरराष्ट्रीय कानून सिर्फ भ्रम हैं

वेनेजुएला, यूक्रेन या गाजा-इन सभी संकटों में अंतरराष्ट्रीय कानून की सीमाएं उजागर होती हैं, पर साथ ही उसकी अनिवार्यता भी रेखांकित होती है। नियम कमजोर हो सकते हैं, किंतु नियमों का पूर्ण अभाव कहीं अधिक विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।

अपने विद्यार्थी जीवन में अंतरराष्ट्रीय कानून का अध्ययन करते समय कुछ परिभाषाएं केवल परीक्षा की तैयारी का साधन नहीं रहीं, बल्कि वे बौद्धिक संघर्ष और वैचारिक मंथन की स्थायी स्मृतियां बन गईं। इन्हीं में से एक थी प्रख्यात विधिवेत्ता थॉमस एर्स्किन हॉलैंड की वह प्रसिद्ध परिभाषा, जिसमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विधि को 'न्यायशास्त्र का तिरोधान बिंद' कहा था। उनके अनुसार, अंतरराष्ट्रीय विधि में न तो पूर्ण संप्रभु विधायिका है, न बाध्यकारी दंड-व्यवस्था और न ही ऐसा प्रवर्तन तंत्र, जो राज्यों को अनिवार्य रूप से नियमों के पालन के लिए विवश कर सके। इस दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय विधि, विधिशास्त्र की शास्त्रीय कसौटियों पर खरी नहीं उतरती।

हरवंश दीक्षित
डीन, विधि संकाय, तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद

उस समय यह आलोचना हमें असहज करती थी। युवा मन को यह स्वीकार करना कठिन लगता था कि जिस कानून को हम वैश्विक न्याय की आधारशिला मानते हैं, वही 'अपूर्ण' कही जाए। यह असहमति केवल भावनात्मक नहीं थी, बल्कि इसके पीछे ऐतिहासिक अनुभव भी था। 1970 के दशक में संयुक्त राष्ट्र का आभामंडल वास्तव में दैदीप्यमान प्रतीत होता था। उपनिवेशवाद से मुक्त हुए नव स्वतंत्र राष्ट्र, मानवाधिकारों के अंतरराष्ट्रीय घोषणापत्र, रंगभेद-विरोधी संघर्ष और शीतयुद्ध के बीच सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा-इन सबने यह विश्वास पैदा किया था कि अंतरराष्ट्रीय विधि धीरे-धीरे शक्ति-राजनीति से ऊपर उठकर नैतिकता और न्याय का सार्वभौमिक ढांचा बनेगी।

परंतु 2024-26 की वर्तमान दुनिया में पीछे मुड़कर देखने पर यह स्पष्ट होता है कि यह विश्वास अब एक कठोर यथार्थ परीक्षा से गुजर रहा है। यूक्रेन युद्ध का तीसरे वर्ष में प्रवेश, गाजा में मानवीय संकट, लाल सागर में नौवहन असुरक्षा, और वैश्विक दक्षिण की बढ़ती असंतुष्टि-ये सभी घटनाएं संकेत देती हैं कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था आज नियम-आधारित प्रणाली से अधिक हित-आधारित प्रणाली की ओर झुक रही है। बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में शक्ति का वितरण बदल रहा है, पर नियमों का पालन समान रूप से सुनिश्चित नहीं हो पा रहा।

इसी पृष्ठभूमि में वेनेजुएला का संकट एक प्रतीकात्मक उदाहरण बनकर उभरता है। वेनेजुएला अब केवल आर्थिक दिवालियेपन या लोकतांत्रिक क्षरण की कहानी नहीं है। 2024-25 के विवादित चुनाव, विपक्ष पर निरंतर प्रतिबंध, व्यापक

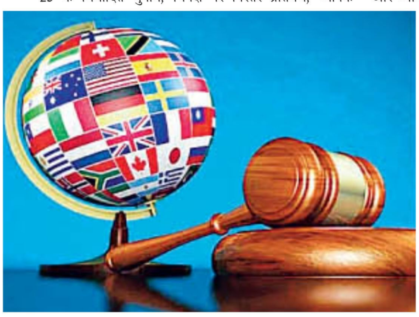

प्रवासन संकट और ऊर्जा-राजनीति का पुनरुत्थान-इन सभी ने अंतरराष्ट्रीय विधि की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। संयुक्त राष्ट्र, क्षेत्रीय संगठन और अंतरराष्ट्रीय मंच सक्रिय अवश्य हैं, परंतु उनकी भूमिका प्राय: पर्यवेक्षक या वक्ता तक सीमित रह जाती है। निर्णायक हस्तक्षेप, जो व्यवहार में बदलाव ला सके, दुर्लभ दिखाई देता है।

यहीं अंतरराष्ट्रीय विधि की वह कमजोरी उजागर होती है, जिसकी ओर हॉलैंड ने दशकों पहले संकेत किया था-प्रवर्तन का अभाव। प्रस्ताव पारित होते हैं, निंदा-प्रस्ताव जारी होते हैं, विशेष दूत नियुक्त किए जाते हैं, किंतु जब तक शक्तिशाली राज्यों के हित प्रभावित नहीं होते, तब तक नियम प्रभावी नहीं बन पाते। सत्ता-संतुलन के बदलते ही नियमों की व्याख्या भी बदल जाती है। यही कारण है कि एक ही सिद्धांत (संप्रभुता या मानवाधिकार) अलग-अलग परिस्थितियों में अलग अर्थ ग्रहण कर लेता है।

इस संदर्भ में, डोनाल्ड ट्रंप का प्रभाव केवल अतीत की स्मृति नहीं है। 2024 के अमेरिकी चुनाव और उसके बाद की वैश्विक प्रतिक्रिया ने यह स्पष्ट कर दिया कि %अमेरिका फर्स्ट% जैसी सोच अब किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रही। यह एक वैश्विक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिसमें बहुपक्षीय संस्थाओं के प्रति संदेह, अंतरराष्ट्रीय संधियों से दूरी और प्रतिबंधों को प्राथमिक कूटनीतिक हथियार बनाने की प्रवृत्ति शामिल है। वेनेजुएला के मामले में यह द्वंद्व और भी तीखा दिखता है, जहां मानवाधिकारों की भाषा और ऊर्जा-सुरक्षा की रणनीति परस्पर टकराती दिखाई देती हैं।

यही वह बिंदु है, जहां अंतरराष्ट्रीय विधि सैद्धांतिक आदर्श और व्यावहारिक राजनीति के बीच झूलती नजर आती है। क्या संप्रभुता अब भी पूर्ण और अछूती अवधारणा है? क्या मानवीय हस्तक्षेप वास्तव में सार्वभौमिक है, या वह भी चयनात्मक नैतिकता का शिकार हो चुका है? और क्या नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं या शक्ति-संपन्न राष्ट्र उनके अपवाद बन जाते हैं? 2024-26 की वैश्विक व्यवस्था इन प्रश्नों के स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर देने में असमर्थ दिखाई देती है।

फिर भी, एक विद्यार्थी के रूप में मन में उपजी वह आशा पूरी तरह लुप्त नहीं हुई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट के अभियोग, समुद्री कानून से जुड़े न्यायिक निर्णय, जलवायु न्याय पर बढ़ता वैश्विक विमर्श और वैश्विक दक्षिण की संगठित एवं मुखर होती आवाज-ये सभी संकेत देते हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून केवल भ्रम नहीं हैं। वह एक क्रमिक, विकसित होती प्रक्रिया है, जो धीमी अवश्य है, पर निरर्थक नहीं।

शायद हॉलैंड सही थे कि अंतरराष्ट्रीय विधि पारंपरिक अर्थों में %कानून% नहीं है। पर यह भी उतना ही सत्य है कि इसके अभाव में वैश्विक राजनीति केवल कच्ची शक्ति, सैन्य दबाव और आर्थिक दमन तक सिमट जाएगी। वेनेजुएला, यूक्रेन या गाजा-इन सभी संकटों में अंतरराष्ट्रीय विधि की सीमाएं उजागर होती हैं, पर साथ ही उसकी अनिवार्यता भी रेखांकित होती है। नियम कमजोर हो सकते हैं, किंतु नियमों का पूर्ण अभाव कहीं अधिक विनाशकारी सिद्ध होता है।

आज, जब मैं अपने विद्यार्थी जीवन की उन बहसों को 2024-26 की वास्तविकताओं के आलोक में देखता हूं, तो यह स्पष्ट होता है कि न हॉलैंड पूरी तरह गलत थे, न हम छात्र पूरी तरह आदर्शवादी। अंतरराष्ट्रीय विधि वास्तव में एक संक्रमण-कालीन व्यवस्था है, जहां वह न्यायशास्त्र का तिरोधान बिंदु भी है और एक अधिक उत्तरदायी, अधिक मानवीय वैश्विक व्यवस्था की संभावित आधारशिला भी।

अंतत: प्रश्न यह नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय विधि कमजोर है या सशक्त। प्रश्न यह है कि क्या राष्ट्र-राज्य उसे केवल सुविधा और हित के अनुसार अपनाते रहेंगे, या 21वीं सदी की जटिल चुनौतियों (जलवायु परिवर्तन, प्रवासन, युद्ध और असमानता) के लिए उसे सचमुच साझा नैतिक उत्तरदायित्व का स्वरूप देंगे। आज की दुनिया में, इसी प्रश्न का उत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के भविष्य की दिशा तय करेगा।

-सोरेन कीर्केगार्ड

जो व्यक्ति केवल परिणाम चाहता है, वह थक जाता है, क्योंकि उसका दृष्टिकोण सीमित होता है। पर जो चलता रहता है, वह सीखता है कि अर्थ मंजिल में नहीं, बल्कि यात्रा के अनुभव में निहित होता है।

इंतजार न करें बस चलते रहें

चलना केवल एक भौतिक क्रिया नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व की सबसे सुंदर स्वीकृति है। जब मनुष्य चलता है, वह हर कदम में यह स्वीकार करता है कि वह जीवित है और उसके भीतर अब भी खोजने, समझने व जीने की इच्छा शेष है। गति तो आत्मा का श्वास है। जो व्यक्ति चलना बंद कर देता है, वह केवल ठहरता नहीं, बल्कि वह धीरे-धीरे अपने भीतर के जीवन से वियोग अनुभव करने लगता है। जड़ता एक प्रकार की आध्यात्मिक मृत्यु है, जो शरीर से पहले आत्मा को निष्प्राण बना देती है।

चलना आत्मा व शरीर के बीच संवाद का माध्यम है। थमे हुए विचार गति में आकर बहने लगते हैं, और आत्मा उस मौन में बोल उठती है, जिसे स्थिरता ने रोक रखा था। ऐसा लगता है, जैसे जीवन स्वयं कह रहा हो कि 'मत रुक, क्योंकि रुकते ही तू अपने भय का शिकार हो जाएगा।' गति में विश्वास है, जबकि ठहराव में डर। चलना एक सौम्य विद्रोह है-ठहराव के खिलाफ, निराशा के खिलाफ, और अपने भीतर के संदेह के खिलाफ। जब मनुष्य एक कदम आगे रखता है, तो वह खुद से कहता है, %मैं अभी समाप्त नहीं हुआ हूं। जब मैं चलता हूं, तो अपने अस्तित्व से संवाद करता हूं। मेरे विचार खुलते हैं, बोझ हल्का होता है, और भीतर का मौन बोलने लगता है। रास्ता स्वयं मेरे पांवों के नीचे निर्मित होता चला जाता है। मैं समझता हूं कि जीवन किसी निष्कर्ष का नाम नहीं, बल्कि उस निरंतर गतिविधि का नाम है, जिसके बिना आत्मा नष्ट हो जाती है। चलना तो साहस का प्रतीक है, यानी डर के बावजूद कदम उठाने का विश्वास, अंधेरे में भी यह मानने की हिम्मत कि आगे बढ़ना संभव है। जब मनुष्य ऐसा करता है, तो वह अनिश्चितता को अपने होने का प्रमाण बना देता है। अस्तित्व का सार इसी अनिश्चितता में है। यही अनिश्चितता मनुष्य को सोचने, बदलने, और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। जो व्यक्ति केवल परिणाम चाहता है, वह थक जाता है, क्योंकि उसका दृष्टिकोण सीमित होता है। पर जो चलता रहता है, वह सीखता है कि अर्थ मंजिल में नहीं, बल्कि यात्रा के अनुभव में निहित होता है। यही जीवन का सत्य है। हर कदम यह सिखाता है कि रुकना हार नहीं, बस एक क्षणिक ठहराव है। जीवन भी हमारी गति के साथ चलता है। जब हम ठहरते हैं, वह भी ठहर जाता है, जब हम बढ़ते हैं, वह भी बढ़ता है। इसलिए, अपनी चलने की इच्छा को जीवित रखें, क्योंकि जब तक आदमी चलता रहता है, वह अपने भीतर की रोशनी से जुड़ा रहता है। अस्तित्व हमेशा उसी को दिशा देता है, जो उठकर चलने का साहस रखता है। और जब एक मनुष्य यह समझ लेता है कि चलना ही जीवन का सबसे गहरा विश्वास है, तब मार्ग, स्वयं अपनी दिशा प्रकट कर देता है।

सूत्र - कुछ बदलने का साहस रखें

चलना केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को स्वीकार करना है। जब मनुष्य चलता है, वह यह मान लेता है कि उसके भीतर अब भी आशा शेष है, सीखने की क्षमता जीवित है और बदलने का साहस बाकी है। ठहराव शरीर को विश्राम देता है, पर जड़ता आत्मा को थका देती है। इसलिए जीवन में रुकना कभी समाधान नहीं होता है।

रौशनी का ओर छोर

मनुष्यता की राह की संवेदनाएं

कोई भी व्यक्ति हो, उसके भीतर करुणा संवेदना, स्नेह, मानवता इत्यादि सहज गुण विद्यमान रहते हैं। एक बेहद सख्त दिखने वाले मनुष्य के भीतर भी ये नैसर्गिक गुण होते ही होते हैं। यह और बात है कि अनेक लोग जानबूझ कर अपने भीतर की सहज अनमोल थाती से अनजान बने रहते हैं और निर्ममता के साथ समाज में जीते रहते हैं। किसी के साथ हिंसा करते हैं, कहीं लूटपाट करते हैं। ऐसे अनेक लोग बुनियादी तौर पर अपनी हरकतों को अपनी विशेष कथित बहादुरी के रूप में ही देखते हैं। अपने बुरे कर्मों के कारण ऐसे लोग एक दिन गिरफ्तार भी होते हैं, जेल जाते हैं, जेल से बाहर आते हैं और फिर उसी बुरे काम में लग जाते हैं। इनके भीतर कोई आत्मज्ञान नहीं आता। दरअसल, इनकी अंतर्निहित करुणा पूरी तरह सुप्त-सी रहती है। यह और बात है कि ऐसे लोग जब अपने घर पहुंचते हैं, तो अपनी छोटी बच्ची या बच्चे को प्रेम से उठाते हैं, चूमते हैं, प्यार करते हैं। उनकी हर इच्छा की पूर्ति करते हैं। लेकिन बाह्य जगत के लिए क्रूर व्यक्ति होते हैं।

गुंडे-बदमाशों की तरह एक सफेदपोश वर्ग भी ऐसा है, जो समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करते हुए अपना कारोबार करता है। खूब धनार्जन करता है। मगर इनमें से कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो कारोबार की आड़ में अपराध करते हैं और जिनके बारे में काफी विलंब से लोगों को पता चलता है। इनमें से कुछ ऐसे हैं जो खाने-पीने की चीजें बनाते हैं और उनमें खुल कर मिलावट करते हैं। इन्हें इस बात का भी दर्द नहीं होता कि चार पैसे अधिक कमाने के चक्कर में वे न जाने कितने लोगों के जीवन से खेल रहे हैं। मजे की बात है कि ये लोग अपना नियमित %धंधा% भगवान की पूजा करने के बाद शुरू करते हैं और समापन प्रणाम करके। उन्हें ऊपर वाले का भी कोई खौफ नहीं होता कि वह देख रहा है।

जीवन-रक्षक दवाओं में भी मिलावट की जानकारी आए दिन मिलती रहती है। तब समाज और चकित होता है कि व्यावसायिक पतन कहां तक हो चुका है। पैसे कमाने के लिए लोग जहर बेचने में भी संकोच नहीं करते। ऐसे लोग देश दुनिया में हर जगह मिल जाएंगे। कई लोग मनुष्य होते हुए भी अमानुष बने रहते हैं। सड़कों पर आए दिन कुछ ऐसे लोग हमें नजर आते हैं जो किनारे बैठे किसी कुत्ते को लात जमा देते हैं। किसी कुत्ते को ऊंची छत से फेंक देते हैं। या राह चलती सीधी सादी गाय या किसी बैल को डंडा मार देते हैं। कभी-कभी चोट खाए जानवर के मामले में दांव उल्टा पड़ जाता है और वह ध र्म कोई भी हो, वह मानवता का संचार करने का ही संदेश देता है। जिन परिवारों में बच्चों को बाल्यकाल से ही ऐसे संस्कार मिलते हैं, वे बड़े होकर नेक यह पर चलते हैं। अगर व्यवसाय करेंगे, तो ईमानदारी का ध्यान रखेंगे। सामाजिक जीवन में रहेंगे, तो एक श्रेष्ठ नागरिक की तरह आचरण करेंगे। डंडा मारने को वाले को उठाकर पटक देता है।

समाज में इस तरह का एक ऐसा वर्ग है, जिसे हम परपीड़क कह सकते हैं। उसे दूसरों को पीड़ा पहुंचाने में आनंद आता है। कोई भी पशु हो, उसको प्रताड़ित करने में उसे असीम आनंद की अनुभूति होती है। शायद इसे ही शैतान की प्रवृत्ति कहा जाता है। ऐसे लोग हर जगह अपने से कमजोर तबके को पीड़ा पहुंचाते हैं। हमारे यहां शुरू से कहा गया है कि %बड़े भाग मानुष तन पावा%, लेकिन मनुष्य तन पाने के बावजूद अमानुष बन जाना सामाजिक व्यवस्था को चरमराने की कोशिश करने जैसा है। प्रश्न यह है कि आखिर समाज में कुछ लोग इतने निर्मम क्यों हो जाते हैं? क्यों किसी को पीड़ा पहुंचाते हैं? इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि इन्होंने अपने धर्मग्रंथों का ठीक से अध्ययन-मनन नहीं किया है। उनकी सामाजिकता की पृष्ठभूमि ने उनके भीतर ऐसी संवेदना निर्मित नहीं की, जिसके सहारे वे दूसरों के प्रति मानवीय हो सकें और साथ ही खुद को मानवीय संवेदनाओं से लैस कर सकें। हालांकि ऐसे लोग दूसरों को मौके-बेमौके नुकसान पहुंचाते हैं या फिर पहुंचाना चाहते हैं, लेकिन अक्सर इसका नुकसान उन्हें भी उठाना पड़ता है। जब वे खुद को नुकसान में पाते हैं, तब शायद वे इसके कारणों पर विचार करते हों।

धर्म कोई भी हो, वह मानवता का संचार करने का ही संदेश देता है। जिन परिवारों में बच्चों को बाल्यकाल से ही ऐसे संस्कार मिलते हैं, वे बड़े होकर नेक राह पर चलते हैं। अगर व्यवसाय करेंगे, तो ईमानदारी का ध्यान रखेंगे। मिलावट से बचेंगे। सामाजिक जीवन में रहेंगे, तो एक श्रेष्ठ नागरिक की तरह आचरण करेंगे। जीवन जगत के अनेक मोर्चे पर कार्यरत लोग अगर नैतिक दृष्टि से शिक्षित रहेंगे तो कभी भी अपने हृदय में व्याप्त करुणा, दया-ममता आदि से दूर नहीं हो सकते। मगर जो लोग इस पर विचार ही नहीं करना चाहते, उनके बारे में कोई भी कुछ नहीं कर सकता।

फिर भी यह संतोष की बात है इस महादेश में आज भी अनेक लोग पशुओं के प्रति बेहद संवेदनशील दिखते हैं। यानी वे जीव-दया के पक्षधर नजर आते हैं। उस दिशा में कुछ न कुछ काम करते रहते हैं। किसी मनुष्य पर कहीं कोई अत्याचार होता है, तो एक बड़ा वर्ग प्रतिरोध करने खड़ा हो जाता है। इसलिए हमारे यहां यह भी कहा गया है कि यह दुनिया अच्छे लोगों से भरी पड़ी है। ऐसे लोगों की संख्या निरंतर बढ़नी चाहिए। यह तभी संभव है, जब हम नई पीढ़ी को उन सग्रंथों की और मोड़ें, जो मनुष्य को और बेहतर मनुष्य बनाने की बात करते हैं। हर व्यक्ति को अपने स्तर पर आसपास के परिवेश में संवेदना के जागरण की दिशा में बिना बोले चुपचाप काम करते रहना चाहिए। इसका असर तभी संभव है, जब व्यक्ति खुद वैसा आचरण या उदाहरण पेश करे।

-गिरीश पंकज

चीन से सीखें भाषाई बोध

चीन ने हर वर्ष सितंबर के तीसरे हफ्ते को 'राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह' के रूप में मनाना तय किया है। हिंदी के संदर्भ में देखें, तो राजभाषा और राष्ट्रभाषा के बीच शाब्दिक ही नहीं, भावात्मक फर्क भी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानता है। यही वजह है कि हर साल ग्रेगोरियन कैलेंडर के नौंवे महीने के दस्तक देने के साथ ही, हर सरकारी दफ्तर राजभाषा पखवाड़े या महीने को लेकर उत्साह से भर उठता है। कुछ ऐसा ही पड़ोसी चीन में भी अब होता नजर आ रहा है। अब वहां सितंबर का तीसरा सप्ताह %राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि% को समर्पित होगा। सितंबर के महीने में भारत में जहां राष्ट्रभाषा बनाने की आस में हिंदी के राजभाषा ओहदे को याद किया जाएगा, वहीं चीन मंदारिन को बाकायदा राष्ट्रभाषा के तौर पर और आगे बढ़ाएगा। हालांकि, चीन और भारत के भाषाई चिंतन और व्यवहार में फर्क साफ नजर आता है। चीन की सर्वोच्च विधि निर्माता संस्था %राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा% की स्थायी समिति द्वारा बीते 27 दिसंबर को इससे जुड़ा कानून पारित करना इसी सोच का प्रतीक है। इस कानून में हर वर्ष सितंबर के तीसरे सप्ताह को %राष्ट्रीय सामान्य भाषा और लिपि संवर्धन एवं प्रचार सप्ताह% के रूप में मनाना तय किया गया है। यह कानून पुराने राष्ट्रीय भाषा कानून में संशोधन के बाद आया है। चीन में दो तरह की मंदारिन का प्रयोग होता है, एक लिखित और दूसरी मौखिक। इसमें दोनों का ध्यान रखा गया है। चीन अपनी भाषा और लिपि को अपने राष्ट्र का प्रतीक मानता है। चीन में इन दिनों प्रौद्योगिकी और डिजिटल जगत में लगातार प्रगति हो रही है। यहां ऑडियो विजुअल प्रोग्रामिंग और गेमिंग भी बढ़ी है। कहा जा सकता है कि चीनी राष्ट्रभाषा और लिपि कानून में यह संशोधन तेजी से विकसित हो रही संचार प्रौद्योगिकियों और ऑनलाइन सामग्री के विस्तार के बीच भाषा के मानकीकरण को मजबूत करने की कोशिश है। इसके तहत अब ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रमों, वेब सीरीज, ऑनलाइन फिल्मों, ऑनलाइन गेम और अन्य डिजिटल प्रकाशनों में मानक चीनी भाषा यानी मंदारिन और मानकीकृत चीनी अक्षरों को मूल भाषा के रूप में उपयोग करना जरूरी होगा। इसके साथ ही चीन में होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों, कॉन्फ्रेंस, इवेंट्स आदि के साइनबोर्ड, लेबल या प्रमोशनल मैटीरियल में विदेशी भाषाओं के साथ ही मानक चीनी भाषा भी शामिल करने पर जोर दिया गया है। इसकी तुलना में भारतीय राष्ट्रभाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकी संग उसके तालमेल पर नजर डालें, तो फर्क साफ नजर आता है। भारत अब भी राष्ट्रभाषा से दूर है। हिंदी को राष्ट्रभाषा मानने वाली ताकतों के सुर भी अब धीमे पड़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन आर्थिक उदारीकरण के बावजूद अपनी भाषा की ओर लौटता नजर आ रहा है। इसके साथ ही चीन के भाषाई आंकड़ों पर भी नजर डालना जरूरी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत से अधिक आबादी मंदारिन बोल सकती है। चीन में करीब 97.33 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। इनमें करीब 95 प्रतिशत से अधिक लोग मानक चीनी अक्षरों का प्रयोग करते हैं। चाइना इंटरनेट नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीते जून तक चीन में एक अरब 12 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता थे। चीन में इंटरनेट इस्तेमाल की दर 79.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भाषाई कानून में इन आंकड़ों के मद्देनजर सरकारी और पब्लिक सर्विस वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के लिए भी सरकारी नियमों और मानकों के अनुसार, राष्ट्रीय मानक भाषा का इस्तेमाल करना जरूरी हो गया है।

इस कानून का लक्ष्य %चीनी राष्ट्र के प्रति मजूबत सामुदायिक भावना का विकास% व %सांस्कृतिक आत्मविश्वास की मजबूती% है। कानून इस बात पर भी जोर देता है कि बोली और लिखी जाने वाली चीनी भाषा के इस्तेमाल का मकसद राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और जातीय एकजुटता होनी चाहिए। यह कानून शिक्षा में भी मानक चीनी भाषा की भूमिका पर बल देता है।

कानून के अनुसार, शिक्षण और पाठ्य सामग्री में मानक मंदारिन ही बुनियादी भाषा होगी। यह भारत की नई शिक्षा नीति जैसा ही है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर भारतीय भाषाओं के जरिये शिक्षण पर जोर दिया गया है। इस कानून के तहत संस्कृति, पर्यटन और परिवहन जैसे क्षेत्रों में सेवा देने वाले कर्मचारियों के लिए मानक मंदारिन जानना जरूरी होगा। इसमें मानक चीनी भाषा सीखने या प्रयोग में बाधा डालने पर सजा का प्रावधान भी है। जबकि भारत में भाषा को नकारने को लेकर कोई सजा का प्रावधान नहीं है। वैसे इस कानून के दुरूपयोग की चिंता भी जताई जा रही है। तिब्बतियों को आशंका है कि इस कानून के तहत उनके खिलाफ दमन का एक और चक्र शुरू हो सकता है। बहरहाल, चीन अपनी मानक भाषा को स्थापित करने का कानून लेकर आया है। हालांकि, भारत के मौजूदा राजनीतिक हालात के मद्देनजर ऐसे कानून का सुझाव देना संभव नहीं लगता। लेकिन चीन के इस भाषाई बोध के बहाने यह अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि एक दिन भारत में भी ऐसी सोच जरूर विकसित होगी।

- उमेश चतुर्वेदी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। दिसावरी तेजी से बुधवार को किराना जिंसों में हरी इलायची बाजार तेजी पर रहे। शक्कर में सुस्ती रही। तिलहनों में भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। दलहनों में चना घटाकर बोला गया। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हरी इलायची में दिसावर तरफ पूछपरख से भावों में सुधार का रूख रहा। शक्कर में लेवाली ठंडी रहने से बाजार नरमी पर रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में भाव बने रहे। दलहनों में चना घटाकर बोला गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3930-4070, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोंनिया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2520-2525, सोया साल्वेंट 1215-1220, सोया रिफाइंड 1275-1280, कपास्या 1210, धूलिया 1215, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1265,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4800-4950, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7250, एवरेज 6900-7000, हल्की 6700-6800, तुअर महाराष्ट्र 7200-7400, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इंदौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज ठंडा-ठंडा ही रहा। चाँदी में तेजी का सिलसिला कायम रहा। सोने में मजबूती रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 247000, चाँदी (99) 246500, टंच 245500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 140000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 29 पैसे की बढ़त के साथ ही 89.89 पर बंद हुआ आज सुबहडॉलर के कमजोर रुख और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.20 पर खुला। फिर लगातार बढ़त हासिल करता हुआ 89.92 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की बढ़त दिखात है। रुपया लगातार चार सत्र की गिरावट को तोड़ते हुए मंगलवार को 12 पैसे की मजबूती के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.18 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 98.52 पर रहा।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.20 अंक टूटकर 84,961.14 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.95 अंक नीचे आकर 26,140.75 पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान लार्जकैप में गिरावट रही जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 276.15 अंक ऊपर आकर 61,424.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 70.65 अंक नीचे आकर17,958.50 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल आधार पर , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी फार्मा और निफ्टी इंडिया डिफेंस तेजी के साथ बंद हुआ।दूसरी ओर निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कमोडिटीज की कमजोरी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, सन फार्मा, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, एलएंडटी के शेयर उछले

जबकि पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, एचयूएल, एसबीआई, भारती एयरटेल, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, इंडिगो के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली के साथ ही विदेशी निवेशकों के सतर्कता बरतने से बाजार नीचे आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में आईटी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली, लेकिन ऑटो और फाइनेंशियल सेक्टर में मुनाफावसूली के कारण बाजार पर दबाव बना रहा। सेंसेक्स बड़ी गिरावट के साथ 84,620 के स्तर पर खुला। ।वहीं निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 26,143 अंक पर खुलने के बाद निफ्टी 33.70 अंक की कमजोरी के साथ 26,145 के स्तर पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं एशिया के शेयर बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार देखा गया। अ ा ॅ स्ट ्े ि ल य ा का एएसएक्स, एसएंडपी 200 इंडेक्स 0.38 फीसदी बढ़ा, क्योंकि नवंबर में महंगाई दर घटकर 3.4 फीसदी रही, जो अक्टूबर के 3.8 फीसदी से कम और बाजार के अनुमान से नीचे थी। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.89 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.45 फीसदी गिर गया।

यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया होंगे एक!

मुंबई।एजेंसी। सरकार ने एक बार फिर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के संभावित विलय पर विचार शुरू कर दिया है। यह प्रस्ताव अभी अधिकारिक रूप से अनुमोदित नहीं हुआ है लेकिन कई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि वित्त मंत्रालय इस बड़े कदम पर गंभीरता से काम कर रहा है, जिससे बैंकिंग सेक्टर को मजबूती मिल सके और प्रतिस्पर्धा बढ़े। अगर यह विलय लागू होता है, तो नई इकाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी बैंक बन जाएगी। इससे ऑपरेशनल एफिशिएंसी, पूंजी शक्ति और नेटवर्क में वृद्धि होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह कदम 2017ङ्क2020 के दौरान सरकारी बैंकों के बड़े विलयों की दूसरी लहर की तरह माना जा रहा है, जब 27 बैंकों को 12 में संकरा गया था। अब फिर से ऐसे मर्जर 2.0 पर चर्चा तेज हुई है, जिसमें कुछ बैंकों के बहुमत का विलय या पुनर्गठन हो सकता है। कुछ विश्लेषक मानते हैं कि विलय से बैंक की वित्तीय स्थिति और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बेहतर होगी, जबकि बैंक कर्मचारी संघों ने चेतावनी दी है कि इससे ग्रामीण सेवाओं और स्थानीय पहुंच पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। हालांकि संसद में वित्त राज्य मंत्री ने बताया है कि इस समय कोई आधिकारिक मर्जर प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, लेकिन प्रारंभिक चर्चा और रणनीति तैयार की जा रही है।

भारत को चांदी आयात पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता- जीटीआरआई

नई दिल्ली।एजेंसी। भारत वर्तमान में चांदी के आयात में अत्यधिक निर्भर है। वित्त वर्ष 2024-25 में देश ने 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर का चांदी आयात किया, जबकि निर्यात केवल 47.84 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। 2025 में यह आयात और तेज़ी से बढ़ा, अक्टूबर में 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर और नवंबर में 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात हुआ। जनवरी-नवंबर 2025 तक कुल आयात 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और पूरे वर्ष का अनुमान 9.2 अरब अमेरिकी डॉलर है। विश्व में चांदी प्रसंस्करण में चीन सबसे बड़ा केंद्र है। चीन 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर के चांदी अयस्क और सांद्रण का आयात करता है, जिसमें से 5.6 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात ही देश के भीतर प्रसंस्कृत किया जाता है। इसके बाद यह उच्च मूल्य वाले उत्पादों इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल और चिकित्सा उपकरणों में परिवर्तित होकर निर्यात होता है। टीआरआई के एक अधिकारी का कहना है कि भारत को चांदी को केवल कीमती धातु नहीं, बल्कि औद्योगिक और ऊर्जा धातु के रूप में अपनाना चाहिए। इसके लिए घरेलू शोधन एवं पुनर्चक्रण क्षमता बढ़ाना और आयात स्रोतों में विविधता लाना आवश्यक है। दीर्घकालिक खनन साझेदारियों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित करना भी जरूरी है। वैश्विक चांदी की लगभग 55-60 प्रतिशत मांग औद्योगिक क्षेत्रों में है। विशेषकर सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और चिकित्सा उपकरणों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। सौर फोटोवोल्टिक सेल्स में कंडक्टिव पेस्ट के रूप में चांदी दक्षता बढ़ाने में मदद करती है।

मेष- आज का दिन आपके लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा। व्यापार करने वाले जातकों के लिए दिन अच्छा लाभ लेकर आएगा। आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे। आपके काम में यदि कुछ रुकावटें आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही हैं। परिवार में किसी सदस्य को नौकरी मिलने से घर से दूर जाना पड़ सकता है। आपको अपने पारिवारिक मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आज कामों में आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं।

वृषभ- आज के दिन आपको किसी प्रकार के जोखिम को लेने से बचना होगा। पिताजी की सेहत की आपको चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम मिलने से कठिनाईयां आएंगी। आपको अपने खर्चों को लेकर टेंशन बनी रहेगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको धन उधार लेने से बचना होगा। संतान आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती है, जिसे आप पूरी अवश्य करेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपनी अच्छी सोच से कार्यक्षेत्र में लाभ उठाएंगे। काम को लेकर यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। आप अपने बिजनेस को विदेशों तक ले जाने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। नौकरी का आपको कोई ऑफर आ सकता है। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा। आपको एक के बाद खुशखबरी सुनने को मिलेगी।

कर्क- आज का दिन आपकी कार्यकुशलता को बढ़ाने वाला रहेगा। आप अत्यधिक लाभ के चक्कर में छुटपुट लाभ पर ध्यान नहीं देंगे। यदि परिवार के सदस्यों में कोई वाद-विवाद चल रहा है, तो आप उसे मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। आप शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। किसी काम को लेकर आप अति उत्साहित होंगे, तो इससे आपके काम बिगड़ सकते हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में आप किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें। आप अपनी भावनाओं पर काबू रखें, क्योंकि आप कोई गलत निर्णय ले सकते हैं। दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यदि आपका धन कहीं फंसा हुआ था, तो उसके भी आपको मिलने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको अपने कामों को पूरा करने में काफी मेहनत करनी होगी। किसी से आप आज अपने कामों को लेकर कोई सलाह ना लें। ऑनलाइन व्यापार कर रहे लोगों को कोई नुकसान हो सकता है। आप किसी नई प्रॉपर्टी की डील को फाइनल कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। माताजी की सेहत में कोई पेट संबंधित समस्या हो सकती है।

तुला- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपके मान सम्मान में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, जो लोग सिंगल हैं, उनकी अपने साथी से मुलाकात हो सकती हैं। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। कुछ नए संपर्क से आपको जोड़ने का आपको मौका मिलेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आप अपने खर्चों को लेकर थोड़ा ध्यान दें। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को कोई पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है। जो लोग बैंकिंग क्षेत्र में कार्यरत हैं, उन्हें प्रमोशन मिल सकता है। आपको किसी से किए हुए वादे को पूरा करना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको अपने किसी करीबी से कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। संतान को किसी नई नौकरी का ऑफर आ सकता है। आप अपने जीवनसाथी के साथ मिल बैठकर कुछ पुरानी बातों को लेकर बातचीत करेंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। यदि आपने कार्यक्षेत्र में कोई परिवर्तन किया, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आपका पूजा-पाठ में खूब मन लगेगा। आपको किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अचानक लाभ दिलाने वाला रहेगा। जीवनसाथी से यदि आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी चल रही थी, वह भी दूर होगी और आप उन्हे कहीं घूमाने लेकर जा सकते हैं। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। किसी नए काम में आप अपने पिताजी की राय से आगे बढ़ें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य की ओर से आपको कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है, जिसके बाद आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, क्योंकि आपका बिजनेस भी पहले से बेहतर रहेगा। आपको अकस्मात धन लाभ मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन संतान की कोई पुरानी बीमारी उभर सकती है, जिस पर आपको लापरवाही बिल्कुल नहीं दिखानी है।

शब्दजाल - 8134

शब्दजाल में दस बेहतरीन फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	क्त	ल
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल

मदर इंडिया,दो बीघा जमीन, आवारा, प्यासा, वक्त, आलमआरा,मुगले आजम, देवदास, हम दिल दे चुके सनम, ब्लैक,

शब्दजाल - 8133 का हल

गं	रा	ब	द्री	ना	थ	य	ऋ	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	षि	ह	कां	गं
वि	स	की	वै	को	ह	रा	के	ल	ख	गो
के	स	स	क	ष्णो	वा	ज	ष	ह	श	त्री
दा	आ	र	ग	स	दे	ना	तू	रि	झ	प
र	ल	ला	र	दि	म	वी	ती	द्वा	घ	रिं
ना	व	का	शी	प	बा	ज	र	र	ना	थ
थ	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	सि	मी
ड	ल	अ	म	र	ना	थ	ग	शी	क	र
गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द	वि
वा	रा	ण	सी	क्षी	डि	त	ब	प	म	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7078

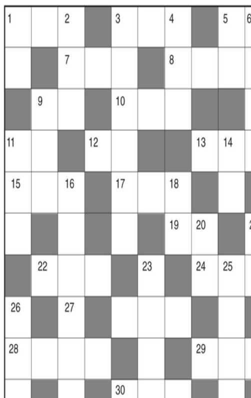

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7077

रा	हु	ल	■	ना	■	गै	ब	ल	र
जा	■	■	घा	य	ल	■	द	■	न
औ	ला	द	■	ब	गा	व	त	■	■
र	■	स	त्या	■	न	■	मी	ना	क्षी
रं	गी	ला	■	टी	■	अ	ज	य	■
क	■	ख	ल	ना	य	क	■	क	था
■	दो	■	की	■	■	ल	क्ष्य	■	ने
खू	ब	सू	र	त	■	मं	■	दा	दा
■	द	■	■	ला	■	द	स	■	र
डॉ	न	■	रो	श	नी	■	नी	तू	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8602

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज,पताका-2
4. वहम,संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली,रिक्त-2
9. रसूल,अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय,बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना,महीन करना-3
20. उष्ण,गर्म-3
22. उत्तम,विष्णु अवतार-3
24. परत,तह-2
26. खेती-2
27. अधर,होठ-2
28. ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर,अप्सरा-2
5. सूक्ति,वाणी,शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार,सितारा-2
10. रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11. शीतलता,मुठभेड़-2
13. सतरंगा,शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक,एकमात्र-3
15. हवस,कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर,विष-3
21. आनंदित,मनमौजी-2
22. मुनि,साधू-2
23. अच्छाई,सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा,कीट-2

शब्द पहेली -8601 का हल

■	जी	स	स	■	ग	ब	रु	■
न	भ	■	ज	■	र	■	त	ह
जा	■	■	ग	र	ज	ना	■	ल
रा	ह	त	■	स्म	■	म	ह	क
■	■	र	ज	■	रो	ची	■	■
ज	न	क	■	खा	■	न	स	ल
मी	■	श	ब	न	म	■	■	ह
न	म	■	हा	■	ज	■	जो	र
■	त	ल	ना	■	मा	लि	श	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.12 बजे से
चंद्र	सिंह में	कुंभ	08.59 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.32 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.02 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.42 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.40 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.54 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.10 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.22 बजे से
		तुला	00.33 बजे से
		वृश्चिक	02.47 ब.से
		धनु	05.03 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का आठवा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी अहोरात्र।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 12.25 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 17.26 बजे को समाप्त।
करण गर 18.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 16'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872583
जूलियन दिन 2461048.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: मां की ममता

महाभारत युद्ध के दौरान द्रोणाचार्य के पुत्र अश्वत्थामा ने एक रात चोरी-छिपे द्रौपदी के पांचों पुत्रों को मार दिया। सुबह उनके शव देखकर पांडव खेमे में हलचल मच गई। हर ओर रूदन व चीख-पुकार के स्वर गूंजने लगे। द्रौपदी तो अपने पांचों पुत्रों के शवों को देखकर विक्षिप्त सी हो गई। वह रह-रहकर अचेत हो जाती फिर जरा सा होश में आते ही जोर-जोर से विलाप करने लगती। उसके करुण क्रंदन से पूरे वातावरण में हाहाकार मच गया। पांडव यह देखकर हत्यारे की खोज में लग गए। कुछ ही देर में उन्हें पता चल गया कि पांडव पुत्रों का वध गुरु पुत्र अश्वत्थामा ने किया है। वे उसे पकड़ कर द्रौपदी के सामने ले आए। उस समय द्रौपदी जड़वत बैठी थी। पांडव द्रौपदी की दयनीय दशा देखकर बोले, 'पांचाली, लो इस पापी का सिर धड़ से अलग कर दो। अपराधी तुम्हारे सामने है।' सभी द्रौपदी की ओर देखने लगे। द्रौपदी ने यह सुनकर आंसुओं से भरा अपना चेहरा उठाया और एकटक अपराधी अश्वत्थामा को देखने लगी। उसकी आंखों से आंसुओं की धारा बह निकली। उसने कहा, 'अश्वत्थामा को छोड़ दो। इसे मारने पर आपके गुरु और गुरु पत्नी को तीव्र वेदना और पीड़ा होगी जैसी कि इस समय मुझे हो रही है। इसे मारने पर इसकी मां का हृदय छलनी हो जाएगा। इसकी जान लेने से मेरे बेटे तो मुझे वापस नहीं मिलेंगे किंतु एक मां की ममता का खून अवश्य हो जाएगा। मैं एक मां की गोद सूनी नहीं करूंगी।' द्रौपदी की यह बात सुनकर पांडव व वहां उपस्थित सभी लोग हैरान रह गए।

सूडोकु नवताल- 7387

★★★☆☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7386 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

धान खरीदी केन्द्रों में बारदानों की कमी से खरीदी हो रही प्रभावित

खरीदी केन्द्रों से धीमी गति से हो रहा धान का उठाव

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में बड़ी मात्रा में शासन के द्वारा समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है हजारो लाखो क्विंटल धान शासन के द्वारा प्रतिवर्ष खरीदा जाता है वहीं हमेशा से ही देखने में आता है कि खरीदी के अंतिम दिनों हमेशा से ही बारदानों की कमी देखी गई है जिसके चलते खरीदी प्रभावित होती है जिसका असर किसानों पर भी देखने को मिलता है। बात की जाये विभिन्न खरीदी केन्द्रो में दहेगांव सोसायटी की तो यहां विगत दो दिनों से बारदानों की कमी के चलते धान की खरीदी प्रभावित हो रही है पर्याप्त मात्रा में बारदानें उपलब्ध नही होने से खरीदी में धीमी गति देखी जा रही है। वहीं किसानों को लेकर बात की जाये तो जिन किसानों के द्वारा स्लॉट बुक किया गया है लेकिन बारदाने नही होने के चलते स्लॉट कैंसल किया जाता है तो दोबारा यदि स्लॉट बुक किया जाये तो शायद स्लॉट बुकिंग में परेशानी का सामना किसान साथी को करना पड़ सकता है। इन्ही समस्याओं को देखते हुये क्षेत्र के किसानों ने कलेक्टर बालाघाट से निवेदन किया है कि सभी सोसयटियों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने पंहुचायें जाये ताकि क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रभावित ना हो सके किसान साथी सुगमता के साथ अपना धान बिक्री कर सके।

कांग्रेस का संगठन सृजन गांव चलो-बूथ चलो अभियान अंतर्गत भानेगांव में हुई बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी के तत्वाधान में संगठन सृजन गांव चलो-बूथ चलो अभियान के अंतर्गत 7 जनवरी को ग्राम भानेगांव में बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक ग्राम भानेगांव में डॉक्टर रूपचंद रावते के निवास स्थान पर आहूत की गई, जिसकी अध्यक्षता लांजी-किरनापुर क्षेत्र के प्रभारी देवेंद्र ठाकुर ने की। बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष रेवाजी करहाटकरे, किरनापुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष यूसुफ पटेल, जनपद पंचायत लांजी की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अजय अवसरे, डॉक्टर रूपचंद रावते, ग्राम पंचायत भानेगांव के सरपंच राम ठाकरे, ग्राम पंचायत की महिला पंच पंकज कावरे सहित ग्राम भानेगांव एवं आस-पास के ग्रामों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, बूथ स्तर तक कांग्रेस को सक्रिय करने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित कांग्रेसजनों की सर्वसम्मति से ग्राम भानेगांव के लिए दुखित बेदरे को बूथ अध्यक्ष तथा श्रीमती पायल ठाकरे को महिला बूथ अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नव मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर ओंकार बाबा रहांगडाले, उपसरपंच सुरेश गज्जू बुराडे, बुधराम बुराडे, तेजलाल ठाकरे, गोवर्धन बेदरे, भुवनेश्वर रावते, भुवनेश्वर पिलारे, संतोष आवरे, दानी सहित अन्य सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में क्षेत्र प्रभारी देवेंद्र ठाकुर एवं ब्लॉक अध्यक्ष रेवाजी करहाटकरे ने संगठन सृजन अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने की अपील की।

एसडीएम ने ग्राम खैरी के आंगनवाड़ी एवं शालाओं का किया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वारासिवनी कार्तिकेय जायसवाल द्वारा 07 जनवरी को तहसील खैरलांजी अंतर्गत ग्राम खैरी के आंगनवाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम जायसवाल ने आंगनवाड़ी केंद्र एवं शालाओं में बच्चों को प्रदान किए जा रहे मध्यान्ह भोजन की जानकारी ली तथा

निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों का नियमित वजन लेने एवं कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए। प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री जायसवाल ने शिक्षकों की उपस्थिति, छात्रों के शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। उन्होंने सभी शिक्षकों को ई-अटेंडेंस शाला छोड़ने के समय भी अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि बच्चों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने के लिए शिक्षक पूरी निष्ठा एवं परिश्रम के साथ कार्य करें। इसके अलावा उन्होंने शाला परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश देते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर करने पर जोर दिया।

रबी सीजन में धान का रकबा कम किया जाऐ-कलेक्टर

कलेक्टर ने की कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 07 जनवरी को कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति के लिए तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिये गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ भी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि किसानों को उर्वरक सुगमता से उपलब?ध कराने के लिए आने वाले समय में ई-टोकन जारी किये जाएंगे, इसके लिए किसानों की फार्मर आईडी का होना अनिवार्य है। ई-टोकन ऑनलाईन जारी होंगे और इसी के आधार पर किसानों को उनकी समिति से उर्वरक का वितरण होगा। कलेक्टर श्री मीना ने इस व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ शीघ्रता से पूरी करने और किसानों को इस व्यवस्था से अवगत कराने के निर्देश दिये। चालू रबी सीजन में लगायी जाने वाली फसलों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि रबी सीजन में धान का रकबा कम किया जाए और किसानों को रबी सीजन में धान की बजाय कम पानी में पकने वाली अन्य फसले लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

पराली प्रबंधन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में कहीं पर भी पराली जलाने की घटना नही होना चाहिए। यदि कहीं पर भी पराली जलाने की घटना होती है तो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि वह दोषी ?यक्ति के विरूद्ध जुर्माने एवं एफआईआर की कार्यवाही कराए। सेटेलाईट से पराली जलाये जाने की घटना पर

निगरानी रखी जा रही है। लांजी क्षेत्र में पराली जलाने की घटना पर कार्यवाही नही किये जाने के लिए वहां के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी का 05 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही उपसंचालक कृषि को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में पराली प्रबंधन के लिए कृषि यंत्र सुपर सीडर, बेलर, हैप्पी सीडर एवं स्मार्ट सीडर के उपयोग को प्रोत्साहित करने कहा गया। इसके लिए जिले में अनुदान पर इन यंत्रों के वितरण का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने लक्ष्य के अनुरूप इन यंत्रों के प्रकरण तैयार नही करने और बैंको को प्रेषित नही किये जाने पर नाराजगी जाहिर की और कृषि अभियांत्रिकी के अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जे-फार्म एप्प पर अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन कराने के निर्देश दिये गए। इसके साथ ही जिले की सभी 10 प्रयोगशालाओं से लक्ष्य के अनुरूप मिट्टी परीक्षण कर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान करने के निर्देश दिये गए।

जिले के कृषि प्रक्षेत्र किन्हीं, पिपरझरी एवं गढ़ी में खरीफ सीजन में लगायी गई फसलों के उत्पादन की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिन प्रक्षेत्रों पर जिले के औसत उत्पादन से कम फसल का उत्पादन हुआ है वहां के प्रभारी का वेतन रोकने की कार्यवाही की जाए। कृषि प्रक्षेत्र की भूमि पर फेंसिंग कर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिये गए। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत प्रत्येक विकासखंड में व्यावसायिक स्तर पर जैविक उत्पादों के विक्रय के लिए एक-एक केंद्र खोलने कहा गया। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत जिले में चिन्नौर का रकबा बढ़ाने एवं चिन्नौर चावल के ब्रांडिंग करने के निर्देश दिये गए।

उद्यानिकी विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उद्यम योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं प्राकृतिक बागवानी विकास मिशन के कार्यों की विकासखंडवार समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि इन योजनाओं के लक्ष्य के अनुरूप प्रकरणों में शीघ्रता से ऋण वितरण किया जाए। अगले एक सप्ताह में इन सभी योजनाओं के लक्ष्य पूर्ण हो जाना चाहिए। जिले में मखाना की खेती की प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को प्रशिक्षण दिलाने एवं बीज की व्यवस्था शीघ्रता से करने के निर्देश दिये गए।

ग्रेसियस कॉलेज ऑफ नर्सिंग में जन जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। तहसील विधिक सेवा समिति के तत्वाधान में न्यायाधीश सुश्री नेहा बाथरी द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश की अध्यक्षता में ग्रेसियस कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल में साप्ताहिक जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में उपस्थित छात्र छात्राओं को बताया कि हमारे जीवन में शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण है। हम आजादी शिक्षा से ही प्राप्त कर सकते है शिक्षा व अधिकार का महत्वपूर्ण संबंध है। जब हमें ज्ञान होगा तब ही हम अपने अधिकारों के प्रति आवाज उठा सकते हैं और उसका लाभ प्राप्त कर सकते हैं। कहा कि शिविरों के माध्यम से युवाओं को कानून के प्रति साक्षर कर रहे हैं, जिससे कोई भी व्यक्ति अनभिज्ञता के कारण अपने अधिकारों से वंचित ना रह जाए। शिविरों के माध्यम से विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्येश्यों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। शिविर का प्रमुख उद्येश्य यही है कि कोई भी व्यक्ति जानाकारी के अभाव में अथवा अन्य किसी कारण से न्याय पाने से वंचित ना रह जाए। प्राधिकरण का कार्य लोक अदालतों का आयोजन कराना एवं पात्र व्यक्तियों को विधिक सहायजा उपलब्ध कराना मुख्य कार्य है। इसी क्रम में घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, मोटर दुर्घटना अधिनियम, साइबर क्राइम एवं मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों एवं लोक अदालत व नि:शुल्क अधिवक्ता योजना के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया गया।

भागरताबाई को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता तहसील के ग्राम पंचपेडी निवासी लखनलाल उइके की 16 सितम्बर 2024 को तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नि श्रीमति भागरताबाई को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर भागरताबाई के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

सुलसुली में कबड्डी लीग प्रतियोगिता आज से

पद्मेश न्यूज। लांजी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश के तत्वावधान में आज 8 जनवरी से 14 जनवरी तक 6 दिवसीय कबड्डी लीग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। कबड्डी लीग प्रतियोगिता प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक सम्पन्न होगी। उक्त प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि ओमप्रकाश दौने (सरपंच), जनपद सदस्य श्रीमती सरस्वती तुकाराम बारेकर, अनिल टेकाम पंच, चन्दनलाल सोनवाने, मोहनसिंह कोकोड़े, स्वयंसेवक सुशिल नारनौरे, व विशेष अतिथि दिलीप कोसरे, यशवंत जांगड़े, किशोर कोकोड़े, अशोक कोसरे, मनिराम रंधये, यादोराव रंधये, रमेश वल्के, अशोक कोहरे, अजय कुमरे, बलिराम घोरमारे, मनोहर आतराम, खेमराज आतराम खेमचन्द घरते, यशवंत रंधये, धनिराम, दिलीप घोरमारे के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10001/- रूपए, द्वितीय पुरस्कार 5001/- रूपए प्रदान किया जाएगा। क्षेत्र के सभी खेल प्रेमियों से प्रतियोगिता में शामिल होने की अपील की है।

धान खरीदी केन्द्रों में किसान के नाम पर किसी बिचोलिया की धान न खरीदे- कलेक्टर

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर कलेक्टर ने ली जिला उपार्जन समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 07 जनवरी को जिला उपार्जन समिति की बैठक लेकर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 20 जनवरी तक धान खरीदी सम्पन्न होने तक पूरी सतर्कता एवं पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले के किसी भी खरीदी केंद्र पर व्यापारी या बिचोलिया द्वारा किसान के नाम पर धान की खरीदी न होने पाए। इसके लिए सभी खरीदी केंद्रों एवं चेकपोस्टों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों से धान लेकर आने वाले वाहनों पर विशेष ध्यान रखा जाए तथा संदिग्ध मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर ने खरीदी केंद्रों पर बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा खरीदे गए धान का शीघ्र उठाव कर उसे सुरक्षित रूप से गोदामों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने तथा नियमित निरीक्षण कर व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया की रिपोर्ट में खुलासा...

मप्र में साफ पानी सिर्फ सरकारी फाइलों और भाषणों तक सीमित, मप्र में जहर बन गया पीने का पानी!

दुषित पानी : 5 साल में 18.93 लाख लोग बीमार : -इंदौर में मौतें अब तक 20, प्रशासन 6 बता रहा, मुआवजा 18 को दिया

भोपाल। मध्य प्रदेश में साफ पानी सिर्फ सरकारी फाइलों और भाषणों तक सीमित रह गया है। जमीनी हकीकत यह है कि राज्य में पीने का पानी ही लोगों की बीमारी और मौत की वजह बनता जा रहा है। मप्र राज्य जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्य योजना 2022-27 के आंकड़े एक भयावह तस्वीर पेश करते हैं। सरकारी दस्तावेजों के मुताबिक सिर्फ 5 साल (2016 से 2020) में राज्य के 10 जिलों में 18 लाख 93 हजार 673 लोग पानी से होने वाली बीमारियों से प्रभावित हुए। ये सभी बीमारियाँ ऐसी हैं, जिन्हें समय रहते रोका जा सकता था, अगर प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी निभाई होती।

उधर, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों की संख्या 18 से बढ़कर 20 हो गई है। सरकार ने हाईकोर्ट में पेश रिपोर्ट में सिर्फ चार मौतें होना माना है, जबकि 18 मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए की सहायता दी जा चुकी है। प्रशासन ने परिजन को मुआवजा देने के लिए बनाई गई सूची में बुधवार को दो नए नाम जोड़े हैं। इनमें रामकली जगदीश और श्रवण नत्यु खुपराव शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि दूषित पानी से भले ही 6 लोगों की मौत हुई है, लेकिन जहां भी मौत की सूचना मिल रही है, वहां क्रॉस चेक कर आर्थिक सहायता दी जा रही है। इधर, जिस जगह ड्रेनेज लाइन का काम हुआ था, वहां बुधवार को नर्मदा लाइन चालू होते ही पानी लीक होकर कॉलोनी में भरने लगा। दुकानों में पानी घुस गया। पानी लीक होने के चलते नर्मदा लाइन को दोबारा बंद कर दिया गया है।

2019 में हालात सबसे बदतर

आधिकारिक तालिका बताती है कि 2019 में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर रही। उस एक साल में ही भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, विदिशा जैसे जिलों में 5 लाख 11 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए। डायरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस और दूसरी जलजनित बीमारियाँ लगातार लोगों को अपनी चपेट में लेती रहीं, लेकिन सरकार की तरफ से कोई ठोस सुधार नजर नहीं आया। हालांकि तालिका में इंदौर का नाम शामिल नहीं है, लेकिन हेल्थ डेटा और हालिया घटनाएं साफ संकेत देती हैं कि इंदौर, भोपाल, उज्जैन और ग्वालियर जैसे शहरी इलाकों में पानी की गुणवत्ता पर प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है। इंदौर में बीते वर्षों में दूषित पानी से बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े, मौतें हुईं और अस्पतालों पर दबाव बढ़ा, लेकिन नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की जवाबदेही तय नहीं हुई।

कैग पहले ही कर चुका था बड़ा खुलासा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट नंबर 3/2019 सरकार की पोल पहले ही खोल चुकी है। इस रिपोर्ट के अनुसार इंदौर और भोपाल नगर निगमों ने 8.95 लाख परिवारों को दूषित पेयजल सप्लाई किया। वहीं पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट ने 2013 से 2018 के बीच 5.45 लाख पानी से होने वाली बीमारियों के मामले खुद दर्ज किए। यानि सरकार को सब कुछ पता था, फिर भी हालात नहीं सुधरे।

जांच हुई तो रिपोर्ट कहां है

जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया ने सीधे तौर पर सरकार से सवाल पूछा है कि क्या कैग और स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के बाद प्रभावित परिवारों की कोई जांच की गई? अगर की गई है, तो उसकी रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? और अगर नहीं की गई, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है?

साफ पानी नहीं तो बीमारी तय

जन स्वास्थ्य अभियान का साफ कहना है कि अगर अब भी कठोर फैसले नहीं लिए गए, तो हजारों लोगों की जान हर साल ऐसे ही खतरे में पड़ती रहेगी। साफ और सुरक्षित पीने का पानी कोई योजना या नारा नहीं, बल्कि हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है। अब सवाल यह नहीं है कि समस्या क्या है, सवाल यह है कि सरकार कब जागेगी और कब जिम्मेदारी तय होगी।

इंदौर दूषित पानी कांड पर सीएम डॉ. मोहन बोले

हर मौत पीड़ादायक, हम आंकड़ों में नहीं पड़ रहे

इंदौर में मौत के आंकड़ों और जिन्हें मुआवजा दिया गया है, उनकी संख्या में अंतर को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे लिए एक भी व्यक्ति की जान जाना कष्टदायक है। हम इसके आंकड़े में नहीं पड़ रहे हैं। ये अलग बात है कि प्रशासन की नजर में उनका अपना तरीका होता है। प्रशासन ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर मृतकों की संख्या तय की है, लेकिन यह फाइनल नहीं है। सीएम यादव ने बुधवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में कहा- नगर निगम के माध्यम से भी मृत्यु-पंजीयन होता है। जो भी संख्या सामने आएगी, राज्य सरकार संबंधितों के परिजन को राहत राशि देने का काम करेगी। सरकार हर पल प्रभावितों के साथ है।

भाजपा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण मध्य प्रदेश दिवालियापन की कगार पर पहुँच रहा – कमलनाथ

भोपाल। प्रदेश सरकार द्वारा बार-बार कर्ज लिए जाने पर कांग्रेस के वरिरूठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने तंज कसा है।

नाथ ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा है कि भाजपा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण मध्य प्रदेश दिवालियापन की कगार पर पहुँच रहा है। प्रदेश सरकार हर साल क़रीब 58 हज़ार करोड़ रुपया कर्ज़ या कर्ज़ के ब्याज के रूप में चुकाती है।

नाथ ने कहा कि यह स्थिति तब है जब मध्य प्रदेश के नागरिक डीज़ल और पेट्रोल पर सबसे ज़्यादा वेट चुकाते हैं। मकान की रजिस्ट्री पर सबसे ज़्यादा शुल्क चुकाते हैं। वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर सबसे ज़्यादा फ़ीस देते हैं। आबकारी विभाग को सबसे ज़्यादा टैक्स देते हैं। नेशनल हाईवे के अलावा राज्य सरकार की सड़कों पर चलने के लिए भी टोल टैक्स चुकाते हैं। जनता से जमकर टैक्स वसूलने के बावजूद सरकार की कोशिश होती है कि वह यह साबित करे कि जनकल्याण की योजनाओं पर ख़र्च के कारण सरकारी ख़ज़ाने पर बोझ पड़ रहा है।

लेकिन सच्चाई यह है कि भ्रष्टाचार और सरकारी धन की बंदरबांट के कारण मध्य प्रदेश पर आर्थिक संकट बढ़ता जा रहा है। इसके बावजूद अपने फिजूल के खर्चों में कटौती करने के बजाय भाजपा सरकार हर महीने क़रीब 5 हज़ार करोड़ रुपये का कर्ज़ लेती जा रही है।

यह रिपोर्ट स्पष्ट बताती है कि माइनिंग और त्रस्ज्ञ से राज्य सरकार को उतनी आमदनी नहीं हो रही है जितनी की होनी चाहिए। इसका सीधा मतलब है कि खनन क्षेत्र में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है और जो पैसा सरकारी ख़ज़ाने में जाना चाहिए वह भाजपा नेताओं और उनके कार्यकर्ताओं की जेब में जा रहा है। इसी तरह जीएसटी का कम का संकलन होना यह बताता है कि प्रदेश में उद्योग और व्यापार की प्रगति बहुत धीमी है।आर्थिक गतिविधि सुस्त पड़ गई है। आर्थिक गतिविधि का सुस्त पड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था ख़राब है और लाल फ़ीताशाही के कारण लोग उद्योग और व्यापार सही ढंग से संचालित नहीं कर पा रहे हैं। नाथ ने कहा है कि बेहतर होगा कि जनकल्याण की योजनाओं पर ठीकरा फोड़ने की जगह भाजपा सरकार भ्रष्टाचार पर नकेल कसे, परियोजनाओं का वास्तविक बजट बनाए, न कि भ्रष्टाचार के लिए ख़र्च बढ़ा दे।

परिवहन विभाग ने जारी किए नए नियम

- स्लीपर बसों की होगी जांच, 7 दिन में आरटीओ देगा रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्लीपर बसों में सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब स्लीपर बसों में ड्राइवर के केबिन में लगी पार्टिशन डोर हटाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही सभी स्लीपर बसों में एक माह के भीतर फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम लगाना भी जरूरी कर दिया गया है। परिवहन आयुक्त कार्यालय ने प्रदेश में संचालित सभी स्लीपर बसों की जांच के निर्देश दिए हैं। उप परिवहन आयुक्त (शिकायत) किरण कुमार शर्मा ने सभी आरटीओ को विशेष अभियान चलाकर बसों की सघन जांच करने को कहा है। सभी आरटीओ को एक सप्ताह के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मुख्यालय भेजनी होगी, ताकि नियमों के पालन की समीक्षा की जा सके। नए निर्देशों के तहत स्लीपर बर्थ में लगे स्लाइडर तत्काल हटाए जाएंगे। प्रत्येक बस में कम से कम 10 किलो क्षमता का फायर एक्सटिंगिवीशर रखना अनिवार्य होगा, जबकि चेसिस में एक्सटेंशन कर बनाई गई बस बॉडी को तुरंत संचालन से बाहर किया जाएगा। इसके अलावा पंजीयन के समय बस का पूरा लेआउट ड्राइंग देना भी अब अनिवार्य कर दिया गया है। परिवहन विभाग का कहना है कि इन नियमों से स्लीपर बसों में यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया जाएगा।

बगैर वैध दस्तावेज के शासकीय कार्यालयों में नहीं चल सकेंगे वाहन

दुर्घटना में क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने सरकार का बड़ा फैसला, बीमा, फिटनेस व परमिट अनिवार्य

भोपाल। अब बगैर वैध दस्तावेजों के किसी भी वाहन को शासकीय कार्यालयों में उपयोग में नहीं लिया जाएगा। इस संबंध में परिवहन विभाग ने शासकीय विभागों, निगमों एवं निकायों द्वारा विभिन्न प्रयोजनों के लिए अनुबंधित किए जाने वाले वाहनों के संबंध में नवीन निर्देश जारी किए हैं।

शासकीय विभागों द्वारा सीधे अथवा निजी एजेंसियों के माध्यम से उपयोग में लाए जाने वाले मालवाहक एवं यात्री वाहनों के सभी वैधानिक दस्तावेज अनुबंध से पूर्व और वाहन उपयोग की संपूर्ण अवधि के दौरान वैध होना अनिवार्य होगा। साथ ही, विभागों को भुगतान से पहले भी इन दस्तावेजों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

परिवहन विभाग ने यह भी निर्देश दिए है कि खनिज अथवा अन्य सामग्री के परिवहन के लिए जारी की जाने वाली अनुमति संबंधित वाहन की निर्धारित क्षमता से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुबंधित वाहनों द्वारा नियमानुसार मोटरयान कर का भुगतान किया गया होना चाहिए।

ई-मेल से भीप्राप्त कर सकते हैं मार्गदर्शन

सभी विभागों, निगमों एवं निकायों को यह सुविधा प्रदान की गई है कि वे अपने यहां अनुबंधित अथवा एजेंसियों द्वारा उपयोग में लाए जा रहे वाहनों के संबंध में परिवहन आयुक्त कार्यालय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ई-मेल आईडी पर पत्र प्रेषित किया जा सकता है।

नर्सिंग कॉलेजों में महिलाओं को नहीं मिलेगा 100 प्रतिशत आरक्षण

286 पदों के लिए दोबारा बुलाने होंगे आवेदन; पुरुष कैंडिडेट 13 तक कर सकेंगे एप्लाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और ट्यूटर के कुल 286 पदों पर अब महिला उम्मीदवारों को 100 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिलेगा। एमपी हाईकोर्ट ने पुरुष उम्मीदवारों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई की। कोर्ट ने ईसीबी (कर्मचारी चयन मंडल) को भर्ती के लिए संशोधित विज्ञापन जारी करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस विशाल धगट की कोर्ट में ईसीबी की ओर से बताया गया कि विज्ञापन मंगलवार (6 जनवरी) रात को ही संशोधित कर दिया गया है। अब महिलाओं के साथ-साथ पुरुष उम्मीदवारों को भी आवेदन करने का मौका मिलेगा। पुरुष उम्मीदवार 13 जनवरी तक फॉर्म जमा कर सकते हैं।

16 दिसंबर को जारी भर्ती विज्ञापन में प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में 286 अकादमिक पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से 40 एसोसिएट प्रोफेसर, 28 असिस्टेंट प्रोफेसर और 218 सिस्टर ट्यूटर की भर्ती में सभी पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए थे। ऐसे में जबलपुर निवासी नौशाद अली एवं अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल ने याचिका दाखिल कर कोर्ट को बताया था कि प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में इन भर्तियों में पुरुष उम्मीदवारों को पूरी तरह बाहर कर दिया था। जबकि भर्ती नियम तथा अपेक्स काउंसिल आईएनसी के सभी मापदंड लिंग भेद की अनुमति नहीं देते हैं। इस सबके बावजूद लोक स्वास्थ्य कल्याण विभाग द्वारा की जा रही भर्ती में संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और भर्ती के नियमों की अनदेखी की जा रही थी। याचिका में आरोप लगाया था कि सरकार की ये भर्ती प्रक्रिया में सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी मामले के 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा का उल्लंघन किया है। संविधान के अनुच्छेद 16(2) के तहत यह प्रत्यक्ष रूप से लिंग भेदभाव है। इस मामले पर 29 दिसंबर को हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब तलब किया था। मंगलवार को भी प्रिंसिपल बेंच में सुनवाई हुई, जिसमें सरकार ने मौखिक रूप से कहा कि अब भर्ती प्रक्रिया में पुरुष उम्मीदवारों को भी शामिल किया जाएगा।

68 पदों पर भर्ती में पुरुषों को अपात्र करार दिया

गौरतलब है कि मामला सामने आने के बाद सरकार ने ट्यूटर के 218 विज्ञापित पदों को भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया था, लेकिन असिस्टेंट प्रोफेसर तथा एसोसिएट प्रोफेसर के कुल 68 पदों पर भर्ती में पुरुषों को अपात्र करार देते हुए भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही थी। 6 जनवरी को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान मंडल ने याचिकाकर्ताओं की मांगों को मानते हुए पुरुष उम्मीदवारों को भी शामिल करने के लिए मौखिक सहमति व्यक्त की है। अब कल होने वाली सुनवाई में पुरुषों की उम्मीदवारी और पात्रता पर अंतिम निर्णय हो सकेगा।

एनजीटी ने वायु प्रदूषण को लेकर मांगी रिपोर्ट

भोपाल-इंदौर समेत 8 शहरों में प्रदूषण, वायु गुणवत्ता मानकों से ज्यादा; भोपाल में एक्यूआई बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में

भोपाल। प्रदेश की राजधनी भोपाल और इंदौर सहित आठ जिलों में बायु प्रदूषण को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सेंट्रल जोन की भोपाल बैंच ने चिंता जताई है। एनजीटी ने इसे लेकर सरकार से 8 सप्ताह के अंदर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। एनजीटी ने माना कि भोपाल में वायु गुणवत्ता तय मानकों से बहुत ज्यादा नीचे है। एक्यूआई बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। यह गंभीर पर्यावरणीय एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए संकट है।

एनजीटी ने बुधवार को अपने आदेश में कहा है कि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, देवास, सागर और सिंगरौली को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने नॉन-अटेनमेंट सिटी' घोषित किया है, क्योंकि इन शहरों में पिछले पांच वर्ष से अधिक समय से पीएम10 और पीएम2.5 के स्तर राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों से लगातार अधिक बने हुए हैं।

भोपाल में पीएम 10 का वार्षिक औसत स्तर 130 से 190 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम2.5 का स्तर 80 से 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पाया गया है, जो निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक है।

भोपाल झीलों की नगरी, लेकिन बहुत खराब से गंभीर श्रेणी के एक्यूआई का सामना कर रहा

एनजीटी ने आदेश में यह भी कहा कि भोपाल जिसे झीलों की नगरी कहा जाता है, अब शीतकाल में लगातार धुंध, कम दृश्यता और बहुत खराब से गंभीर श्रेणी के एक्यूआई का सामना कर रहा है। रियल-टाइम आंकड़ों के अनुसार कई रात में एक्यूआई 300 से ऊपर दर्ज किया गया। आदेश में यह स्पष्ट किया गया कि यह प्रदूषण किसी एक कारण से नहीं, बल्कि पराली जलाने, निर्माण एवं विध्वंस कार्यों से उड़ती धूल, वाहनों के उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाने, लैंडफिल आग, पटाखों के उपयोग और औद्योगिक गतिविधियों के संयुक्त प्रभाव से उत्पन्न हो रहा है।

प्रदेश प्रभावी तंत्र स्थापित नहीं

एनजीटी ने यह भी कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर के लिए अपनाए गए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान और एयर-शेड आधारित नीति के बावजूद मध्यप्रदेश में अब तक ऐसा कोई प्रभावी राज्यस्तरीय तंत्र लागू नहीं किया है। जिससे वायु प्रदूषण की समस्या और अधिक गंभीर होती जा रही है।

समिति का किया गठन

एनजीटी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार एवं संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया है। साथ ही एक ज्वाइंट कमेटी का गठन किया। इसमें पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव, इप्को के प्रतिनिधि, नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य, सीपीसीबी के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ. रविप्रकाश मिश्रा आदि शामिल किए गए हैं।

समिति को 6 सप्ताह के भीतर स्थिति का आंकलन कर तथ्यात्मक एवं की गई कार्रवाई पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी।

मध्यप्रदेश शासन ने किए उप पुलिस अधीक्षक संवर्ग के तबादले

सुश्री वैशाली कराहरिया नगर पुलिस अधीक्षक, बालाघाट से भोपाल स्थानांतरण

भोपाल । राज्य शासन ने तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक 64 पुलिस अधिकारियों की पदस्थापना की है यह सभी पुलिस अधिकारी उप पुलिस अधीक्षक हैं जिनका विवरण इस प्रकार है -

श्री मानसिंह टेकाम निरी-13 एसडीओपी गुनौर जिला पन्ना से उप पुलिस अधीक्षक पु0मु0 भोपाल, दयाराम माले निरी. 13 उप पुलिस अधीक्षक, पीटीआरई पु0मु0 भोपाल से उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय उज्जैन, रामबाबू पाठक, निरी-15 4 सहायक सेनानी 24 वीं वाहिनी विसबल, जावरा रतलाम सहायक सेनानी 25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल, मनोज खत्री, र0नि0-15 5 एसीपी यातायात जोन-2 नगरीय इंदौर उप पुलिस अधीक्षक पीटीआरआई, पु0मु0 भोपाल, सुभाष सिंह निरी-रेडियो-15 उप पुलिस अधीक्षक, रेडियो, मुख्यालय, भोपाल उप पुलिस अधीक्षक, सायबर, मुख्यालय, भोपाल, दिलीप चन्द्र छारी निरी विसबल-15 7 सहायक सेनानी 14वीं वाहिनी विसबल, ग्वालियर सहायक सेनानी 7वीं वाहिनी विसबल, भोपाल 6 , इंद्रजीत सिंह चावडा, निरी विसबल-15 सहायक सेनानी 25वीं वाहिनी विसबल, भोपाल उप पुलिस अधीक्षक, एटीएस मुख्यालय, भोपाल 8, संजय पोतदार निरी विसबल-15 न्यायालय सुरक्षा, ग्वालियर सहायक सेनानी मान0 उच्च 9 सहायक सेनानी 17वीं वाहिनी विसबल, भिण्ड, श्रीमती उमाकांती आर्मो, निरी-15 उप पुलिस अधीक्षक, उमनि कार्यालय जबलपुर रेंज उप पुलिस अधीक्षक, सायबर मुख्यालय, भोपाल, 10 श्री देवी सिंह ठाकुर, निरी-15 एसडीओपी, तेदूखेडा जिला दमोह एसडीओपी, सिरमोर, रीवा, 11 प्रवीण अष्ठाना निरी-15 एसडीओपी बडौदा, श्योपुर एसडीओपी खुरई जिला सागर, 12 राजेश सुलिया निरी-15 उप पुलिस अधीक्षक (एलआर) नगरीय इंदौर एसडीओपी थांदला, झाबुआ , श्रीमती सोनाली गुप्ता डीडी-17 उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल एसडीओपी बेगमगंज जिला रायसेन, नीरज नामदेव, डीडी-17 एसडीओपी थांदला, झाबुआ उप पुलिस अधीक्षक, म0प्र0 पुलिस अकादमी, भौरी, भोपाल, शैलेन्द्र शर्मा, डीडी-17 एसडीओपी चंदेरी, अशोक नगर एसडीओपी घाटीगाँव ग्वालियर, पुन्नू सिंह परस्ते डीडी-17 एसडीओपी बेढन विंध्यनगर जिला सिंगरौली एसडीओपी उमरिया, आशुतोष द्विवेदी डीडी-17 एसडीओपी चुरहट, सीधी उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल, देवेन्द्र सिंह धुर्वे, डीडी-17 एसीपी अपराध नगरीय इंदौर एसडीओपी सांवेर ग्रामीण इंदौर, श्रीमती पूर्ति तिवारी डीडी-17 उप पुलिस अधीक्षक, पीटीसी, इंदौर एसीपी न्यायालयीन-1 नगरीय इंदौर, आकाश अमलकर डीडी-18 एसडीओपी आष्टा, जिला सीहोर, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल श्रीमती अंतिमा समाधिया, डीडी-18 उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल उप पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण जिला भोपाल, शेखर दुबे डीडी-18 एसडीओपी, घाटीगांव जिला ग्वालियर पुलिस मुख्यालय, भोपाल, पराग सैनी, डीडी-18 एसीपी आसूचना नगरीय इंदौर एसोपी विजयनगर नगरीय इंदौर, उमेश प्रजापति, डीडी-18 एसडीओपी, सिरमौर जिला रीवा एसडीओपी चुरहट, सीधी, श्रीमती अर्चना अहीर, डीडी-18 उप पुलिस अधीक्षक, अजाक मण्डला एसडीओपी, तेंदूखेड़ा जिला दमोह, श्रीमती अंजली रघुवंशी, डीडी-18 एसीपी एसीपी, श्रीमती आकांक्षा परस्ते, डीडी-18 चुना भटटी नगरीय भोपाल कुसमी जिला सीधी एसडीओपी महिला अपराध नगरीय भोपाल, मयंक तिवारी, डीडी-18 एसडीओपी शाहपुर जिला बैतूल नगर पुलिस अधीक्षक, बालाघाट, प्रशांत भदौरिया, डीडी-18 एसडीओपी सांवेर, जिला इंदौर सहायक सेनानी, 17वीं वाहिनी विसबल भिण्ड, श्रीमती निलेश्वरी डाबर, डीडी-18 उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल उप पुलिस अधीक्षक, अजाक, बड़वानी, सचिन परते डीडी-18 एसडीओपी खुरई जिला सागर एसडीओपी जिला सिवनी, सुश्री वैशाली कराहरिया डीडी-19 नगर पुलिस अधीक्षक, बालाघाट एसडीओपी बैरसिया जिला भोपाल, राजेश तिवारी, निरी-21 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल कार्यवाहक एसडीओपी शाहपुर जिला बैतूल,दिलीप सिंह चौधरी, निरी-21 34वीं वाहिनी, विसाबल, धार कार्यवाहक सहायक सेनानी, कार्यवाहक एसीपी, आसूचना नगरीय इंदौर, विजय गोठरिया, निरी-21 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, राऔसुब, रीवा कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, रेल जबलपुर, श्रीमती संगीता जोशी, निरी-21 ठाकुर कार्यबाहक उप पुलिस अधीक्षक, रेडियो मुख्यालय भोपाल कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक पुमनि कार्यालय ग्रामीण इंदौर , ललित सिंह डागुर निरी-21 कार्यवाहक सहायक सेनानी, 29वीं वाहिनी विसबल दतिया कार्यवाहक एसडीओपी, गाडरवाड़ा जिला नरसिंहपुर ,चन्द्रभान सिंह चढार, निरी-23 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ग्वालियर कार्यवाहक एसीपी संपत्ति व आर्थिक अपराध नगरीय भोपाल, विनोद सोनी, निरी-23 कार्यावाहक उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय भोपाल कार्यवाहक सहायक सेनानी, प्रथम वाहिनी, विसबल, इंदौर,नागेंद्र प्रताप सिंह, निरी-23 कार्यवाहक एसडीओपी उमरिया कार्यवाहक एसडीओपी, बैढन विध्यनगर जिला सिंगरौली, अजय कुमार सनकत, निरी-23 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा सागर एसडीओपी बीना जिला सागर, रत्नेश मिश्रा, निरी-23 कार्यवाहक एसडीओपी गाडरवाड़ा, जिला नरसिंहपुर उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कटनी, हिमांशु चौबे, निरी-23 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, पीटीएस उमरिया कार्यवाहक सहायक सेनानी, 10वीं वाहिनी विसबल सागर, अनिल कुमार वर्मा, निरी-23 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, पीटीसी इंदौर कार्यवाहक एसीपी अपराध नगरीय भोपाल , राजेन्द्र मोहन दुबे, निरी 23 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक अजाक जिला पन्ना कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय जिला शहडोल ,आलोक श्रीवास्तव, निरी-23 कार्यवाहक एसडीओपी, बेगमगंज जिला रायसेन कार्यवाहक एसीपी चूना भटटी नगरीय भोपाल , संतोष तिवारी, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक एसटीएफ जबलपुर कार्यवाहक एसडीओपी कुसमी जिला सीधी , श्रीमती नीता चौबे, निरी-24 कार्यवाहक एलीपी अजाक व महिला अपराध नगरीय भोपाल कार्यवाहक एसीपी मुख्यालय व प्रशिक्षण नगरीय भोपाल, भुवानीराम वर्मा, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, अअवि पु0मु0 भोपाल कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, उमनि रेंज कार्यालय रतलाम ,प्रीतम सिंह ठाकुर, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा बुरहानपुर कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, ईओडब्ल्यू भोपाल, अवनीत शर्मा, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, अजाक, शिवपुरी कार्यवाहक एसडीओपी बडौदा, श्योपुर, धीरेन्द्र पाल सिंह चौहान, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, अजाक उज्जैन कार्यवाहक एसडीओपी, गुनौर, जिला पन्ना, महेश कुमार शर्मा, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, अजाक मुरैना कार्यवाहक, एसडीओपी, चंदेरी, अशोकनगर,श्रीमती प्रीति जैन (तिवारी) निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, नारकोटिक्स इंदौर कार्यवाहक एसीपी सुरक्षा, नगरीय इंदौर, विजय तिवारी, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, अअवि, पु0मु0 भोपाल कार्यवाहक एसीपी, मानव बध नगरीय इंदौर, गिरीश कुमार जैजुरकर, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा जिला झाबुआ कार्यवाहक एसीपी अजाक नगरीय इंदौर , दामोदर गुप्ता, निरी-24 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, ईओडब्ल्यू, भोपाल कार्यवाहक एसडीओपी, आष्टा जिला सीहोर 58 श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, निरी-25 कार्यवाहक सहायक सेनानी, 10वीं वाहिनी, विसबल, सागर कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, म0प्र0 पुलिस अकादमी भौरी,उमेश कुमार तिवारी, निरी-25 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, अजाक, बुरहानपुर कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, अजाक नरसिंहपुर, श्रीमती उषा राय, निरी-25 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा जिला कटनी कार्यवाहक सहायक सेनानी, 8वीं वाहिनी विसबल, छिदवाड़ा, रामस्नेह चौहान, निरी-25 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, रेल, ग्वालियर कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, रेल भोपाल, लाल बहादुर बौद्ध, रनि-25 कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक, पीटीसी, इंदौर कार्यवाहक एसीपी, यातायात, जोन-4 नगरीय इंदौर, बृजेश कुमार मालवीय निरी-25 कार्यवाहक पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक खरगोन एसडीओपी मनावर जिला धार, नीतेश पटेल डीडी-17 एसडीओपी बीना जिला सागर पुलिस मुख्यालय, भोपाल स्थानांतिरत किया गया।

सिडनी टेस्ट में बेथेल की शतकीय पारी के बाद भी इंग्लैंड पर हार का खतरा बरकरार

सिडनी। एशेज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शिकंजा कस दिया है। ऐसे में अंतिम दिन इंग्लैंड की हार तय नजर आती है। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी में भी मेजबान कंगारु गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 302 रनों पर ही उसने अपने 8 विकेट खो दिये हैं। केवल जैकेब बेथेल ने ही शानदार शतक लगाकर अपनी टीम की हार टाली। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय बेथेल 142 रनों पर खेल रहे थे जबकि मैथ्यू पॉट्स अपना खाता नहीं खोल पाये थे।

इंग्लैंड की अब तक इस मैच में बढ़त केवल 119 रनों की है। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 567 रनों पर आउट हुई। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 167 रन की बढ़त मिली। वहीं इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। अब देखना होगा कि अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज कितने रन बना पाते हैं। चौथे दिन का आकर्षण बेथेल की बल्लेबाजी रही। अब देखना होगा कि वह अंतिम दिन कितने रन बनाते हैं। बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जा रही सिडनी की पिच पर दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। केवल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे बेथेल ही मैदान पर टिक पाये। इस बल्लेबाज ने 232 गेंद पर 15 चौकों की मदद से नाबाद 142 रन बनाए हैं। उनकी बेन डकेट 42 के साथ दूसरे विकेट के लिए 81, हैरी ब्रूक 46 के साथ 102, और जेमी स्मिथ 26 के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 45 रन की साझेदारी की। वहीं अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते गये।

बेथेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एशेज में 2001 के बाद शतक लगाने वाले इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जोनाथन ट्रॉट के अलावा माइकल वॉन और मार्क बुचर के नाम है।

अनाहत ब्रिटिश जूनियर स्क्वैश ओपन के फाइनल में हारी

बर्मिंघम। भारत की अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वैश के महिला अंडर-19 फाइनल के खिताबी मुकाबले में हार गयी हैं। अनाहत को फाइनल में फ्रांस की दूसरी वरीयता प्राप्त लॉरेन बाल्टायन ने 9-11, 11-7, 3-11, 9-11 से हराया। अनाहत ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका एल कराक्सी को 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से हराया था पर वह खिताबी मुकाबले में दबाव में आ गयीं।

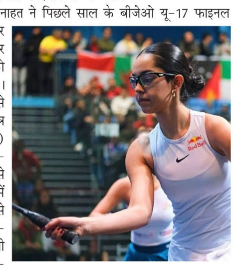

गौरतलब है कि अनाहत ने पिछले साल के बीजेओ यू-17 फाइनल और विश्व जूनियर चैंपियनशिप क्वार्टर फाइनल में मलिका को हराया था। सेमीफाइनल मुकाबले से पहले, अनाहत ने मिस्र की बार्ब समेह (5/8) को 11-4, 10-12, 11-9, 11-3 के स्कोर से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया था। इससे पहले, उन्होंने लास्ट-16 में मलक एल माराघी (मिस्र, 9/16) को 11-3, 11-3, 11-6 से और पहले राउंड में बाई मिलने के बाद दूसरे राउंड में हांगकांग की विंग काई ग्लेडिस हो को 11-1, 11-3, 11-3 से पराजित किया था।

अनाहत के लिए साल 2025 काफी सफल रहा था। वह पेशेवर स्क्वैश एसोसिएशन टूर के अपने दूसरे ही सत्र में विश्व रैंकिंग में 28 वें स्थान पर पहुंचीं। अनाहत ने इससे पहले इंडियन स्क्वैश अकादमी में एचसीएल स्क्वैश इंडियन टूर 4 के फाइनल में विश्व की पूर्व नंबर 10 खिलाड़ी रही जोशना चिनप्पा को 11-8, 11-13, 11-13, 11-6, 11-8 से हराया था।

स्टोक्स ने बनाया रिकार्ड, विलिस की बराबरी पर आये

सिडनी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन दो विकेट लेने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही स्टोक्स सबसे अधिक विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान बॉब विलिस ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर उनके 77 विकेट हो गये हैं। वहीं विलिस ने भी कप्तान रहते इतने ही विकेट लिए थे। ऐसे में इंग्लैंड के लिए कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टोक्स और विलिस संयुक्त रूप से पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं, जबकि तीसरे स्थान पर रे इलिंगवर्थ हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 51 विकेट लिए थे। वहीं चौथे खिलाड़ी गबी एलेन का है, जिन्होंने 42 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें नंबर पर जॉनी डगलस ने 37 विकेट जबकि इयान बॉथम ने कप्तान रहते 35 विकेट लिए थे।

ऋषभ और अय्यर विजय हजार ट्रॉफी के अंतिम लीग मैच में भी खेलेंगे

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए देर से टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली । आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर 08 जनवरी को होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के मैचों में भाग लेंगे। इस कारण ये दोनो ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए देर से जुड़ेंगे। ऋषभ गुरुवार 8 जनवरी को हरियाणा से होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के अंतिम लीग मैच में दिल्ली की कप्तानी करेंगे। इस कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए देर से जुड़ेंगे। अलूर में बीती दिवस हुए मैच में दिल्ली ने रेलवे को एलीट ग्रुप डी के मैच में छह विकेट से हराकर पहले ही क्वार्टर फाइनल में अपने जगह पक्की कर ली है। 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए खिलाड़ी मुंगलवार को ही बड़ौदा में टीम से जुड़ गये। वहीं ऋषभ विजय हजारे ट्रॉफी का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद ही टीम से जुड़ेंगे। वहीं विराट कोहली भी दिल्ली की टीम में शामिल थे पर उन्होंने दो मैच ही खेले।

वहीं चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से बाहर चल रहे ऋषभ इसलिए विजय हजारे ट्रॉफी खेल रहे हैं ताकि न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी लय हासिल कर लें। उन्होंने तब तक इस टूर्नामेंट के छह मैच में 42.4 की औसत और 112.76 की स्ट्राइक रेट से 212 रन बनाए हैं। दिल्ली की टीम अभी ग्रुप डी में पांच जीत के साथ 20 अंकों के साथ शीर्ष पर है। दिल्ली ने अब तक छह मैच खेले हैं और उसे केवल एक हार ओडिशा के खिलाफ मिली थी। उनके अलावा बल्लेबाज श्रेयस भी देर से टीम से जुड़ेंगे। इसका है कि वह भी विजय हजारे ट्रॉफी खेल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने मंगलवार को मुम्बई की कप्तानी करते हुए उसे हिमाचल प्रदेश के खिलाफ जीत दिलायी थी। अब वह आठ जनवरी को पंजाब के खिलाफ होने वाले अपने आखिरी लीग मैच में भी खेलने जा रहे हैं जिससे उनकी फिटनेस की एक और बार जांच हो जाये। श्रेयस अको ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में चोट लगी थी जिससे कारण वह लंबे समय से टीम से बाहर रहे थे।

सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर रन बनाने पर ध्यान दें - पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने अगले माह शुरु होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को जरुरी सलाह दी है। पोटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर अपना स्वाभाविक खेल खेलें। सूर्या पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम जीतती रही है पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे वह दबाव में हैं। इसी को देखते हुए पोंटिंग ने कहा कि वह विकेट का डर छोड़कर खेलें। रन अपने आप आयेंगे। सूर्यकुमार दो साल पहले तक टी20 में नंबर एक स्थान पर थे पर पिछले कुछ समय में उनकी रैंकिंग भी नीचे आयी है। पिछले साल वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये हैं। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। जिसको देखते हुए फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले टीम प्रबंघन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं।

पोंटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार का पिछले कुछ समय से लय में नहीं होना परेशान करने वाली बात है। वह लंबे समय से भारतीय टीम के टी20 में महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'सूर्यकुमार छह, आठ या दस गेंद खेलने के बाद ही अपना सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हैं। वह अपने पर भरोसा रखते हैं और अपने शॉट्स खेलने पर ध्यान देते हैं।' पोंटिंग ने कहा कि वह सूर्यकुमार को यही सलाह देंगे, 'रन बनाने पर ध्यान दो, आउट होने के बारे में मत सोचो। अपने पर भरोसा रखो, टी20 में तुम किसी से कम नहीं हो. एक बार फिर सबको यह साबित कर दो।'वहीं पोंटिंग ने शुभमन गिल को टीम से बाहर किए जाने पर भी हैरानी जताई और साथ ही कहा कि उनके जैसे बल्लेबाज को बाहर बिठाना ये दिखाता है कि भारतीय टीम के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है।

पड्डीकल ने विजय हजारे ट्रॉफी में रनों का रिकार्ड बनाया

नई दिल्ली। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पड्डीकल ने घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी में इस बार जमकर रन बनाये हैं। पड्डीकल ने टूर्नामेंट के छह मैचों में चार शतक लगाये हैं। गत दिवस उन्होंने गुजरात के खिलाफ 91 रन बनाये थे और वह केवल 9 रनों की कमी से पांचवां शतक पूरा नहीं कर पाये। वह इस टूर्नामेंट में 3 बार 600 से ज्यादा रन बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी बने हैं।

पड्डीकल के नाम अब 6 मैचों में 605 रन हो गये हैं। उन्होंने अपने करियर में तीसरी बार इस टूर्नामेंट में 600 रन से अधिक बनाये हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में इतने रन बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। इससे पहले रुतुराज गायकवाड़ के नाम इस टूर्नामेंट में दो बार 600 रनों से अधिक का रिकार्ड था। पड्डीकल ने साल 2019-20 की विजय हजारे ट्रॉफी में 600 रन बनाये थे। इसके बाद साल 2020-21 के टूर्नामेंट में उन्होंने 737 रन बनाये थे। ये विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में किसी एक सीजन में बनाये तीसरे सबसे ज्यादा रन है। किसी एक सत्र में सबसे अधिक रन अभी तक नारायण जगदीशन और पृथ्वी शॉ के नाम दर्ज हैं इन दोनो ने ही 820 से अधिक रन बनाए हैं।

भारतीय टीम को भविष्य में हराना काफी कठिन रहेगा - गार्डनर

मुंबई। 9 जनवरी से शुरु हो रही महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट के लिए भारत आयी ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर के अनुसार जिस प्रकार से हाल में भारतीय टीम ने खेला है उससे वह पहले से काफी बेहतर हो गयी है। एकदिवसीय विश्वकप में टीम की जीत से भी ये साबित हुआ है। ऐसे में आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट में उसे हराना काफी कठिन रहेगा। गार्डनर ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन भी लगाकर अच्छा होता जा रहा है।

गार्डनर प्रीमियर लीग के लिए गुजरात टाइटंस टीम में शामिल हैं। इस खिलाड़ी के अनुसार भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होने के कारण में इससे दबाव में हूं पर जिस प्रकार से यहां महिला लीग शुरु होने के बाद खेल का तेजी से विकास हुआ है वह सुखद है। गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया टीम अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है पर ये स्थान वह अधिक समय तक बरकरार नहीं रख पायेगी। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत को तय करते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जाएंगे। भारत से सेमीफाइनल में मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी काफी अच्छी है। महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में गार्डनर के अलावा बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे अन्य विदेशी खिलाड़ी खेल रही हैं। गार्डनर ने कहा कि इसमें भाग ले रही विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक दबाव रहना स्वाभाविक है।

5 मार्च को सानिया चंडोक के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन तेंदुलकर

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी तय हो गयी है। अर्जुन अपनी मंगेतर सानिया चंडोक के साथ शादी करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार शादी समारोह मार्च 2026 में होगा। रिपोर्ट के अनुसर अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च 2026 को होगी, जबकि शादी से जुड़े कार्यक्रम 3 मार्च से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, यह भव्य आयोजन होने के बावजूद पूरी तरह निजी रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी मुंबई में होगी और इसमें केवल परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के कुछ लोग ही शामिल रहेंगे। अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में हुई थी। इस खास अवसर पर केवल दोनों परिवारों के बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। अर्जुन की सगाई की पुष्टि खुद सचिन तेंदुलकर ने एक कार्यक्रम में की थी।

अर्जुन की होने वाली दुल्हन सानिया एक सफल उद्यमी हैं और एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से संबंध रखती हैं। वह मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन ने घरेलू क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद वह गोवा की ओर से एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खेलते हैं। अर्जुन, को हाल ही में आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीद लिया है।

न्यूजीलैंड ने टी-20 विश्वकप के लिए सैंटनर की कप्तानी में घोषित की टीम

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने अगले माह सात फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम घोषित कर दी है। टीम की कप्तानी मिचेल सैंटनर करेंगे। टीम में नये खिलाड़ी के तौर पर युवा जैकब डफी को शामिल किया गया है। टीम में बाकि सभी अनुभवी खिलाड़ी हैं जिसमें लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी और एडम मिल्ने जैसे तेज गेंदबाजो के अलावा ऑलराउंडर के तौर पर जिमी नीशम शामिल हैं। टीम में दो भारतीय मूल के खिलाड़ी ईश सोढ़ी और रचिन रविन्द्र भी शामिल हैं।

कप्तान मिचेल सेंटनर के अलावा टीम में चार अन्य स्पिनर भी हैं। स्पिनर ईश सोढ़ी को भी टीम में जगह मिली है। ऑलराउंडर माइकल ब्रैसवेल, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र भी टीम में शामिल हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो टीम के पासा फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, डेरिल मिचेल और विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट हैं।

टीम इस प्रकार है - मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डैरिल मिचेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट और ईश सोढ़ी

काइल जैमीसन को तेज गेंदबाजी रिजर्व बनाया गया है।

न्यूजीलैंड का टी-20 विश्व कप कार्यक्रम

पहला अभ्यास अभ्यास मैच अमेरिका से 6 फरवरी, नवी मुम्बई

पहला मैच अफगानिस्तान से रविवार 8 फरवरी चेन्नई

दूसरा मैच यूएई से 10 फरवरी, चेन्नई

तीसरा मैच दक्षिण अफ्रीका से 15 फरवरी, अहमदाबाद

चौथा मैच कनाडा से 17 फरवरी, चेन्नई।

अंडर-19 एकदिवसीय - वैभव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 10 छक्के लगाकर रिकार्ड बनाया

बेनोनी । भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 क्रिकेट टीम साथ जारी तीसरे एकदिवसीय मैच में 10 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। वैभव ने अपनी पारी में चौके से ज्यादा छक्के लगाए। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वैभन ने आरोन जॉर्ज के साथ पारी शुरु की। आरोन जहां आराम से खेल रहे थे, वहीं वैभव ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए तेजी से शतक लगाया। वैभव ने 74 गेंद पर 10 छक्के और 9 चौकों लगाकर 127 रन बना दिये। इस बल्लेबाज ने 63 गेंदों पर ही शतक लगा दिया।

वहीं जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली। वैभव ने पिछले मैच में भी मात्र 24 गेंद पर 10 छक्के और एक चौका लगाते हुए 68 रन बनाये थे। गौरतलब है कि साल 2025 में आईपीएल में डेब्यू के बाद से वैभव अपने आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जा रहे हैं। वैभव ने हर प्रारुप में तेज पारियां खेली हैं। आईपीएल में उनके नाम केवल सिर्फ 35 गेंद पर शतक का रिकार्ड है। वैभव ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से भी शतक लगाए हैं।

भारत दौरे पर अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं फिलिप्स

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स का कहना है कि उनका लक्ष्य भारत दौरे के साथ ही टी20 विश्वकप में भी बेहतर प्रदर्शन करना है। फिलिप्स आजकल सुपर स्मैश टी20 लीग में खेल रहे हैं। इसमें वह बाएं हाथ से खेलते हुए दिखे। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह बांए हाथ से खेलने के विकल्प का प्रयोगा बांए हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ कर सकते हैं। उनका कहना है कि भारतीय टीम के पास अक्षर पटेल जैसे लेफ्ट-आर्म स्पिनर हैं, जिनके खिलाफ बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहेगा।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालाघाट

ई-टेंडरिग निविदा आमंत्रण

बालाघाट जिले के विकासखण्डो के ग्रामों में 150 एम.एम. व्यास 120 मीटर गहरे साधारण नलकूप खनन कार्य की मुहरबंद निविदा प्रपत्र "अ 2.10" (प्रतिशत दर) मे एम.पी. टेण्डर्स पद्धति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आमत्रिंत की जाती है जो कि एम.पी. टेण्डर्स सिस्टम पोर्टल के http://mptenders.gov.in द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निविदा प्रकिया की जावेंगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

ई-टेण्रिंग पद्धति कमांक	निविदा कमांक/ आमंत्रित दिनांक	कार्य की अनुमानित लागत (राशि रू. लाख में)	धरोहर राशि राशि (अर्नेस्ट मनी) रू. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा प्रपत्र कय करने की एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	ऑन लाईन खुलने की तिथि	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7		9
2026_PHED_472725_1	15/02.01.2026	22.72	45450/-	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन
2026_PHED_472731_1	16/02.01.2026	22.72	45450/	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	
2026_PHED_472735_1	17/02.01.2026	22.72	45450/	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	
2026_PHED_472737_1	18/02.01.2026	22.72	45450/	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	
2026_PHED_472743_1	19/02.01.2026	22.72	45450/	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	
2026_PHED_472750_1	20/02.01.2026	22.72	45450/	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	
2026_PHED_472758_1	21/02.01.2026	22.72	45450/	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	
2026_PHED_472764_1	22/02.01.2026	22.72	45450/	5000/-	2 माह	19.01.2026	21.01.2026	

निविदा आमंत्रण सूचना, विस्तृत विवरण एवं Key dates की जानकारी वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है ।

नोट :-

1- सभी इच्छुक ठेकेदार ई-टेंडरिंग पोर्टल (http://mptenders.gov.in) में पंजीयन करायें ।

2- " निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनो को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा । यह संशोधन केवल http://mptenders.gov.in पर ही प्रकाशित किये जायेगें "

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क केडिट कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाईट पर भुगतान कर केवल ऑन लाईन पर ही कय किये जा सकतें है ।

विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाईट पर देखी जा सकती है ।

जी-24060/25

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
बालाघाट (म.प्र.)
(07632-241131)

'सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930'

मेधावी उम्मीदवारों के लिए खुली जनरल कैटेगरी- सुप्रीम कोर्ट ने मेरिट को माना जाति से ऊपर

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण और चयन प्रक्रिया को लेकर एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय सुनाया है, जो भविष्य की सभी भर्तियों की दिशा बदल देगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि अनारक्षित या सामान्य श्रेणी किसी विशेष वर्ग के लिए आरक्षित कोटा नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से योग्यता यानी मेरिट पर आधारित एक खुला मंच है। अदालत के इस फैसले का सीधा संदेश यह है कि यदि आरक्षित वर्ग का कोई भी अभ्यर्थी बिना किसी छूट या आयु सीमा में रियायत के सामान्य श्रेणी के कट-ऑफ से अधिक अंक प्राप्त करता है, तो उसे अनिवार्य रूप से जनरल कैटेगरी की सीट पर ही चयनित माना जाएगा। यह फैसला न केवल मेधावी छात्रों के हक में है, बल्कि यह संवैधानिक समानता के सिद्धांतों को भी नई मजबूती प्रदान करता है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने इस कानूनी स्थिति को साफ करते हुए कहा कि सरकारी नौकरियों में ओपन कैटेगरी का अर्थ ही यही है कि वहां जाति या समुदाय की दीवारें नहीं होंगी। प्रवेश की एकमात्र कसौटी केवल और केवल उम्मीदवार की काबिलियत होगी। अदालत ने कड़े शब्दों में कहा कि किसी अभ्यर्थी की आरक्षित पृष्ठभूमि उसे जनरल लिस्ट का हिस्सा बनने से नहीं रोक सकती। यदि भर्ती परीक्षाओं के दौरान ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जहाँ आरक्षित वर्ग का कट-ऑफ सामान्य श्रेणी से भी ऊपर चला जाता है, तो भी योग्य उम्मीदवारों को जनरल कैटेगरी से बाहर रखना अनुच्छेद 14 और 16 के तहत मिले समानता के अधिकारों का सीधा उल्लंघन होगा। अक्सर प्रशासनिक स्तर पर यह तर्क दिया जाता रहा है कि आरक्षित श्रेणी के छात्र का जनरल सीट पर चयन उसे दोहरा लाभ पहुँचाने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को पूरी तरह खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि योग्यता के दम पर हासिल की गई सफलता को अतिरिक्त लाभ की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। अदालत का मानना है कि यदि मेधावी उम्मीदवारों को उनकी आरक्षित श्रेणियों तक ही सीमित कर दिया गया, तो यह प्रतिभा का अपमान होगा और समान अवसर की मूल भावना को ठेस पहुँचाएगा। फॉर्म भरते समय जाति का उल्लेख करना केवल आरक्षित लाभ का दावा करने का एक जरिया है, यह किसी अभ्यर्थी को उसकी मेरिट के आधार पर मिलने वाली सीट से वंचित करने का हथियार नहीं बन सकता। यह न्यायिक स्पष्टता राजस्थान में न्यायिक सहायकों और क्लर्कों की भर्ती से जुड़े एक विवाद के बाद सामने आई है। इस मामले में कई आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों ने सामान्य श्रेणी के कट-ऑफ से भी अधिक अंक प्राप्त किए थे, फिर भी उन्हें चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया था। राजस्थान हाईकोर्ट के हस्तक्षेप और अब सुप्रीम कोर्ट की अंतिम मुहर के बाद यह तय हो गया है कि योग्यता ही सर्वोपरि रहेगी। इस फैसले के दूरगामी प्रभाव होंगे; जहाँ एक ओर सामान्य श्रेणी में प्रतिस्पर्धा और अधिक तीव्र होगी, वहीं दूसरी ओर वंचित वर्गों के प्रतिभावान युवाओं के लिए सफलता के नए द्वार खुलेंगे। शीर्ष अदालत का यह निर्णय सरकारी व्यवस्था में एक निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रणाली की नींव रखता है, जहाँ अब मेधा को जातिगत सीमाओं में नहीं बांधा जा सकेगा।

दिल्ली-एनसीआर में फिर हुई हवा प्रदूषित....एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आया

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एक दिन के लिए ऑरेंज जोन में आने के बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आ गया है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 90 प्रतिशत इलाके खराब से बेहद खराब श्रेणी में हैं। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। ओखला फेज-2 में एक्यूआई 342, पटपड़गंज में 332, पंजाबी बाग में 324, पूसा में 345, आरके पुरम में 337, रोहिणी में 319, सिरिफोर्ट में 342, सोनिया विहार में 320 और श्री अरबिंदो मार्ग पर 308 एक्यूआई दर्ज हुआ। हालांकि, शादिपुर में एक्यूआई 165 रहा, जो येलो जोन में है, लेकिन यह राहत सीमित इलाकों तक दिखाई दी। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 309, सेक्टर-62 पर 269, सेक्टर-1 में 312 और सेक्टर-116 में

324 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।

गाजियाबाद के इलाकों में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा गंभीर दिखाई दिया। लोनी में एक्यूआई 385, वसुंधरा में 344, संजय नगर में 286 और इंदिरापुरम में 244 एक्यूआई दर्ज हुआ, जो दिखाता है कि औद्योगिक और रिहायशी दोनों क्षेत्रों में हवा सांस लेने लायक नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार, हाल के दिनों में चली तेज हवाओं के कारण स्मॉग और प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिली है। 7 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुबह और दोपहर के समय घना कोहरा छाया रहा, जबकि दिनभर 'कोल्ड डे' की स्थिति बनी रही।

8 जनवरी को भी घने कोहरे का पूर्वानुमान है और 9 जनवरी तक मध्यम कोहरा बने रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे ठंड बढ़ेगी और कोहरे की समस्या बनी रहेगी।

मणिपुर में उग्रवादी भर्ती की साजिश नाकाम, प्रेपाक की दो महिला नेता गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल कर उग्रवादी संगठन में युवाओं की भर्ती की साजिश को नाकाम किया है। इस कार्रवाई में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेपाक (प्रेपाक) की दो महिला नेताओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात मणिपुर घाटी क्षेत्र के थौबल जिले के खंगाबोक गांव में विशेष अभियान चलाकर प्रेपाक की सक्रिय महिला नेताओं खुंड्राकपम निंगथौजम रोशिदिया (24) और लिशम बिद्या (30) को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी 4 जनवरी को काकचिंग जिले के काकचिंग खुनौ न्गाइखोंग लेइकाई क्षेत्र से तीन नाबालिगों के अपहरण के मामले की जांच के बाद की गई। जांच में सामने आया कि इन नाबालिगों का अपहरण प्रेपाक संगठन में जबरन भर्ती के उद्देश्य से किया गया था। सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चों को इम्फाल पश्चिम जिले के उचिवा अवांग लेइकाई इलाके से सुरक्षित छुड़ा लिया और उन्हें उनके माता-पिता को सौंप दिया। अपहरण में इस्तेमाल की गई सफेद मारुति-800 कार भी बरामद कर ली गई है। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार महिला नेताओं के अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है और उनसे जुड़े नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है। खुफिया जानकारी के मुताबिक, प्रेपाक संगठन ने म्यांमार की कचीन इंडिपेंडेंट आर्मी (केआईए) से नकद रकम के बदले हथियार और प्रशिक्षण प्राप्त किया था। पूर्व की रिपोर्टों में यह भी सामने आया था कि संगठन बांग्लादेश में प्रशिक्षण शिविर संचालित करता रहा है। इसी क्रम में सुरक्षा बलों ने सेनापति जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-2 पर नेपाली खुटी इलाके से 44 वर्षीय नंतु देब को गिरफ्तार किया। दक्षिणी असम के श्रीभूमि (पूर्व में करीमगंज) जिले के महिषाशान गांव निवासी देब के पास से 11.3 किलोग्राम अफीम, एक बोलेरो वाहन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार के सुरक्षा बल मणिपुर में आतंकवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ व्यापक अभियान चला रहे हैं। घाटी और पहाड़ी जिलों में कुल 113 नाके और चेकपॉइंट स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, इम्फालङ्कजिरीबाम राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-37) पर आवश्यक वस्तुओं से लदे वाहनों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है, ताकि आम जनजीवन बाधित न हो।

अभी तक 43 लाख 17 हजार मीट्रिक टन से अधिक हुई धान खरीदी

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 6 लाख 56 हजार 875 किसानों से 43 लाख 17 हजार 504 मीट्रिक टन धान की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा चुकी है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रूपये प्रति क्विंटल है। मंत्री राजपूत ने कहा है कि धान विक्रय के लिए किसान 13 जनवरी तक स्लॉट बुक करा सकते हैं। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि निर्धारित समय पर स्लॉट बुक जरूर करा लें। धान की खरीदी 20 जनवरी 2026 तक की जायेगी। किसानों को 6791 करोड़ रूपये से अधिक राशि का भुगतान भी किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि धान विक्रय के लिये 8 लाख 59 हजार 916 किसानों ने पंजीयन कराया है। एक दिसम्बर से शुरू हुई धान खरीदी के लिये विभिन्न जिलों में 1436 केन्द्र बनाये गये हैं। क्रय की गयी धान की 75 प्रतिशत मात्रा 32 लाख 18 हजार 480 मीट्रिक टन का परिवहन किया जा चुका है।

कड़ाके की ठंड ने बढ़ाई मुश्किलें, कोहरे-शीतलहर से ठिठुरन

भोपाल। मध्यप्रदेश इस समय भीषण सर्दी की चपेट में है। प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में घना कोहरा छाया हुआ है, जबकि कई जिलों में शीतलहर और कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी हुई है। हालात ऐसे हैं कि कुछ जगहों पर रात का तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। राजधानी भोपाल में भी जनवरी की सर्दी ने बीते 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। तेज ठंड और कम विजिबिलिटी के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं, जबकि कुछ जगहों पर स्कूल देर से खोलने के निर्देश जारी किए गए हैं।

प्रदेश के ग्वालियर-चंबल अंचल में कोहरे का असर सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। दतिया में सुबह के समय विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रिकॉर्ड की गई। ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में सडकों पर धुंध की मोटी परत छाई रही। इसके अलावा भोपाल, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सीहोर, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया और शहडोल समेत कई जिलों में भी कोहरे ने रफ्तार थाम दी।

शीतलहर और कोल्ड डे का अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने बुधवार को भोपाल, सीहोर, राजगढ़ और शाजापुर में शीतलहर चलने की चेतावनी जारी की है। इससे पहले शाजापुर, शहडोल, सिवनी, मंदसौर और सीहोर में भी शीतलहर का असर देखा जा चुका है। भोपाल और राजगढ़ में तो तीव्र शीतलहर दर्ज की गई। भोपाल, विदिशा, सीहोर, शाजापुर और नरसिंहपुर में दिनभर ठंडा दिन (कोल्ड डे) जैसी स्थिति बनी रही, जिससे धूप निकलने के बावजूद ठिठुरन कम नहीं हुई।

स्कूलों पर ठंड का असर, कई जिलों में छुट्टियां बढ़ीं

लगातार तीसरे दिन प्रदेश में कड़ाके की ठंड पडने् के कारण इंदौर, रायसेन, ग्वालियर और नर्मदापुरम में बुधवार को भी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। वहीं भोपाल, धार, सीहोर, अनूपपुर, बड़वानी, मुरैना और खरगोन में स्कूल सुबह 9 बजे के बाद खोलने के निर्देश दिए गए हैं। तेज ठंड और घने कोहरे के कारण बच्चों के स्कूल पहुंचने में दिक्कतें बनी हुई हैं।

दिन का तापमान भी गिरा, दतिया सबसे ठंडा

सिर्फ रात ही नहीं, बल्कि दिन के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार को दतिया में अधिकतम तापमान महज 17.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो प्रदेश में सबसे कम था। श्योपुर में 18.2, नौगांव में 18.5, ग्वालियर में 18.9 और खजुराहो में 20.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।भोपाल और दमोह में दिन का पारा 21.8 डिग्री तक पहुंचा, जबकि रतलाम और गुना में 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भोपाल में एक रात में 5.6 डिग्री की गिरावट

राजधानी भोपाल में ठंड ने नया रिकॉर्ड बना दिया। एक ही रात में तापमान 5.6 डिग्री गिरकर 3.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे कम है। इससे पहले 2015 के बाद ऐसा न्यूनतम तापमान दर्ज नहीं किया गया था।

माघ मेले में 150 से अधिक साधु-संतों ने मांगी सुरक्षा, अब तक करीब 90 साधु-संतों को प्रदान की जा चुकी है सुरक्षा

मोह-माया त्यागने वाले बाबाओं को सुरक्षा के लिए चाहिए गनर

प्रयागराज। माघ मेले में प्रवास कर रहे करीब 150 साधु-संतों ने खुद को असुरक्षित बताते हुए मेला पुलिस से व्यक्तिगत सुरक्षा मांगी है। मेला पुलिस के अनुसार, आवेदनों में बताए गए कारणों का सत्यापन गोपनीय तरीके से कराया जा रहा है। यह जिम्मेदारी स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) को दी गई है। इकाई यह जांच कर रही है कि किन साधु-संतों को वास्तव में जान का खतरा है। एलआईयू की रिपोर्ट के आधार पर अब तक करीब 90 साधु-संतों को सुरक्षा प्रदान की जा चुकी है, जबकि शेष आवेदनों पर रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं, मेला क्षेत्र में लगे 65 से अधिक शिविरों की सामान्य सुरक्षा के लिए पहले से ही होमगार्ड की तैनाती की गई है।

सात अपर पुलिस अधीक्षक, 14 सीओ, 29 इंस्पेक्टर, 221 दरोगा, 15 महिला दरोगा, 1593 सिपाही, 136 महिला सिपाही, पीएसी की पांच बाढ़ राहत कंपनियां, सात कानून-व्यवस्था के लिए पीएसी कंपनियां, दो एनडीआरएफ टीमें, एक एसडीआरएफ, दो आरएएफ कंपनियां, संपूर्ण मेला अवधि के लिए चार आरएएफ कंपनियां, आंतरिक सुरक्षा के लिए छह बीडीडीएस टीमें, दो एटीएस चेक टीमें, 78 एलआईयू कर्मी और यातायात के लिए चार इंस्पेक्टर, 38 दरोगा, 381 यातायात मुख्य आरक्षी, 1088 होमगार्ड, 304 पीआरडी कर्मियों की तैनाती की गई है।

मेला क्षेत्र में लगे 400 कैमरे

शहर से लेकर मेला क्षेत्र में 1552 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसमें मेले में 400 कैमरे शामिल है। एक सेंट्रल कंट्रोल रूम, 16 महिला हेल्प डेस्क, 17 साइबर हेल्प डेस्क, 761 फायरकर्मी तैनात हैं। इसके अलावा 20 वाच टावर भी लगाए गए हैं। 60 से अधिक शिविरों में होमगार्ड और करीब 90 साधु-संतों को गनर उपलब्ध कराए गए हैं। अन्य आवेदनों की एलआईयू से जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। - नीरज कुमार पांडेय, एसपी माघ मेला

ई-एफआईआर के 3 दिन में पहुंचना होगा साइबर सेल

भोपाल। यदि साइबर अपराध घटित होने पर आपने इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ई जीरो एफआईआर दर्ज कराई है तो अब शिकायत के तीन दिन के अंदर संबंधित थाने पर पहुंचकर बयान दर्ज कराना होगा। ई-एफआईआर की पेंडेंसी को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने इसमें बयान की समय सीमा तय कर दी है। अब यदि शिकायतकर्ता द्वारा ई एफआईआर के बाद तीन दिन के अंदर संबंधित थाने पर पहुंचकर बयान दर्ज नहीं कराया तो संबंधित को नोटिस जारी कर बुलाया जाएगा। नोटिस के तीन दिन बाद भी यदि शिकायतकर्ता थाने नहीं पहुंचा तो शिकायत को निरस्त कर दिया जाएगा।

बीएनएसएस की धारा 173 के तहत जीरो एफआईआर को कानूनी मान्यता दे दी गई है। इसके तहत यदि एक लाख रुपए से अधिक की किसी के साथ वित्तीय धोखाधड़ी हुई तो फरयादी ऑनलाइन तरीके से ई जीरो एफआईआर दर्ज करा सकता है। ताकि ऑनलाइन ठगी से जुड़े मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा सके और वित्तीय हानि को कम से कम किया जा सके। ई एफआईआर दर्ज कराते ही शिकायत भोपाल के केंद्रीय साइबर पुलिस को पहुंचती है। इसके बाद इस पर कार्रवाई शुरू की जाती है, लेकिन अब ऐसे सभी ई एफआईआर के मामलों की संबंधित रेंज के डीआईजी को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें डीआईजी जोन रेंज, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त क्राइम भोपाल और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त क्राइम इंदौर को अपने-अपने क्षेत्रों में नोडल अधिकारी बनाया गया है। पुलिस मुख्यालय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नोडल अधिकारियों को हर माह राज्य साइबर मुख्यालय को ई जीरो एफआईआर की रिपोर्ट भेजनी होगी। इसमें यह भी बताना होगा कि ई जीरो एफआईआर में शिकायत के बाद कितने शिकायतकर्ता द्वारा उपस्थित होकर बयान दर्ज कराए गए। कितने शिकायतकर्ताओं को नोटिस जारी किए गए और कितनी शिकायतों को निरस्त किया गया।

मनी लॉन्ड्रिंग कानून को चुनौती देने से कुछ नहीं होगा आम आदमी की तरह ट्रायल का सामना करें

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण और सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न और प्रभावशाली लोग कानून की प्रक्रिया का सामना करने के बजाय, अक्सर केस दर्ज होते ही उस कानून की वैधता को ही चुनौती देने के लिए अदालत का रुख करते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने इस बढ़ते हुए रुझान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे एक दुर्लभ और चिंताजनक ट्रेंड करार दिया है।

यह मामला तब सामने आया जब मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका एक हाई-प्रोफाइल हेलीकॉप्टर सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी द्वारा दाखिल की गई थी, जिसमें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के कुछ विशेष प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब किसी मामले का ट्रायल चल रहा हो, तब प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा कानून को चुनौती देना न्याय प्रक्रिया में बाधा जैसा है। पीठ ने याचिकाकर्ता को दो टूक शब्दों में निर्देश दिया कि वे किसी भी सामान्य नागरिक की तरह कानूनी ट्रायल का सामना करें।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए तर्क दिया कि इस कानून के प्रावधानों को पहले ही कई अन्य याचिकाओं के माध्यम से चुनौती दी जा चुकी है, जो अभी लंबित हैं। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि आर्थिक अपराधों में शामिल प्रभावशाली लोगों द्वारा कानूनी पेचीदगियों का सहारा लेकर कार्यवाही में देरी करने की कोशिशों को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। इससे पूर्व भी कुछ राजनीतिक हस्तियों द्वारा इसी तरह की चुनौतियां दी गई थीं, जिन्हें लेकर न्यायालय का रुख अब और अधिक स्पष्ट और सख्त दिखाई दे रहा है।

ट्रंप के बयान पर राहुल गांधी का पीएम मोदी पर कटाक्ष...दबाव में सरेंडर

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव में सरेंडर करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि पीएम मोदी ने उनसे मिलने का समय मांगा था।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्रंप द्वारा हाल के दिनों में प्रधानमंत्री मोदी पर की गई टिप्पणियों की पृष्ठभूमि में बुधवार को कटाक्ष कर कहा कि "फर्क समझो, सर जी। राहुल गांधी ने पिछले साल जून में कांग्रेस के 'संगठन सृजन अभियान' से संबंधित कार्यक्रम में दिए गए अपने भाषण का एक अंश साझा किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी, ट्रंप के एक फोन से उनके सामने झुक गए तथा "नरेन्दर, सरेंडर" कर गए।

उस भाषण में राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस तथा उसके नेताओं ने महाशक्तियों के सामने कभी 'सरेंडर' नहीं किया, लेकिन थोड़े से दबाव के आगे झुक जाना भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल स्वभाव है। कांग्रेस नेता ने इस भाषण से जुड़ा वीडियो 'एक्स' पर साझा कर पोस्ट किया, "फ़र्क समझो, सर जी।" दरअसल, ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ (शुल्क) को लेकर हाल के दिनों में कई ऐसी टिप्पणियां की हैं जो सरकार को असहज करने वाली हैं। मोदी सरकार की तरफ से फिलहाल इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी ट्रंप की टिप्पणियों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष किया।

उन्होंने ट्रंप के वक्तव्य का वीडियो साझा कर पोस्ट किया, "नमस्ते ट्रंप से लेकर हाउडी मोदी तक, 'डोनाल्ड भाई' और अब यह (सर)। आगे क्या?" अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि रूसी तेल खरीदने पर अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे 'ज्यादा खुश नहीं हैं।'

बालाघाट : सेंट आरसेटी मे आजीविका मिशन के सहयोग से जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन, 12 दिव्यांगजन सहित 31 प्रशिक्षणार्थियों को मिले प्रमाण-पत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माननीय कलेक्टर श्री मृणाल मीणा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक सराफ के निर्देशन तथा अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजीव कुमार एवं सेंट आरसेटी बालाघाट निदेशक श्री एस.बी. भोंडेकर , जिला परियोजना प्रबंधक सुश्री स्वेता मेहतो (एनआरएलएम बालाघाट), के मार्गदर्शन में सेंट रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आरसेटी) बालाघाट में जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर (लघु उद्यमी) के 35 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को सफल समापन हुआ।

यह बैच विशेष श्रेणी का था, जिसमें कुल 31 प्रशिक्षणार्थियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा किया। इनमें 12 प्रशिक्षणार्थी दिव्यांगजन थे, जो इस कार्यक्रम की समावेशी प्रकृति को दर्शाता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को ब्यूटी केयर, सैलून मैनेजमेंट तथा स्वरोजगार स्थापना संबंधी व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति मर्सकोले, महाप्रबंधक (जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र),

श्री अंकित मेश्राम (जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र), अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजीव कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक सुश्री स्वेता मेहतो (एनआरएलएम बालाघाट), सेंट आरसेटी बालाघाट निदेशक श्री एस.बी. भोंडेकर, कार्यक्रम समन्वयक सह फैकल्टी श्री अंकित लिल्हारे, फैकल्टी श्रीमती अनीता चौधरी तथा कार्यालय सहायक श्री शिवम कटरे उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। अतिथियों ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए स्वरोजगार स्थापित करने, उद्यमिता विकास तथा सरकारी ॠण योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों एवं आरसेटी स्टाफ द्वारा संस्था परिसर में वृक्षारोपण किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं, विशेषकर दिव्यांगजनों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आरसेटी बालाघाट ऐसे आयोजनों के माध्यम से जिले में कौशल विकास एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई में बड़ी सफलता, कुख्यात गैंगस्टर अमन भैंसवाल अमेरिका से डिपोर्ट

गुरुग्राम। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोनीपत के कुख्यात गैंगस्टर अमन भैंसवाल को अमेरिका से भारत वापस लाया है। हिमांशु भाऊ गैंग के लिए शार्प शूटर के तौर पर काम करने वाले अमन भैंसवाल को इंटरपोल और केंद्रीय गृह मंत्रालय के सहयोग से बुधवार को डिपोर्ट किया गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही एसटीएफ की टीम ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। मूल रूप से सोनीपत के गांव भैंसवाल कलां निवासी अमन भैंसवाल पर हत्या, रंगदारी और जालसाजी सहित 10 से अधिक संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि उसने दिल्ली के मयूर विहार इलाके के एक फर्जी पते का इस्तेमाल कर 'अमन कुमार' के नाम से पासपोर्ट बनवाया था। इसी फर्जी पहचान के सहारे वह वर्ष 2025 में भारत से अमेरिका फरार हो गया था। मामले का खुलासा होने के बाद एसटीएफ ने गोहाना सदर थाने में जालसाजी का केस दर्ज कर इंटरपोल को सूचित किया, जिसके बाद उसे पकड़ने की अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया शुरू हुई। हाल के दिनों में अमन भैंसवाल का नाम रोहतक के सांपला में 'सीताराम हलवाई' की दुकान पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना में सामने आया था। इस वारदात के दौरान बदमाशों ने एक पर्ची फेंककर एक करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की थी, जिस पर अमन भैंसवाल ग्रुप का नाम लिखा था। इसके अलावा गोहाना के चर्चित 'मातूराम हलवाई' कांड में भी उसकी संलिप्तता के पुख्ता सबूत मिले हैं।

एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार, अमन भैंसवाल को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि उसके नेटवर्क, साथियों और विदेशों में बैठे गैंग के आकाओं की जानकारी जुटाई जा सके।

बालाघाट
गुरुवार 08 जनवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

करमा नृत्य समारोह में संतुलन, संस्कृति एवं लोक परम्परा का हुआ मंचन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नूतन कला निकेतन बालाघाट में चल रहे चार दिवसीय शेषमणि पाण्डेय स्मृति करमा नृत्य समारोह की तीसरी शाम याराना गेड़ी नृत्य समूह द्वारा सौरभ ग्रामीण विकास शिक्षा एवं जन कल्याण समिति के तत्वाधान में बीती रात गेड़ी नृत्य, गेड़ी करमा और गेडी डांडिया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। नगाड़े की थाप पर गेड़ी में चढ़कर कदम ताल

कर संतुलन के साथ नृत्य करना जितना मुश्किल उतना ही रोमांचक था। छोटे-छोटे बच्चों ने जिस प्रकार गेड़ी में चढ़कर नृत्य किया उसे देखकर दर्शकों को अपनी विरासत संस्कृति एवं परंपरा पर गर्व का अनुभव हुआ। विलुप्त होती संस्कृति को आज के छोटे बच्चों के द्वारा किया गया प्रदर्शन सराहनीय रहा। इन बालमन के कलाकारों में अपनी संस्कृति और परंपराओं को लेकर जो भाव नजर आया वह देखते ही बनता था।

बालाघाट से सरकारी चांवल छिंदवाड़ा के बजाए गोंदिया ले जाते खैरलांजी में पकड़ाए चार ट्रक जब्त

छिंदवाड़ा बोरगांव एथेनॉल प्लांट के लिए निकले थे; एसडीएम के निर्देश पर कार्रवाई

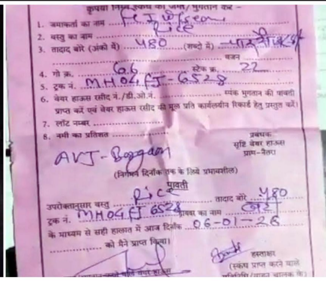

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

चांवल की चोरी थमने का नाम नहीं ले रही है. सरकारी चावल की सरेआम चोरी पकड़ाई है। बालाघाट जिले में शासकीय चावल की गड़बड़ी का मामला सामने आया है। एथेनॉल प्लांट के नाम पर शासकीय चावल महाराष्ट्र भेजे जा रहे थे। सूचना मिलने पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र की ओर जा रहे तीन ट्रकों को खैरलांजी क्षेत्र में जब्त कर लिया। यह कार्रवाई एसडीएम के निर्देश पर की गई।

वेयरहाउस से निकले थे चार ट्रक

मिली विश्वस्त जानकारी के अनुसार, लालबर्रा स्थित एक वेयरहाउस से छिंदवाड़ा जिले के बोरगांव में बने एथेनॉल प्लांट के लिए चार ट्रक शासकीय चावल लेकर रवाना हुए थे। इनमें से तीन ट्रकों को रास्ते में जब्त कर लिया गया, जबकि एक ट्रक प्रशासन की निगरानी से बाहर निकल गया।

बोरगांव की जगह गोंदिया जा रहे थे ट्रक

सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि जब्त किए गए तीनों ट्रक गोंदिया (महाराष्ट्र) की ओर जा रहे थे, जबकि एक ट्रक ही बोरगांव की दिशा में गया। प्रत्येक ट्रक में करीब 24 टन शासकीय चावल भरा हुआ था।

ट्रक चालक से पूछताछ में पकड़ाई गड़बड़ी

वहीं पूछताछ में गोंदिया निवासी ट्रक चालक रोशन पंद्रे ने बताया कि उसे ट्रक खैरी के अर्जुनी तक ले जाना था, जहां से कोई दूसरा चालक ट्रक को आगे ले जाता। इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि जब चावल बोरगांव एथेनॉल लेकर सवाल उठ रहे हैं कि जब चावल बोरगांव एथेनॉल प्लांट के लिए था, तो ट्रकों को महाराष्ट्र के रास्ते पर क्यों भेजा गया। अगर चालक को सही रास्ता नहीं पता था, तो जानकार चालक को साथ क्यों नहीं भेजा गया।

चालकों ने बताया कि ट्रक गोंदिया निवासी बंटी भाई के हैं। इस पूरे मामले में चावल का परिवहन करने वाली एजेंसी और एफसीआई से जुड़े अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

एसडीएम ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

मामले को लेकर जब वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

सड़क हादसे में घायल एमआर की खुरसोड़ी चौक में मौत

पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया गया शव, जाँच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुरसोड़ी चौक में बीती रात को हुए एक दर्दनाक हादसे में मोटरसाइकिल में सवार एक एमआर घायल हो गया था। जिसकी बुधवार की सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक का नाम थाना बिरसा ग्राम टिंगीटोला निवासी 25 वर्षीय राहुल पिता सत्तरलाल चौधरी बताया गया है। जिसके शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है, तो वही परिजनों के बयान के आधार पर ग्रामीण थाना पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है

लांजी से वापस आते समय हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिरसा के टिंगीटोला निवासी राहुल चौधरी पेशे से एमआर था। जो पिछले 6-7 वर्षों से बालाघाट में रहकर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव का काम करता था। बताया गया कि कंपनी से प्राप्त मेडिकल उत्पाद की जानकारी, चिकित्सक को देने के लिए वह मंगलवार को लांजी गया हुआ था।जो वहां से देर शाम वापस बालाघाट आ रहा था। जानकारी के मुताबिक रात्रि करीब 8:30 बजे जब वह मोटरसाइकिल से ग्राम खुरसोड़ी चौक पहुंचा वहां सड़क हादसा हो गया। जिसमें बहुत सड़क पर गिर कर घायल हो गया।

पिकअप के साथ ठोस की कही जा रही बात

हालांकि यहां हादसा कैसे हुआ फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है,लेकिन बताया गया की राहुल मोटरसाइकिल चलाता हुआ आ रहा था, जो अज्ञात पिकअप को पीछे से ठोस मारता हुआ दिखाई दिया।जिसकी धुंधली तस्वीर खुरसोड़ी चौक में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड होने की बात कही जा रही है।अंदेशा लगाया जा रहा है कि संभवत- उसकी मोटरसाइकिल ने पीछे से पिकअप को ठोक मारी होगी,जिसके चलते यह हादसा हो गया।जिससे एमआर राहुल सड़क पर गिरकर घायल हो गया।बताया गया कि इस हादसे में राहुल का हैलमेट भी बुरी तरह से टूट चुका था।

उपचार के दौरान हुई मौत

बताया गया कि घटना के बाद राहुल के साथियों ने उसे निजी वाहन की मदद से बालाघाट स्थित कमरे में वापस ला लिया था।लेकिन सुबह करीब 5 बजे उसकी तबीयत काफी खराब हो गई,जिसकी जानकारी उसने अपने साथियों और परिजनों को दी। तबीयत खराब होने पर उसके साथियों ने उसे जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया था, जहा उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उधर मामले की जानकारी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया। वहीं परिजनों के बयान दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही मामले की जांच के लिए डायरी ग्रामीण थाना पहुंचाई गई है, जिसके आधार पर पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

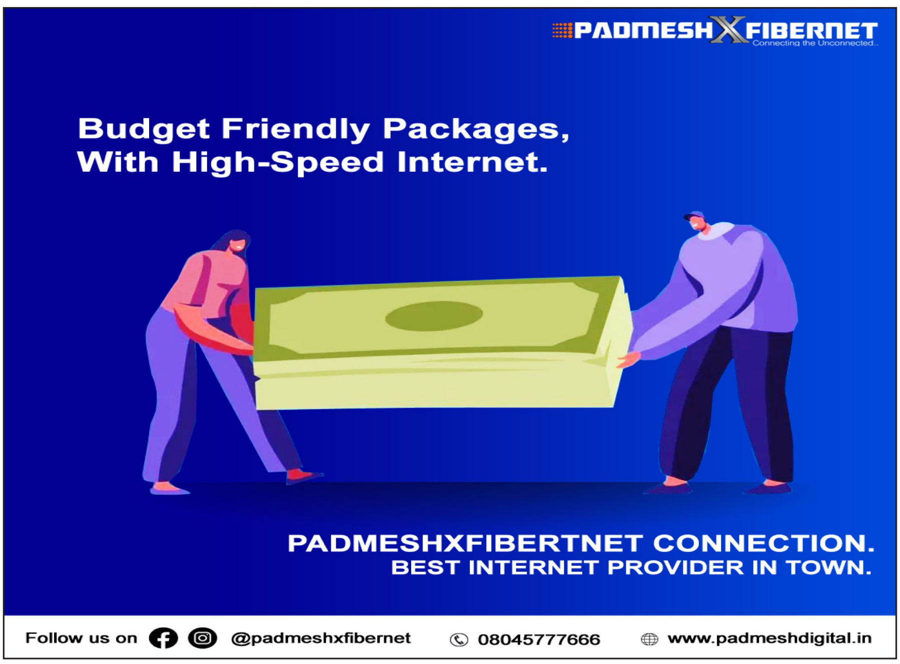

Government of India, (MHA)
Office of the Commandant, 66th Bn. SashastraSeema Bal,
Campierganj camp at BOP Domuhanaghat
Post-Nautanwa, Distt-Maharajganj (Uttar Pradesh)-273164
Tele Phone No.9415999608 / Fax No.05522-234075

File No.13/E-I/COI Corrsp./PF(CT/GD)/Shubham/66 Bn./SSB/C.Ganj/25/**247-52**Date: 05.01.2026

To,

UIN-113071329 CT(GD) Shubham S/o Sh. Rajkumar
Vill- Madnpur, Post- Koste, PS- Waraseoni, Distt.-Balaghat,
State- Madhya Pradesh, Pin Code- 481331(Mob. 7247029257/9171475956).

SUB:- **SHOW CAUSE NOTICE UNDER RULE-21.**

1. **Whereas,** while you were posted in 66th Battalion, SSB, Campierganj Camp at BOP Domuhanaghat, Nautanwa, District Maharajganj (UP), you were granted 13 days Earned Leave w.e.f. 29.09.2025 to 11.10.2025 with permission to avail 28.09.2025 & 12.10.2025 being Sunday as prefix & suffix. After expiry of the said leave, you are overstaying from leave w.e.f. 12.10.2025 (AN) without obtaining prior permission of the competent authority.
2. **And whereas**, upon expiry of the aforesaid sanctioned leave, you failed to rejoin your duties in 66th Bn. SSB and accordingly two memorandums were issued to you vide this office Memo No. E-VI/PF/CT(GD)/Shubham/ 66 Bn./CRC/2025/16671-74 dated 23.10.2025 & Memo No. E-VI/PF/CT(GD)/ Shubham/66 Bn./ CRC/2025/ 17338-42 dated 03.11.2025, dispatched to your home/leave address, directing you to resume duties forthwith.
3. **And whereas,** you have remained absent without authority for a period of 02 month and 20 days without furnishing any sufficient cause and despite issuance of re-joining notices, you have failed to report back for duty to 66th Bn. SSB.
4. **And whereas,** a Court of Inquiry under Section 74 of the SSB Act, 2007 was duly convened to inquire into the circumstances of your aforesaid absence, and the said Court of Inquiry declared your absence as unauthorized.
5. **And whereas**, consequent upon the findings of the Court of Inquiry, an Apprehension Roll was issued to the concerned Police Authority vide letter No.13/E-I/COI Corrsp/PF(CT/GD)/Shubham/66 Bn./SSB/C.Ganj/25/18701-02 dated 02.12.2025 and letter No.13/E-I/COI Corrsp/PF(CT/GD)/Shubham/66 Bn./SSB/C.Ganj/25/ 19124-25 dated 10.12.2025. Despite the above action, you have neither reported for duty nor surrendered yourself, nor have you been apprehended by the Police authorities. As such, you are deemed to be a deserter within the meaning of Section 74 of the SSB Act, 2007, and the offence is punishable under the said Act.
6. **And whereas,** having regard to the facts and circumstances of the case, the undersigned is satisfied that conducting your trial by Force Court for the offence of desertion under the SSB Act is inexpedient and impracticable, and is of the tentative opinion that your further retention in service is undesirable.
7. **And whereas,** a copy of the Court of Inquiry referred to in paragraph 4 above, containing the statements of witnesses and the nature of allegations, is annexed herewith as Annexure-I.
8. **And whereas**, a Show Cause Notice was served upon you vide this office No.13/E-I/COI Corrsp/PF(CT/GD)/Shubham/66 Bn./SSB/C.Ganj/25/19603-08 dated 20.12.2025 with the direction to resume your duties within 15 days of the notice of the Commandant 66thBn, failing which you shall be dismissed from service without any prior intimation but you failed to assume your duties till date.
9. Now, therefore, this show cause notice is once again served you & also published in news paper of your home District Balaghat (MP), with direction to submit in writing your explanation and defence in respect of above allegation(s) by 15 days as to why action to dismiss or remove you tentatively from service for said mis-conduct should not be initiated against you under Rule-21 of SSB Rule-2009. In case, you fail to submit your reply within the stipulated period, or if you have nothing to put forth in your defence, it shall be presumed that you have no explanation to offer, and further action to terminate your services, as proposed above, shall be initiated against you ex parte under the provisions of Rule-21 of the SSB Rules, 2009.

----sd----
Commandant
66th Bn. SSB Campierganj (UP)

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट